E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 320 | गुवाहाटी | सोमवार, 19 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

कांग्रेस व एआईयूडीएफ ने अल्पसंख्यकों के लिए कुछ नहीं किया : अतुल बोरा पेज 3
केजरीवाल के पायलट बनकर काम कर रहे भगवंत मान : अमित शाह पेज 4
मैंने राजनीतिक जीवन में कभी अहंकार नहीं पाला : राजनाथ सिंह पेज 5
सिरसा में गरजे अमित शाह : भाजपा ने हरियाणावासियों को थ्रीडी सरकार से ... पेज 8

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
भूख के समान कोई दूसरा शत्रु नहीं है।
- आचार्य चाणक्य

बाढ़ से 14 जिले प्रभावित, कई नदियों के तटबंध टूटने से बढ़ीं मुसीबतें

गुवाहाटी (हि.स.)। असम समेत पूरे पूर्वोत्तर और पड़ोसी देश भूटान में पिछले एक सप्ताह से लगातार हो रही बारिश के चलते राज्य के 14 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कई नदियों के तटबंध टूट गए हैं। सड़कों को भी नुकसान हुआ है। प्रशासन पूरी तत्परता के साथ बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है। असम राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने 14 जिलों में आई बाढ़ के रविवार को आंकड़े जारी किए हैं। राज्य की तीन नदियां तीन स्थान पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इनमें पुठीमारी नदी (एनएच रोड क्रॉसिंग), कपिली नदी (कामपुर), ब्रह्मपुत्र (नेमातीघाट) शामिल हैं। बाढ़ प्रभावित 14 जिलों और अनुमंडलों में बिश्वनाथ, कछार, दरंग, धेमाजी, डिब्रूगढ़, होजाई, गोलाघाट, होजाई, लखीमपुर, नगांव, नलबाड़ी, शोणितपुर, तिनसुकिया, उदालगुरी शामिल हैं। वहीं तीन जिलों के शहरी क्षेत्र कछार, कामरूप (मेट्रो) और नलबाड़ी जिलों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई हैं। बाढ़ से 25 राजस्व सर्किल अंतर्गत 142 गांवों के 33412 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से कुल 1510.98 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई है। बाढ़ प्रभावितों के लिए कुल 19 राहत शिविर स्थापित किये गए हैं जबकि 16 राहत वितरण केंद्र खोले गए हैं। राहत शिविरों में अब तक कुल 9 लोग रहे हैं जिसमें 4 पुरुष, 4 महिला एवं एक गर्भवती महिला शामिल है। बाढ़ से राज्य के कुल 20405 पशु धन प्रभावित हुए

हैं। इसमें बड़े पशुओं की कुल संख्या 13587, छोटे 6316 तथा 502 कुक्कुट शामिल हैं। बाढ़ में कुल 21 पशु बह गए। जिसमें 21 बड़े पशु शामिल हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान के लिए एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की पांच नौका तथा मेडिकल 4 टीमें तैनात की गई हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों से नावों के जरिए 7 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। रविवार को बाढ़ प्रभावितों के बीच खाद्य सामग्रियों का वितरण किया गया। जिसमें 413.56 क्वींटल चावल, 76.47 क्वींटल दाल, 22.94 क्वींटल नमक, 2294.35 लीटर सरसों का तेल, पशुओं के लिए चावल की भूसी 668.49 क्वींटल शामिल हैं। राज्य सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी तरह के आवश्यक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उधर बाढ़ की स्थिति रविवार को भी गंभीर बनी रही और राज्य के विभिन्न इलाकों में नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के सुबह के बुलेटिन में कहा गया है कि जोरहाट जिले के निमतिघाट में ब्रह्मपुत्र खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। -शेष पृष्ठ दो पर

सोनापुर : बार-बार हो रहे भूस्खलन को लेकर एनएचए से मांगी मदद

शिलांग (हि.स.)। गुवाहाटी को बराक घाटी के तीन जिलों कछार, करीमगंज और हैलाकांदी के साथ ही त्रिपुरा, मिजोरम और मणिपुर को मेघालय होकर जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग-6 पर लगातार भूस्खलन हो रहा है। इसी तरह मेघालय के सोनापुर में लगातार भूस्खलन को देखते हुए पूर्वी जयंतिया पहाड़ जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचए) से मदद मांगी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मेघालय में पूर्वी जयंतिया हिल्स के जिलाधिकारी ने पिछले कुछ दिनों से सोनपुर सुरंग के सामने लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण जमा मिट्टी और पत्थर के मलबे को हटाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की मदद मांगी है। शिलांग स्थित भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक को जिलाधिकारी और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष ने पत्र लिखकर तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। पत्र में लिखा गया है कि मेघालय में राष्ट्रीय राजमार्ग-6 दक्षिण असम के बराक घाटी के तीन जिलों कछार, करीमगंज एवं हैलाकांदी के साथ ही त्रिपुरा, मिजोरम -शेष पृष्ठ दो पर

जोरहाट में विशिष्ट लोगों से मिले नड्डा

जोरहाट (हि.स.)। असम दौरे पर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा डिब्रूगढ़ से जोरहाट जिला शहर में पहुंचकर पार्टी के महाजनसंपर्क अभियान के तहत विशिष्ट व्यक्तियों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। केंद्र में मोदी सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा के देशव्यापी महाजनसंपर्क अभियान के तहत नड्डा ने रविवार को जोरहाट में विशिष्ट व्यक्तियों से मुलाकात की। नड्डा ने जोरहाट के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता शांता शर्मा, प्रख्यात क्रीड़ा संगठक रक्तिम सैकिया, प्रख्यात डॉक्टर पंकज बरुवा और प्रख्यात व्यवसायी और साहित्यकार ओम प्रकाश गट्टानी से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता, विधायक हितेंद्रनाथ गोस्वामी, सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, सांसद तपन गोगोई और भाजपा पदाधिकारी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मणिपुर में हिंसा जल्द रुके : आरएसएस

नागपुर। मणिपुर पिछले डेढ़ महीने से हिंसा की भेंट चढ़ा हुआ है। इस हिंसा में कई लोगों की जान चली गई है। इस बीच राष्ट्रीय स्वयं सेवक (आरएसएस) ने प्रदेश के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही साथ उसने हिंसा को लेकर गहरी चिंता जताई है। उसका कहना है कि मणिपुर में 45 दिनों से लगातार हो रही हिंसा बेहद चिंताजनक है। 3 मई को चुराचांदपुर में लाई हराओबा उत्सव के समय आयोजित विरोध रैली के बाद हिंसा की शुरुआत हुई, जोकि निंदनीय है। आरएसएस ने कहा कि यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि सदियों से आपसी सौहार्द और सहयोग से शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करने वालों में बाद -शेष पृष्ठ दो पर

23 जून की बैठक को लेकर कांग्रेस कन्फ्यूज

नई दिल्ली। पटना में 23 जून को होने वाली विपक्षी दलों के मुखियाओं की महापंचायत लगने जा रही है। उससे पहले सबसे बढ़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस रोडमैप को लेकर असमंजस में है। विपक्षी बैठक से पहले कांग्रेस को कई चिंताएं सता रही हैं। इसलिए विपक्षी दलों से मीटिंग के पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे वरिष्ठ नेताओं से चर्चा करके पार्टी की रणनीति -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : शांति के लिए महिलाएं मशाल लेकर सड़कों पर उतरीं

इंफाल। मणिपुर में लगातार हिंसा भड़कती जा रही है। इससे आम नागरिकों को परेशानी हो रही है। राज्य में शांति लाने के लिए महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया है। राज्य में हो रही हिंसा की निंदा करने के लिए कई जिलों में सैकड़ों महिलाएं शनिवार रात सड़कों पर उतरीं। इंफाल के पूर्व-पश्चिम, थौबल और काकचिंग जिलों में शाम सात बजे से रात आठ बजे तक सड़कों पर महिलाएं इकट्ठी हुईं और रैली निकाली। इस दौरान महिलाओं के हाथ में आग की मशालें थीं। कोंगबा में मीरा पैबी की नेता थौनाओजम किरण देवी ने पत्रकारों से कहा कि हम सब सरकार और केंद्र सरकार से बहुत निराश है। वे हिंसा को -शेष पृष्ठ दो पर

बिपरजॉय से राजस्थान में जनजीवन अस्त-व्यस्त, चार की मौत

जयपुर (हि.स.)। अरब सागर से उठे चक्रवाती तूफान *बिपरजॉय* ने राजस्थान के कई जिलों में कहर बरपा दिया है। इसके असर से राज्य के कई इलाकों में पिछले 36 घंटे से बारिश चल रही है, जिससे बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बाढ़मेर, सिरोही, बांसवाड़ा, उदयपुर, राजसमंद, पाली, अजमेर, कोटा सहित कई जिलों में तेज बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। इन जिलों के कुछ इलाकों में अब तक 10 से लेकर 13 इंच तक बरसात हो चुकी है। तूफान की रफ्तार में रविवार को चार जिंदगियां काल के गाल में समा चुकी हैं। बाढ़मेर जिले के सेड़वा थाना इलाके गंगासरा गांव की नाड़ी (तालाब) में डूबने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। वहीं, राजसमंद के निकट बाघोटा गांव में चट्टान के नीचे दबने से युवक की मौत हो गई। राजसमंद के ही केलवा गांव में आज मकान का छज्जा गिरने से एक महिला की मौत हो गई। जालोर जिले के सांचौर में सुरावा बांध टूटने से कई इलाके डूब गए हैं। बांध टूटने से नर्मदा लिफ्ट कैनाल में पानी बढ़ने से वह भी टूट गई है। अब सबसे ज्यादा खतरा सांचौर शहर पर मंडरा रहा है। शनिवार रात बांध टूटने की जानकारी मिलते ही पूरे शहर को खाली कराने की कोशिश की गई है। जयपुर में भी रविवार सुबह से बारिश का दौर चला। शहर के साथ जयपुर संभाग के दौसा, अलवर जिलों में तेज बारिश से मौसम बदला है। जालोर जिले के सांचौर के आस-पास पिछले 36 घंटे से मूसलाधार बारिश हो रही है। गुजरात की तरफ से भी यहां बने सुरावा बांध में लगातार पानी आ रहा था। ज्यादा पानी का भराव होने के चलते शनिवार देर रात बांध टूट गया। यह पानी शहर की तरफ बढ़ गया है। अचानक शहर में पानी -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम के मुख्यमंत्री से मणिपुर के सीएम ने मांगी मदद

इंफाल। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मणिपुर में चल रही हिंसा के संबंध में रविवार को मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथंगा से बात की। बातचीत के दौरान बीरेने सिंह ने इस उम्मीद के साथ जोरामथंगा से सहायता मांगी कि इस मुद्दे को हल करने में आगे से दोनों की मौजूदगी शांतिपूर्ण तरीके से होगी। मिजोरम के सीएम जोरामथंगा ने ट्वीट कर बताया कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने दोपहर 12:30 बजे मुझसे फोन पर बात की; मणिपुर में चल रही हिंसा के बारे में इस उम्मीद के साथ इस मुद्दे को हल करने में मेरी सहायता मांग रहे हैं कि अब से दोनों की -शेष पृष्ठ दो पर

सिविल कोड का विरोध करेगा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

नई दिल्ली। विधि आयोग ने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) पर लोगों को सुझाव देने के लिए कहा है, जिसके बाद विवाद बढ़ता जा रहा है। अटकलें लगाई जाने लग गई हैं कि केंद्र सरकार 2024 लोकसभा चुनाव से पहले इसे जमीन पर उतार सकती है। इस बीच जमीयत के प्रमुख ने अरशद मदनी ने रविवार को कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने अपील की है कि लोग यूसीसी का विरोध करें, लेकिन इसके लिए सड़कों पर न उतरें। मदनी का कहना है कि पिछले 1300 सालों से उनके पास अपने व्यक्तिगत कानून हैं। वे उन्हीं पर टिके रहेंगे, लेकिन वह यूसीसी का विरोध करने के लिए सड़कों पर उतरना पसंद नहीं करेंगे। आजादी के बाद किसी भी सरकार ने ऐसा नहीं किया और वे मानते हैं कि इसकी कोई जरूरत नहीं है। जितना इसका अधिक विरोध किया जाएगा उतना हिंदू-मुसलमान दूर हो -शेष पृष्ठ दो पर

टीबी देश से 2025 तक होगा खत्म : पीएम

नई दिल्ली। भारत ने 2025 तक टीबी (ट्यूबरकुलोसिस) को खत्म करने का लक्ष्य रखा है और जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा। यह बात पीएम मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* में कही। पीएम ने बताया कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान (निक्षय मित्र पहल) को लागू किया गया है। पीएम ने कहा कि भारत ने 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित -शेष पृष्ठ दो पर

आदिपुरुष में बदले जाएंगे आपत्तिजनक डायलॉग्स : मेकर्स

मुंबई। 500 करोड़ के बजट में बनी भारत की सबसे महंगी फिल्म *आदिपुरुष* की रिलीज ने देशभर में लोगों की भावनाओं को आहात कर दिया है। फिल्म के घटिया डायलॉग्स और वीएफएक्स की सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना की जा रही है। आदिपुरुष के डायलॉग्स पर बढ़ते विवाद को देखते हुए फिल्म के मेकर्स ने एक बड़ा फैसला लिया है। मेकर्स ने फिल्म से उन सभी डायलॉग्स को बदलने का फैसला किया है, जिनपर लोगों ने आपत्ति जताई है। बता दें, नए डायलॉग्स इसी हफ्ते फिल्म में शामिल किए जाएंगे। इस बात की जानकारी खुद मनोज मुंतशिर ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। आदिपुरुष के विवादित डायलॉग्स बदलने की जानकारी देते हुए मनोज मुंतशिर ने ट्विटर पर एक लंबा चौड़ा नोट लिखा। उन्होंने लिखा कि रामकथा से पहला पाठ जो कोई सीख सकता है, वो है हर भावना का सम्मान करना। सही या गलत, समय के अनुसार बदल जाता है, भावना रह जाती है। आदिपुरुष में 4000 से भी ज़्यादा पंक्तियों के संवाद मैंने लिखे, 5 पंक्तियों पर कुछ भावनाएं आहत हुईं। उन सैकड़ों पंक्तियों में जहां श्री राम का यशगान किया, मां सीता के सतीत्व का वर्णन किया, उनके लिए प्रशंसा भी मिलनी थी, जो पता नहीं क्यों मिली नहीं। मेरे ही भाइयों ने मेरे लिए सोशल मीडिया पर अशोभनीय शब्द लिखे। वही मेरे अपने, जिनकी पूज्य माताओं के लिए मैंने टीवी पर -शेष पृष्ठ दो पर

अतीक-अशरफ की मौत पर पुलिस को मिली बदला लेने की धमकी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। जहां प्रयागराज पुलिस को डायल-112 पर एक फोन कॉल आई थी, जिसमें गैंगस्टर-राजनेता अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या का बदला लेने की धमकी दी गई है। पुलिस अधिकारी फोन करने वाले का पता लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं क्योंकि उसने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी भी दी थी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस कंट्रोल रूम को 15 जून की रात फोन कॉल आई थी। धमकी के बाद पुलिस की कई टीमें हरकत में आईं और मोबाइल नंबर की निगरानी के बाद 2 संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिस व्यक्ति के नाम पर मोबाइल नंबर दर्ज है, उसने दावा किया कि उसने कुछ दिन पहले अपना फोन खो दिया था। एसीपी चिराग जैन ने कहा कि एक व्यक्ति ने 15 जून की रात को डायल-112 पर कॉल की थी। कॉल करने वाले ने अतीक और अशरफ की मौत का बदला लेने की धमकी दी, यहां तक कि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत में वैश्विक खाद्य प्रणालियों को बदलने की क्षमता : यूएन

नई दिल्ली। कृषि विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र कोष ने बाजरा पर ध्यान केंद्रित करने और यूक्रेन में युद्ध के दौरान पिछले साल भोजन की भारी कमी का सामना करने वाले 18 देशों को 1.8 मिलियन टन गेहूं निर्यात करने के लिए भारत की सराहना की है। इंटरनेशनल फंड ऑफ एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट (आईएफएडी) के अध्यक्ष अलवारो लारियो ने यह भी कहा कि भारत की जी 20 अध्यक्षता में वैश्विक खाद्य प्रणालियों को बदलने की क्षमता है। विशेषज्ञ लारियो ने कहा कि भारत, दक्षिण के अन्य देशों में कृषि और ग्रामीण विकास का समर्थन कर सकती है। लारियो ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध के मद्देनजर पिछले साल खाद्य की भारी कमी का सामना कर रहे 18 देशों को भारत ने 1.8 मिलियन टन गेहूं का निर्यात किया, जिसकी सराहना करते हैं। लारियो जी 20 कृषि मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए भारत आए थे। बता दें, आईएफएडी संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है, जो विभिन्न गरीब और कमजोर देशों में गरीबी, भूख और खाद्य असुरक्षा से लड़ने में मदद करने के लिए परियोजनाओं के वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। लारियो ने कहा कि भारत ने दक्षिण-दक्षिण सहयोग में विचारशील नेतृत्व भी दिखाया है। मैं बाजरा के पुनरुद्धार पर भारत का ध्यान केंद्रित करने के लिए सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि जलवायु परिवर्तन के अनुकूल किसानों के लिए बाजरा एक महत्वपूर्ण फसल है। यह देखते हुए कि किसान सूखे की समस्या से जूझ रहे हैं और दुनिया के कुछ सबसे गरीब और सबसे दूरस्थ भागों में पोषण सुनिश्चित करने के लिए बाजरा एक अच्छा विकल्प है। आईएफएडी अध्यक्ष ने कहा कि भारत वैश्विक खाद्य प्रणालियों को बदलने के लिए अपनी जी-20 अध्यक्षता के तहत वैश्विक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता में खाद्य प्रणालियों को बदलने की क्षमता है। इनकी खाद्य प्रणाली में लोगों को खिलाने और पोषण करने के सभी पहलू जैसे- उगाना, कटाई, पैकेजिंग, प्रसंस्करण, परिवहन, विपणन और भोजन का उपभोग करना शामिल है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खाद्य प्रणालियों को पूरी तरह से बदल दिया गया है। कोविड-19 महामारी, यूक्रेन युद्ध और जलवायु परिवर्तन ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे अफ्रीकी देशों में खाद्य संकट पैदा हो गया है। लारियो ने खाद्यान्न की कमी वाले देश से खाद्य अधिशेष देश बनने में भारत की समग्र सफलता की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय से आईएफएडी के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार रहा है। यह एक संस्थापक सदस्य है और हमारा सबसे बड़ा कर्जदार है और हमारे शीर्ष 15 दानदाताओं में से एक है। भारत ने जो प्रभावशाली प्रगति की है, वह भोजन की कमी से एक खाद्य अधिशेष देश तक जा रही है, समान मुद्दों का सामना कर रहे देशों के लिए स्पष्ट रूप से एक उदाहरण के रूप में काम कर सकता है। आईएफएडी के अध्यक्ष ने यह भी कहा कि छोटे स्तर के किसान निम्न और मध्यम आय वाले देशों में उपभोग किए जाने वाले भोजन का 70 प्रतिशत तक उत्पादन करते हैं। हमें उत्सर्जन को कम करने और अर्थव्यवस्थाओं को परिवर्तन के अनुकूल बनाने में मदद करने के लिए जलवायु वित्त की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 2017 और 2018 के बीच छोटे स्तर के उत्पादकों को केवल 10 अरब अमेरिकी डॉलर या जलवायु वित्त का मात्र 1.7 प्रतिशत प्राप्त हुआ।

असमिया फिल्म इंडस्ट्री के आए अच्छे दिन : सुमन हरिप्रिया

गुवाहाटी (हिंस)। असमिया फिल्म इंडस्ट्री के अच्छे दिन आ गए हैं। हाल ही में रिलीज हुई असमिया फिल्म श्री रघुपति को दर्शकों ने जमकर प्यार दिया है। इस कड़ी में असमिया फिल्म निर्माता फिल्म बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। वर्तमान में एक के बाद एक असमिया फिल्में सुपरहिट हो रही हैं। राज्य की प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और हाजो विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुमन हरिप्रिया अगले साल नवंबर से एक नई असमिया फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। सुमन हरिप्रिया की प्रसिद्ध फिल्मों में कइना मोर धुनिया, कका देउतार घर जोवाई, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म *कदमताले कृष्ण नाचे* शामिल हैं। सुमन हरिप्रिया ने मीडिया से बातचीत करते हुए उम्मीद जतायी है कि मेरी नई फिल्म भी डॉ. बेजबरुवा 2, श्री रघुपति की तरह दर्शकों द्वारा स्वीकार की जाएगी। आगामी नई फिल्म के एक्शन प्रधान होने की बात कहते हुए विधायक ने कहा कि फिल्म की पटकथा पहले से ही तैयार है। उन्होंने बताया की नवंबर से फिल्म की शूटिंग असम के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ तीर्थ नगरी हाजो के मनमोहक प्राकृतिक परिवेश में भी की जाएगी। विधायक और फिल्म निर्माता सुमन हरिप्रिया ने कहा कि जल्द ही दर्शकों को पता चल जाएगा कि फिल्म का नाम क्या होगा।

बीएसएफ एवं बीजीबी ने सूचनाओं के आदान-प्रदान पर की चर्चा

धुबड़ी (हिंस)। भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बार्डर सिक्युरिटी फोर्स (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) एक बैठक असम के धुबड़ी जिले में हुई। बैठक में सीमा पर अपराधों पर अंकुश लगाने और सूचनाओं के आदान-प्रदान कर चर्चा हुई। रविवार को इस शिष्टाचार बैठक में बीएसएफ के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गुवाहाटी फ्रंटियर के महानिरीक्षक दिनेश कुमार यादव एवं बीजीबी के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रंगपुर के उत्तर पश्चिम रीजन कमांडार ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद मोर्षिद आलम ने किया। बैठक में सीमा पर होने वाले विभिन्न अपराधों पर गम्भीरतापूर्वक चर्चा हुई।

पूसीरे ने सुरक्षित यात्रा के लिए कई ट्रैकों पर किए रिनुअल कार्य

गुवाहाटी (हिंस)। रेल पटरियों को उचित स्थिति में बनाए रखने और रेल यात्रियों को सुरक्षित और सुखद यात्रा प्रदान करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने मई, 2023 के दौरान कई ट्रैक रिनुअल किये हैं। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने रविवार को बताया है कि मई के दौरान 12.10 ट्रैक किमी का थ्रू स्लीपर रिनुअल और 12.5 समतुल्य सेटों का थ्रू टर्नआउट रिनुअल किया गया है। फ्लैश बट वेल्डिंग पद्धति का उपयोग कर 644 रेल ज्वाइंट्स की वेल्डिंग की गई और उक्त महीने के दौरान कुल 0.60 लाख घन मीटर बलास्ट रेलवे ट्रैक पर डाले गये। इसके अलावा, उस अवधि के दौरान पूसीरे के अधीन विभिन्न क्षमताओं के 666 सिग्नलिंग बैटरियों को बदला गया। नियमित अंतराल पर पटरियों के अनुरक्षण के परिणामस्वरूप ट्रेनों का सुचारू परिचालन और यात्रियों को बेहतर यात्रा का अनुभव प्रदान किया गया है। इसके अलावा, मई माह के दौरान यूएसएफडी (अल्ट्रा सोनिक फ्लॉ डिटेक्शन) मशीन द्वारा 1707.78 किमी ट्रैक का परीक्षण किया गया। यूएसएफडी तकनीक का इस्तेमाल दरार जैसी खामियों का पता लगाने के लिए किया जाता है और संरक्षा के लिए समय पर त्रुटिपूर्ण रेल को हटाया जाता है। रेलवे ट्रैक के लिए सुरक्षा उपायों पर दिए गए जोर से बढ़ी हुई गति और बेहतर यात्रा अनुभव के साथ ट्रेनों का सुरक्षित संचालन हुआ है।

सड़क हादसे में एक की मौत, दो घायल

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर रविवार सुबह सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। हादसे में दो खलासी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। नुमालीगढ़ धोदांग में सुबह मूसलाधार बारिश के बीच एनएच-37 पर एक ट्रक और एक मालवाहक टाटा ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में टाटा ट्रक चालक की मौत हो गई। जबकि दोनों वाहनों के खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में राजभवन में योगाभ्यास कार्यक्रम

गुवाहाटी (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2023 के उपलक्ष्य में असम राजभवन में योग कार्यक्रम का तीन दिवसीय अभ्यास सत्र चल रहा है। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और प्रथम महिला अनीता कटारिया ने अन्य प्रतिभागियों के साथ योग के अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। उनके साथ राजभवन के पदाधिकारी, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा, ब्यतिक्रम ग्रुप, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, मारवाड़ी

महिला एकता मंच, मारवाड़ी युवा मंच की सदस्याएं इसमें शामिल हैं। राज्यपाल ने उन्हें 21 जून को राजभवन परिसर में मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के समारोह में अपना सहयोग देने की अपील की है।

पृष्ठ एक का शेष

बाढ़ से 14 जिले ...

वहीं, कामपुर (नगांव) में कोपिली और कामरूप जिले के पुथिमारी में भी नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। सीडब्ल्यूसी के बुलेटिन में कहा गया है कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में ब्रह्मपुत्र सहित कई अन्य नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। पिछले कुछ दिनों से समूचे राज्य में लगातार बारिश हो रही है, जिसके कारण बाढ़ की पहली लहर आई है और बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार तक राज्य के 10 जिलों में 37,535 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए। गुवाहाटी में भूस्खलन से एक व्यक्ति की मौत हुई है। हालांकि, बाढ़ के कारण राज्य में अब तक किसी की जान जाने की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, राज्यभर से तटबंधों के क्षतिग्रस्त होने या टूटने की जानकारी मिली है। साथ ही विभिन्न हिस्सों में बड़े पैमाने पर भूमि कटाव भी हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ की पहली लहर में राज्य में कई सड़कें, पुल और स्कूल जैसे अन्य बुनियादी ढांचे या तो डूब गए हैं या क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

सोनापुर : बार-बार हो ...

और मणिपुर की जीवन रेखा है। इस सड़क पर 27 मई से लगातार भूस्खलन हो रहा है। चूंकि इस सड़क पर कोई वैकल्पिक सड़क नहीं है, दक्षिण असम और तीन पड़ोसी राज्यों का देश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह से संपर्क कटा हुआ है। एनएचए के परियोजना निदेशक को लिखे पत्र में जिलाधिकारी ने यह भी लिखा है कि मामले के महत्व को समझते हुए, आप राष्ट्रीय राजमार्ग के पास पहाड़ियों से पत्थरों और मिट्टी के प्रवाह को नियंत्रित करने और हटाने के तरीके तुरंत तलाशें, ताकि यातायात सामान्य रूप से चलता रहे। उन्होंने समय-समय सीमा के अंदर कार्रवाई करने की अपील की है।

जोरहाट में विशिष्ट ...

मौजूद थे। जोरहाट में महाजनसंपर्क अभियान में भाग लेने के बाद नड्डा सीधे शिवसागर के लिए रवाना हो गए। शिवसागर में महाजनसंपर्क अभियान की कड़ी में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया है। हालांकि, भारी बारिश के बावजूद जनसभा में लोगों की अच्छी-खासी भीड़ी उमड़ी है।

मणिपुर : शांति के ...

रोकने और सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहे हैं। सड़कों पर उतरी महिलाओं ने म्यांमार से अवैध अप्रवासियों की घुसपैठ का भी विरोध किया। महिलाओं ने राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लागू करने की मांग को लेकर नारेबाजी की। बता दें, मणिपुर में एक महीने पहले भड़की मीतेई और कुकी समुदाय के लोगों के बीच जातीय हिंसा में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई है। राज्य सरकार ने अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए 11 जिलों में कर्फ्यू लगा दिया था और इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया था। मणिपुर की राजधानी इंफाल बिल्कुल बीच में है। ये पूरे प्रदेश का 10 फीसदी हिस्सा है, जिसमें प्रदेश की 57 फीसदी आबादी रहती है। बाकी चारों तरफ 90 फीसदी हिस्से में पहाड़ी इलाके हैं, जहां प्रदेश की 42 फीसदी आबादी रहती है। इंफाल घाटी वाले इलाके में मैतेई समुदाय की आबादी ज्यादा है। ये ज्यादातर हिंदू होते हैं। मणिपुर की कुल आबादी में इनकी हिस्सेदारी करीब 53 फीसदी है। आंकड़ें देखें तो सूबे के कुल 60 विधायकों में से 40 विधायक मैतेई समुदाय से हैं। वहीं, दूसरी ओर पहाड़ी इलाकों में 33 मान्यता प्राप्त जनजातियां रहती हैं। इनमें प्रमुख रूप से नागा और कुकी जनजाति हैं। ये दोनों जनजातियां मुख्य रूप से ईसाई हैं। इसके अलावा मणिपुर में आठ-आठ प्रतिशत आबादी मुस्लिम और सनमही समुदाय की है। भारतीय संविधान के आर्टिकल 371सी के तहत मणिपुर की पहाड़ी जनजातियों को विशेष दर्जा और सुविधाएं मिली हुए हैं, जो मैतेई समुदाय को नहीं मिलती। लैंड रिफॉर्म एक्ट की वजह से मैतेई समुदाय पहाड़ी इलाकों में जमीन खरीदकर बस नहीं हो सकता। जबकि जनजातियों पर पहाड़ी इलाके से घाटी में आकर बसने पर कोई रोक नहीं है। इससे दोनों समुदायों में मतभेद बढ़ गए। मैतेई ट्राइब यूनियन पिछले कई सालों से मैतेई समुदाय को आदिवासी दर्जा देने की मांग कर रही है। मामला मणिपुर हाईकोर्ट पहुंचा। इस पर सुनवाई करते हुए मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से 19 अप्रैल को 10 साल पुरानी केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय की सिफारिश प्रस्तुत करने के लिए कहा था। इस सिफारिश में मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने के लिए कहा गया है। कोर्ट ने मैतेई समुदाय को आदिवासी दर्जा देने का आदेश दे दिया। अब हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच केस की सुनवाई कर रही है। बेंच ने कहा कि वह हाईकोर्ट में लंबित रिजर्वेशन के मुद्दे में नहीं जाएंगे। कानून व्यवस्था राज्य सरकार का विषय है। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने पूछा है कि हिंसा के बाद क्या सुरक्षा मुहैया कराई गई? क्या सहायता दी गई है? पुनर्वास के बारे में क्या प्लान है? ये मणिपुर में हिंसा फैलने का दूसरा बड़ा कारण है। मणिपुर सरकार ने जंगलों और वन अभयारण्य में गैरकानूनी तरीके से कब्जा किए लोगों को हटाने के लिए अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की सरकार का कहना है कि आदिवासी समुदाय के लोग संरक्षित जंगलों और वन अभयारण्य में गैरकानूनी कब्जा करके अफीम की खेती कर रहे हैं। ये कब्जे हटाने के लिए सरकार मणिपुर फॉरेस्ट रूल 2021 के तहत फॉरेस्ट लैंड पर किसी तरह के अतिक्रमण को हटाने के लिए एक अभियान चला रही है। वहीं, आदिवासियों का कहना है कि ये उनकी पैतृक जमीन है। उन्होंने अतिक्रमण नहीं किया, बल्कि सालों से वहां रहते आ रहे हैं। सरकार के इस अभियान को आदिवासियों ने अपनी पैतृक जमीन से हटाने की तरह पेश किया। जिससे आक्रोश फैला। विरोध तेज हुआ तो सरकार ने इन इलाकों पर धारा-144 लागू कर दी। प्रदर्शन पर रोक लगा दी, लेकिन इसके उलट विरोध प्रदर्शन ने उग्र रूप धारण कर दिया। सूबे में एक साथ कई चीजें होने लगीं। एक तरफ मैतेई आरक्षण का विरोध, दूसरी तरफ सरकार का अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई को लेकर आदिवासी और सरकार आमने-सामने थे। दरअसल, कुकी जनजाति के कई संगठन 2005 तक सैन्य विद्रोह में शामिल रहे हैं। मनमोहन सिंह सरकार के समय, 2008 में तकरीबन सभी कुकी विद्रोही संगठनों से केंद्र सरकार ने उनके खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन यानी एसओएस एग्रीमेंट किया। इसका मकसद राजनीतिक बातचीत को बढ़ावा देना था।

बिपरजॉय से राजस्थान...

आने की जानकारी मिलने के बाद देर रात लोगों ने बाजार में अपनी दुकानें खाली करनी शुरू कर दी। निचले इलाके के लोगों को भी सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कह दिया गया। सुरावा से पानी हाड़ेतर होते हुए जाजूसन तक पहुंच गया। इसके बाद आगे बन रही भारतमाला एक्सप्रेस वे सड़क के पुल से होते हुए सांचौर की तरफ जलस्तर रात में बढ़ गया। नर्मदा नहर की सांचौर लिफ्ट कैनाल में ज्यादा पानी आने से वह भी टूट गई है। मौसम केंद्र जयपुर के मुताबिक बिपरजॉय का प्रभाव रविवार शाम से कल सुबह तक अजमेर, जयपुर, टोंक, सवाई माधोपुर समेत आस-पास के जिलों में देखने को मिलेगा। इन जिलों में आज और कल बारिश होगी। इसके बाद 19 और 20 जून को इसका असर भरतपुर, कोटा संभाग के जिलों में रहेगा। कल चक्रवात अधिक कमजोर होकर डिप्रेशन से वेल मार्क लो प्रेशर एरिया में बदल जाएगा। चक्रवात अभी नॉर्थ-ईस्ट की तरफ आगे बढ़ रहा है। बाढ़मेर जिले के सेड़वा थाना इलाके गंगासरा गांव की नाड़ी में डूबने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। कुल पांच बच्चे बारिश से भरे पानी में नहाने नाड़ी पर गए थे। दो के डूबने पर बाकी तीन दोस्तों ने घर जाकर परिवार को सूचना दी। एसआई लूणाराम के मुताबिक गंगासरा निवासी कृपाल सिंह (8) पुत्र दीप सिंह और खेत सिंह (7) पुत्र चैन सिंह की मौत हो गई। बीते 24 घंटे में सबसे ज्यादा सिरोही के शिवगंज में 315 मिमी हुई। इसके अलावा सिरोही में 126, शिवगंज (सिरोही) में 315, रेवदर (सिरोही) में 243, पिंडवाड़ा (सिरोही) में 176, माउंट आबू (सिरोही) में 203, कुंभलगढ़ (राजसमंद) में 120, देवगढ़ (राजसमंद) में 147, आमेट (राजसमंद) में 71, जोधपुर में 84.5, लूणी (जोधपुर) में 91, शेरगढ़ (जोधपुर) में 60, झंवर (जोधपुर) में 104 मिमी बारिश हुई। जालोर के अलावा सिरोही व बाढ़मेर में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। यहां कई इलाकों में 4 से 5 फीट तक पानी भर गया। इसके बाद लोगों को एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू करना पड़ा। जोधपुर की महामंदिर सड़क, परकोटा शहर की सड़क और सोजतीगेट सड़क पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। रेलवे ने भीलड़ी, बाढ़मेर और मुनाबाव रेल खंड पर 6 ट्रेनें रविवार के लिए रद्द कर दीं। जोधपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेड़ा ने बताया कि जोधपुर-भीलड़ी-जोधपुर एक्सप्रेस, जोधपुर-पालनपुर-जोधपुर एक्सप्रेस, बाढ़मेर-मुनाबाव-बाढ़मेर एक्सप्रेस, जोधपुर-बाढ़मेर-जोधपुर-एक्सप्रेस, जोधपुर-बाढ़मेर-जोधपुर एक्सप्रेस तथा जोधपुर-बाढ़मेर-जोधपुर एक्सप्रेस 18 जून को भी रद्द रहेगी। रेलवे ने बाढ़मेर से होकर गुजरने वाली 14 ट्रेनों को भी रद्द कर दिया है।

सिविल कोड का...

जाएंगे। साथ ही साथ गलत इरादे वाले लोगों का मिशन पूरा हो जाएगा। इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा खान का कहना है कि यूसीसी लागू करना भाजपा के लिए चुनाव जीतने का एक जरिया भर है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने कहा कि वह समान नागरिक संहिता को अनावश्यक, अव्यवहारिक और देश के लिए अत्यंत हानिकारक मानता है। इस संबंध में एआईएमपीएलबी ने एक बयान जारी किया है। एआईएमपीएलबी ने कहा है कि बोर्ड दोबारा से अपने रुख को क्लियर कर रहा है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ कुरान और सुन्नत से लिया गया है और इसलिए यहां तक कि मुस्लिम भी कोई बदलाव करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। इसलिए, सरकार या कोई अन्य बाहरी स्रोत इसमें कोई बदलाव लाने की कोशिश कर रहा है। ये कानून केवल समाज में अराजकता और अव्यवस्था को जन्म देंगे, जिसे किसी भी समझदार सरकार द्वारा क्रियान्वित नहीं किया जा सकता है। दरअसल, विधि आयोग की ओर से मांगे जा रहे सुझावों की विपक्षी पार्टियों ने आलोचना की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का कहना है कि पहले के विधि आयोग ने इस मुद्दे पर 2018 में एक परामर्श रिपोर्ट प्रकाशित की थी और आश्चर्यजनक रूप से वर्तमान विधि आयोग ने यह स्पष्ट नहीं किया कि नए परामर्श की आवश्यकता क्यों है।

टीबी देश से ...

किया है। निक्षय मित्र ने टीबी के खिलाफ इस आंदोलन की कमान संभाली है। हजारों लोग ग्रामीण क्षेत्रों में टीबी के रोगियों को गोद ले रहे हैं। यह भारत की सच्ची ताकत है। युवा भी इसमें योगदान दे रहे हैं। 2025 तक टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करना। छत्रपति शिवाजी महाराज को याद करते हुए पीएम मोदी ने आगे कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता के साथ-साथ उनके शासन और उनके प्रबंधन कौशल से भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा किए गए कार्यों, खासकर जल प्रबंधन और नौसेना को लेकर किए गए कार्यों के बारे में जानकर कई चीजें सीखने को मिली है। यूपी में एक नदी को पुनर्जीवित करने के लोगों के प्रयासों की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में लोगों ने एक विलुप्त नदी को पुनर्जीवित किया है। नदी के स्रोत को भी अमृत सरोवर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग है। यह योग की भावना को व्यक्त करता है जो हमें एकजुट करता है और हमें एक मंच पर लाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार मैं 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पहली बार योग सत्र का नेतृत्व करूंगा। बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाता है।

आदिपुरुष में बदले ...

अनेकों बार कवितायें पढ़ीं, उन्होंने मेरी ही मां को अभद्र शब्दों से संबोधित किया। मैं सोचता रहा, मतभेद तो हो सकता है, लेकिन मेरे भाइयों में अचानक इतनी कड़वाहट कहां से आ गई कि वो श्री राम का दर्शन भूल गए जो हर मां को अपनी मां मानते थे। शबरी के चरणों में ऐसे बैठे, जैसे कौशल्या के चरणों में बैठे हों। मनोज ने आगे लिखा कि हो सकता है, 3 घंटे की फिल्म में मैंने 3 मिनट कुछ आपकी कल्पना से अलग लिख दिया हो, लेकिन आपने मेरे मस्तक पर सनातन-द्रोही लिखने में इतनी जल्दबाजी क्यों की, मैं जान नहीं पाया। क्या आपने जय श्री राम गीत नहीं सुना, शिवोहम नहीं सुना, राम सिया राम नहीं सुना? आदिपुरुष में सनातन की ये स्तुतियां भी तो मेरी ही लेखनी से जन्मी हैं। तेरी मिट्टी और देश मेरे भी तो मैंने ही लिखा है। मुझे आपसे कोई शिकायत नहीं है, आप मेरे अपने थे, हैं और रहेंगे। हम एक दूसरे के विरुद्ध खड़े हो गए तो सनातन हार जाएगा। हमने आदिपुरुष सनातन सेवा के लिए बनायी है, जो आप भारी संख्या में देख रहे हैं और मुझे विश्वास है आगे भी देखेंगे। मनोज ने लिखा कि ये पोस्ट क्यों? क्योंकि मेरे लिए आपकी भावना से बढ़ के और कुछ नहीं है। मैं अपने संवादों के पक्ष में अनगिनत तर्क दे सकता हूं, लेकिन इस से आपकी पीड़ा कम नहीं होगी। मैंने और फिल्म के निर्माता-निर्देशक ने निर्णय लिया है, कि वो कुछ संवाद जो आपको आहत कर रहे हैं, हम उन्हें संशोधित करेंगे, और इसी सप्ताह वो फिल्म में शामिल किए जाएंगे। श्री राम आप सब पर कृपा करें! आदिपुरुष में भगवान राम, हनुमान जी और रावण द्वारा बोले गए डायलॉग्स पर लोगों ने आपत्ति जताई थी। सोशल मीडिया पर विवाद बढ़ने के बाद मनोज ने टीवी चैनल पर आकर अपने लिखे डायलॉग्स पर सफाई के साथ अपने तर्क भी पेश किए। मनोज ने कहा कि साढ़े 7 हजार साल पहले रामायण को लिखा गया था। लेकिन 400 साल पहले तुलसीदास ने इसे अवधि भाषा में क्यों लिखा? क्योंकि हर किसी का कहने का अपना तरीका होता है। रामायण सुनाने के साथ भी वैसा ही है। लोगों तक इसे पहुंचाने के लिए, इसे समसामायिक भाषा में बात करने की कोशिश है। अगर युवा पीढ़ी को ये भाषा नहीं समझ आती है तो वो सम्मान करेगा लेकिन कनेक्ट नहीं कर पाएगा। इसलिए ये डायलॉग्स ऐसे लिखे गए हैं। जैसे आजकल के युवा बात करते हैं। टीवी पर जैसे ही मनोज ने अपना ये तर्क दिया सोशल मीडिया पर इसको लेकर भी विवाद खड़ा हो गया था।

अतीक-अशरफ की...

अनुचित टिप्पणी भी की और मुख्यमंत्री योगी को जान से मारने की धमकी भी दी। फोन करने वाले ने अपने बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया कि लेकिन दावा किया कि वह प्रयागराज के झूंसी इलाके में रहता है। अज्ञात कॉलर के खिलाफ झूंसी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आपको बता दें कि क्राइम ब्रांच और सर्विलांस टीमों को अलर्ट पर रखा गया और शुक्रवार की रात मोबाइल के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, उसने दावा किया कि उसका मोबाइल 11 जून को चोरी हो गया था और उसके बाद से उसने अपने मोबाइल नंबर से कोई कॉल नहीं की। जांच के दौरान उसके दावे सही पाए गए क्योंकि उसके मोबाइल नंबर की सीडीआर से पता चला कि 11 जून के बाद उसके मोबाइल से कोई कॉल नहीं की गई और डायल-112 पर धमकी देने के बाद फोन बंद कर दिया गया। एसीपी ने कहा कि निगरानी और अन्य जांच के आधार पर एक अन्य संदिग्ध को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

मणिपुर में हिंसा जल्द ...

में जो अशांति और हिंसा भड़क उठी, वह अभी तक नहीं रुकी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस दुख की घड़ी में विस्थापितों और अन्य पीड़ितों के साथ खड़ा है, जिनकी संख्या 50,000 से अधिक है। आरएसएस का यह मत है कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में हिंसा और घृणा के लिए कोई स्थान नहीं है और यह भी मानता है कि किसी भी समस्या का समाधान आपसी संवाद और शांतिपूर्ण वातावरण में भाईचारे की अभिव्यक्ति से ही संभव है। उसने कहा कि वह सभी से अपील करता है कि वे एक दूसरे के बीच विश्वास की कमी खत्म करें, जोकि मौजूदा समय में संकट का कारण है। इसके लिए दोनों समुदायों को व्यापक स्तर पर कोशिश करने की जरूरत है। इसका समाधान मैतेई लोगों के बीच असुरक्षा व लाचारी की भावना और कुकी समुदाय की वास्तविक चिंताओं को एक साथ रखकर सुलझाया जा सकता है। आरएसएस ने स्थानीय प्रशासन, पुलिस, सेना और केंद्रीय एजेंसियों सहित सरकार से अपील करते हुए कहा कि वे इस दर्दनाक हिंसा को तुरंत रोकने के लिए हर संभव कदम उठाएं, शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई के साथ-साथ विस्थापितों के बीच राहत सामग्री की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा सिविल सोसाइटी, मणिपुर के राजनीतिक समूहों और आम लोगों से अपील है कि मौजूदा अराजकता और हिंसक स्थिति को खत्म करने के लिए कदम उठाएं, ताकि मणिपुर में मानव जीवन की सुरक्षा और स्थायी शांति सुनिश्चित हो सके।

23 जून की ...

को अंतिम रूप दे रहे हैं। 20 जून को राहुल गांधी के विदेश से लौटने के बाद बैठक का मसौदा तैयार हो किया जाएगा। चूंकि, अभी विपक्षी दलों के बीच काफी कुछ असमंजस में है, इसलिए कांग्रेस पटना की बैठक को प्रिलिमिनरी बैठक करार दे रही है और भविष्य में बैठकों की सीरीज होने की बातें कर रही है। इसीलिए कांग्रेस की कोशिश है कि पटना की बैठक में मोदी सरकार के खिलाफ जनता से जुड़े मुद्दों को तय किया जाए। एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर बात हो। विपक्षी दलों के बीच समन्वय के लिए नीतीश या शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता की देख-रेख में एक सब-ग्रुप का गठन हो। यानी कुल मिलाकर बारीकी मुद्दों के बजाय मोदी सरकार के खिलाफ सबसे पहले आपसी विश्वास और एक आपसी सहमति-समझ विकसित हो जाए, बाकी बातें भविष्य में होने वाली बैठकों में धीरे धीरे तय हो जाएंगी, आखिर चुनाव तो 2024 में हैं।

मिजोरम के मुख्यमंत्री ...

मौजूदगी शांतिपूर्ण तरीके से होगी। इसके अलावा, अनुरोध है कि मिजोरम मैतेई समुदाय को शांतिपूर्वक व्यवस्थित करने के लिए साधन और उपाय किए जाएं। मैंने मणिपुर के मुख्यमंत्री को यह कहते हुए आश्वासन दिया कि मिजोरम सरकार जारी हिंसा पर दुख जताती है और हमने इसे कम करने के लिए कुछ कदम उठाए हैं और उपाय किए हैं। जोरामथंगा ने अपने ट्वीट में कहा, मैंने उनसे आगे कहा कि हम मणिपुर और केंद्र सरकार के द्वारा उठाए गए कदमों का समर्थन करते हैं। मैंने मणिपुर के मुख्यमंत्री को भी इस बात से अवगत कराया कि हम मिजोरम के लोग मैतेई समुदाय के प्रति सहानुभूति रखते हैं और यह कि हमारी सरकार और एनजीओ ने शांति और सुरक्षा के लिए उपाय किए हैं। इसलिए, मिजोरम में रहने वाले मैतेई के लिए, जब तक वे मिजोरम में हैं उन्हें डरने की कोई जरूरत नहीं है।

स्वर्वेद भाष्य

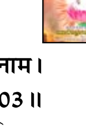

चतुर्थ मंडल **चतुर्दश अध्याय**

(स्तुति-प्रार्थना)

निः तत्व निःश्वाँस पर, व्योमन अकल अनाम।
देव सच्चिदानन्द पर, सार शब्द परधाम॥ 03॥

शब्दार्थ : (निःतत्व) तत्व नहीं, (निःश्बांस) श्वांसरहित, सुष्मनातीत, (व्योमन) आकाशवत व्यापक (अनाम) प्राकृतिक नामों से रहित, निःअक्षर (पर) उत्कृष्ट (अकल) निराकार।

भाष्य : आकाशवत सर्वव्यापक, परम अक्षर, सारशब्द, निःतत्व, परम प्रकाशमान, सुष्मनातीत सच्चिदानंद स्वरूप है।

साई तेरा कुछ नहीं, मेरा होय अकाज।
विरद तुम्हारे नाम की, शरण गिरे की लाज॥ 04॥

शब्दार्थ : (साई) स्वामी (अकाज) हानि, काम का न होना, देर।

भाष्य : हे प्रभो! तेरे नाम की महती महिमा है। मैं तेरी शरण में आकर गिरा हूं और मेरा कार्य नहीं हो रहा है। आपके लिए मेरे उद्धार का कार्य कुछ नहीं है। हे प्रभो! अपने नाम की लाज रखे, आप सर्व समर्थ पूर्णधनी हैं।

हैलाकांदी में भारी जल-जमाव से परेशानियां बढ़ीं

हैलाकांदी (हिंस)। राज्य में पिछले एक सप्ताह से लगातार हो रही बारिश के चलते राज्य के 13 से अधिक जिले बाढ़ की चपेट में हैं। लगातार बारिश और बाढ़ से राज्य के विभिन्न हिस्सों में सड़क और नदियों का तटबंध टूट गए हैं। कई इलाकों में भूस्खलन का भी खतरा उत्पन्न हुआ है। इसी कड़ी में हैलाकांदी जिले शहर में भारी जल जमाव से आम लोगों का जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। हैलाकांदी शहर का प्राण केंद्र माटीजुरी प्वाइंट इलाके में बारिश के कारण भारी जलजमाव हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हैलाकांदी जिला प्रशासन और हैलाकांदी नगरपालिका ने पानी की निकासी के लिए कोई उपाय नहीं किये गये हैं, जिसके चलते जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हुई है। पानी भर जाने के कारण स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों के साथ ही पैदल चलने वालों और वाहनों की आवाजाही में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस आपदा को लेकर नगरपालिका द्वारा कोई उपाय नहीं किए जाने को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

कांग्रेस व एआईयूडीएफ ने अल्पसंख्यकों के लिए कुछ नहीं किया : अतुल बोरा

धुबड़ी में अगप का लोकसभा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

धुबड़ी (हिंस)। असम गण परिषद (अगप) के अध्यक्ष और मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि पार्टी की मुख्य प्रेरक शक्ति जमीनी कार्यकर्ताओं की समर्पित भावना, त्याग और कष्ट हैं। आगामी चुनावों में अगप को शक्तिशाली रूप में उतारने के लिए कार्यकर्ताओं का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है। अगप के अध्यक्ष और मंत्री अतुल बोरा रविवार को धुबड़ी जिला पुस्तकालय में आयोजित धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अध्यक्ष बोरा ने कहा कि जाति, भाषा, धर्म और पंथ के बावजूद वृहद असमिया जाति और स्थानीय लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा लड़ाई लड़ी है और लड़ना जारी रखेगी। लंबे समय से राजनीति के नाम पर कांग्रेस, एआईयूडीएफ ने अल्पसंख्यक लोगों के लिए कुछ नहीं किया है। अल्पसंख्यकों के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाती रही हैं, दोनों पार्टियां। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अल्पसंख्यक लोग अपनी आबादी के समग्र विकास के हित में सही निर्णय लें। बोरा ने अल्पसंख्यक लोगों से राज्य की राजनीति से कांग्रेस और एआईयूडीएफ को विदा करने की खुली अपील की। उन्होंने कहा कि असम गण परिषद पार्टी राज्य में रहने वाले सभी जातीय समूहों और धर्मों की एक विश्वसनीय पार्टी है। स्थानीय लोगों की सुरक्षा और राज्य के विकास और विकास के लिए अगप जिम्मेदार है। बोरा ने भरोसा जताते हुए कहा कि अगप निश्चित रूप से आगामी लोकसभा चुनाव में लोकसभा का

प्रतिनिधित्व करेगी। बोरा ने कहा कि अगप को मजबूत करने का मतलब क्षेत्रवाद की नींव को मजबूत करना है और क्षेत्रवाद की नींव को मजबूत करने का मतलब है कि असम की सुरक्षा। अगप की विचारधारा और विजन से आकर्षित होकर कांग्रेस, एआईयूडीएफ दलों के बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता ली। बोरा ने अगप में शामिल होने वाले सभी लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनसे अगप के सिद्धांतों पर कायम रहते हुए पार्टी और लोगों के लिए ईमानदारी से काम करना जारी रखने का आग्रह किया। अगप के कार्यकारी अध्यक्ष एवं मंत्री केशव महंत ने कहा कि कार्यकर्ताओं के अभूतपूर्व उत्साह और सहज प्रतिक्रिया ने एक बार फिर अगप की अजेय ताकत को साबित कर दिया है। महंत ने कहा कि राज्य में निर्वाध विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए अगप को मजबूत करना होगा। इस मौके पर अगप के वरिष्ठ नेता फणी भूषण चौधरी, राज्यसभा सांसद और अगप के महासचिव बीरेंद्र प्रसाद बैश्य, महासचिव डॉ. कमलाकांत कलिता, रमेंद्र नारायण कलिता, प्रवीण हजारिका, भूपेन रॉय, सत्यब्रत कलिता, उपाध्यक्ष ज्योतिष दास, प्रशांत बरुवा, सुनील डेका, सचिव प्रचार डॉ. तपन दास, केंद्रीय सचिव समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

एनईपीईडीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट पर लगा ऐतिहासिक झील पर कब्जा करने का आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सोनापुर राजस्व चक्र कार्यालय अंतर्गत डिमोरिया की ऐतिहासिक झीलों में से एक दूवनी बिल (झील) है। जिस पर अवैध तरीके से एनईपीईडीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट पर कब्जा किए जाने का आरोप स्थानीय लोगों के अलावा झील कमेटी ने लगाया है। झील कमेटी ने आरोप लगाया है कि एनईपीईडीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट दूवनी बिल के पास एक बड़ी बिल्डिंग का निर्माण कर रहा है। जिसकी वजह से झील के पानी में रुकावट आ रही है। झील कमेटी की ओर से इसको लेकर सोनापुर राजस्व चक्र कार्यालय में एक शिकायत दी गई है। इसके बावजूद भी कोई कदम नहीं उठाया गया, जिसको लेकर झील कमेटी और स्थानीय लोग काफी नाराज हैं। झील कमेटी ने आरोप लगाया कि

झील की लगभग 2 बीघा जमीन एनईपीईडीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट अवैध तरीके से कब्जा कर रखा है। स्थानीय लोगों के अलावा झील कमेटी ने पूरी घटना को लेकर मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर अवैध कब्जे को मुक्त कराए जाने की मांग की है।

असम चर परिषद की पहल पर आलोपति माजरचर में मेधावी विद्यार्थीगण सम्मानित

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बागबर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आलोपति माजरचर में लुइत परिया कॉलेज परिसर में आज एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। असम चर परिषद की दक्षिण बरपेटा जिला कमेटी की पहल और लुइट परिया कॉलेज के सहयोग से वृहद चरक्षेत्र के लगभग 100 मेधावी छात्रों को विशेष रूप से फुलम गमोछा, प्रमाण पत्र और पेन देकर सम्मानित किया गया। असम चर परिषद की दक्षिण बरपेटा जिला कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा उस्मान गनी की अध्यक्षता में आयोजित विशेष सम्मान समारोह में नीट परीक्षा को प्रसिद्धि के साथ पास कर वृहद चर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले चर के पुत्र आजीजुल इस्लाम को विशेष रूप से फूलम गमोसा, मनपत्र और कलम देकर सम्मानित किया गया।

इसके अलावा इंग्लैंड के ग्लूस्टरशायर विश्वविद्यालय में इंटरनेशनल बिजनेस मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स की पढ़ाई करने का मौका पाने वाली आलोपति की बेटी तमन्ना तबाचुम रहमान की ओर से उनके माता-पिता क्रमशः गाजी रहमान और हाओवा खातून को सम्मानित किया गया।

मारवाड़ी सम्मेलन, होजाई शाखा का सम्मान समारोह

होजाई (हिंस)। मारवाड़ी सम्मेलन होजाई शाखा द्वारा समाज के 10वीं व 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत अंको से ज्यादा प्राप्त मेधावी छात्र-छात्रोंओ का सम्मान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। दसवीं में सुजल केजरीवाल, मानव सुरेका आस्था बजाज एवं 12वीं में उमा मोर, किसी का सरावगी, चारु सुरेका, माही खाखड़लिया, तनीश शर्मा का सम्मान उनके घरों में जाकर किया गया। सम्मान के तहत फूलम, गमोछा, मानपत्र, व मिठाइयां प्रदान की गई। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन होजाई शाखा के पूर्व अध्यक्ष कामाख्यालाल सरावगी ने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे अपना समय पढ़ाई में लगाएं। सरावगी ने कहा कि दसवीं कक्षा के छात्रों की यह पहली सफलता है और इसके बाद कड़ी मेहनत लगन व निष्ठा पूर्वक अध्ययन करना चाहिए ताकि भविष्य में भी ऐसी सफलता मिले। वहीं उन्होंने सभी छात्र छात्राओं से यह भी कहा किसे पढ़ लिख कर अपने लिए नहीं सोचना चाहिए अपितु पूरे समाज हित के लिए भी कुछ करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी को एक प्रेरणा मिले। किताबी ज्ञान के साथ-

साथ बाहरी ज्ञान भी होना जरूरी है। बच्चों को अपने माता पिता, शिक्षकों के बताएं मार्ग का अनुसरण कर आगे की पढ़ाई करनी चाहिए। सम्मान समारोह में मारवाड़ी सम्मेलन होजाई शाखा के अध्यक्ष निरंजन सरावगी, सचिव प्रमोद मोर, मारवाड़ी सम्मेलन हो जाई शाखा के पूर्व सचिव रमेश मुंदरा सह सचिव प्रवीण सरावगी, कोषाध्यक्ष दीपक चनानी, राजेश मोर, मनोज केजरीवाल कैलाश मोर चिराग मोर नेअपना पूर्ण सहयोग दिया। वहीं समाज के विशिष्ट परमानंद सुरेका, हीरालाल खाखोलिया, अशोक केजरीवाल, संतोष सरावगी, मनोज शर्मा गुड्डू, ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम करने से छात्र छात्राओं का मनोबल बढ़ता है वही सम्मान पाने वाले का जहां मनोबल बढ़ता है। ॉ

किसानों ने सरकारी मूल्य पर बेचा सरसों

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा और कुछ गैर सरकारी कृषि गुट के सहयोग से सरकारी मूल्य पर किसानों ने अमीनगांव में सरसों बेचा। भाजपा के किसान मोर्चा के सहयोग से जालुकबारी विधानसभा क्षेत्र के अखिया में किसानों ने भारी मात्रा में सरसों की खेती की थी। भाजपा किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष रंजीत भट्टाचार्य के सहयोग से किसानों ने राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और कृषि मंत्री अतुल बोरा से मिलकर सरसों की खेती के बारे में जानकारी दी थी। शनिवार को अमीनगांव के सरकारी धान क्रय विक्रय केंद्र में किसानों ने 5450 रुपए क्विंटल की दर पर 50 क्विंटल सरसों बेचा।

मायुंम की नलबाड़ी शाखा की कार्यशाला उत्कर्ष 2023 संपन्न

नलबाड़ी: पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच की मंडल की मंडलीय सभा व कार्यशाला *उत्कर्ष 2023* स्थानीय मारवाड़ी पंचायती धर्मशाला में रविवार को नलबाड़ी शाखा के आतिथ्य में आयोजित की गई। प्रांतीय उपाध्यक्ष बिनीत हरलालका की अध्यक्षता में आयोजित मंडलीय सभा में प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान, प्रांतीय कोषाध्यक्ष प्रेरणा सेठिया के साथ ही प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी सेंकी अग्रवाल, संगठन विस्तार के चेयरमैन सरजीत सिंह भारी, राजनैतिक चेतना की चेयरमैन निक्की जालान, मिशन कैंसर जागृति के वाइस चेयरमैन मनीष लखोटिया के साथ ही बहुत से प्रांतीय पदाधिकारियों एवं मंडल कॉर्डिनेटर साथ ही मंडल की बरपेटा रोड, बोंगाईगांव, बंगाईगांव जागृति, रंगिया,

गोरेश्वर, खारुपेटिया, एवं नलबाड़ी शाखाओं ने सदस्यों के साथ मंडलीय सभा में हिस्सा लिया। सर्वाप्रथम आसाम का जातीय संगीत ओह मोर अपुनार देश के सात सभा का शुभारंभ किया गया। आयोजक नलबाड़ी शाखा के महिला सदस्यों की तरफ़ से एक सुंदर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। फिर आयोजक शाखा के अध्यक्ष बिकाश अग्रवाल ने अपना स्वागत संबोधन दिया। मंडलीय सभा में आई हुई सभी शखाओं के पदाधिकारीयों का परिचय हुआ एवं मंच के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई व सभी को राष्ट्र व प्रांत के आगामी कार्यक्रमों से अवगत भी कराया गया। प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान के संबोधन के बाद नलबाड़ी मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यों के बच्चियों ने पित्र दिवस के मौके पर एक सुंदर नृत्य कर सभी का मन मोह लिया। मंडल त्र के प्रांतीय सहायक मंत्री दीपेश अग्रवाला के धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्रिय गान के साथ मंडल त्र के प्रांतीय उपाध्यक्ष बिनीत हरलालका के द्वारा सभा की समाप्ति की घोषणा की गई। दूसरे चरण में शाखा सदस्यों के लिए एक परीक्षण कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित अग्रवाल व प्रांतीय ट्रेनर हितेश चोपड़ा ने सभी को अपने अपने दायित्व के साथ ही कार्यशैली के ऊपर मार्गदर्शन कराया। व साथ में ही उपस्थित सदस्यों की जिज्ञासा को दूर किया। इस विषय की जानकारी शाखा सचिव अजय जैन द्वारा दी गई।

विश्वनाथ : अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा की आम सभा संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। असम रौनियार वैश्य महासभा का आज विश्वनाथ चारिआलि शहर के राष्ट्रीय मार्ग में स्थित अत्याधुनिक पाराडाइज होटल के सभागार में साधारण सभा का आयोजन किया गया। अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा के नॉर्थ लखीमपुर के छत्रपति गुप्ता रौनियार के संयोजन में आयोजित सभा में राज्य के अन्य जिलों से स्वजातीय महानुभाव पधारे। सर्वप्रथम विश्वनाथ चारिआलि के शिक्षक सत्यप्रकाश गुप्ता के संचालित साधारण सभा में रामानंद रौनियार ने सभा की अध्यक्षता की। इसके बाद अतिथि के रूप में उपस्थित नॉर्थ लखीमपुर से छत्रपति गुप्ता रौनियार, उदालगुड़ी टंग्ला से उपेंद्र प्रसाद, रंगिया से गौतम शाह, नगांव आमनि से रुपनारायण शाह, डिब्रूगढ़ से राजकुमार रौनियार, नॉर्थ लखीमपुर से राजेंद्र रौनियार, विश्वनाथ चारिआलि से ओमप्रकाश रौनियार को मंचासीन कराया गया। इसके बाद मंचासीन अतिथिों का फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। सभा का संयोजन के रूप में उपस्थित लखीमपुर से छत्रपति गुप्ता

रौनियार ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से किया। तत्पश्चात सभा में उपस्थित सभी महानुभावों ने अपना-अपना परिचय दिया। सभा की उद्देश्य व्याख्या छत्रपति गुप्ता रौनियार ने की। सभा को संबोधन करते हुए उन्होंने कहा कि बैठक का उद्देश्य स्वजातीय समाज का सभी जिलों में कमिटी बनाना नए-नए लोगों को जोड़ना, आपसी संवाद को बढ़ाना, एक दूसरे के सुख-दुख में साथ देना, हर जिले में महीना में बारी-बारी से आपसी बैठक करना, पूरे असम में संगठन को खड़ा करना, एक राज्य स्तरीय रौनियार सम्मेलन आगामी दिनों में आयोजित कर इस सम्मेलन में होने वाले व खर्च का बजट बनाना, इस सम्मेलन को किस शहर में आयोजित किया जाए, खर्च के पैसे का इंतजाम करना सम्मेलन को कैसे सफल बनाया जाए, एक रौनियार कोष का गठन किया जाए आदि शामिल हैं। इसी सब विषयों को लेकर आज सभा का आह्वान किया गया है। वहीं अतिथियों में रूपनारायण शाह, ओमप्रकाश रौनियार, उपेंद्र प्रसाद आदि गणमान्य व्यक्तियों ने अपने भाषण में संगठन को संगठित करने पर जोर दिया। इसके अलावा अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा विश्वनाथ जिला समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में रामानंद रौनियार, उपाध्यक्ष बजरंग रौनियार, मूलसचिव ओमप्रकाश रौनियार, संयुक्त सचिव अखिलेश गुप्ता, सचिव क्रमशः सत्य प्रकाश गुप्ता व जय नारायण गुप्ता, कोषाध्यक्ष महावीर प्रसाद, सांस्कृति सचिव पृथ्वी रौनियार, सहायक सांस्कृति सचिव बिजय रौनियार, प्रचार सचिव श्यामानंद रौनियार आदि सदस्य को चुना गया। अंत में सभा के अध्यक्ष रामानंद रौनियार में अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हम स्वजातीय समाज को एकजुट होकर भविष्य के लिए कार्य करना है ताकि हमारा समाज में जो भी समस्या है उसे मिलकर दूर की जाएगी। साथ ही उन्होंने सभी उपस्थित महान लोगों को आज के कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए विशेष धन्यवाद ज्ञापन की।

रंगिया : योग हस्तलिखित पत्रिका का विमोचन

रंगिया (विभास)। रंगिया में 18 अगस्त सन 2013 को स्थापित कामरूप जिले का पहला योग शिक्षानुष्ठान *साधना योग महाविद्यालय* के सौजन्य से तथा योग शिक्षकों एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों के सहयोग से हस्तलिखित पत्रिका *योग संजीवनी* का रविवार को विमोचन किया गया। इस वर्ष आयोजित होने वाले 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में लिखी गई इस पत्रिका का विमोचन रंगिया के जाने-माने दंत चिकित्सक डॉ. खबिरुद्दीन अहमद ने रंगिया के ऐतिहासिक हरदत्त बीरदत्त भवन प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान किया। योगाचार्य ज्योतिष कलिता एवं विशिष्ट शिक्षक तीर्थमनी डेका के मंच संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में पत्रिका का विमोचन करते हुए डॉ. अहमद ने कहा कि योग के विषय पर हस्तलिखित पत्रिका *योग संजीवनी* संभवत: असम की पहली हस्तलिखित पत्रिका है। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित कामरूप जिला क्रीड़ा भारती के अध्यक्ष बिरेन कलिता ने शिक्षकों और छात्रों द्वारा योग विषय पर विभिन्न लेखों से समृद्ध इस पत्रिका के महत्व और प्रभाव के बारे में बताया। उल्लेखनीय है कि इस पत्रिका का संपादन पूबपार मदरतला उच्चत्तर माध्यमिक

विद्यालय तथा योग डिप्लोमा पाठ्यक्रम के शिक्षक तीर्थमोनी डेका ने किया जिसमें डिप्लोना पाठ्यक्रम की छात्रा स्निग्धा शिखा राजबंशी सहायक संपादक के रूप में रही। कार्यक्रम का शुभारंभ रंगिया महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की मुख्य अध्यापिका रानू चौधुरी के दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। उन्होंने अपने संक्षिप्त भाषण में योग विषय पर हस्तलिखित इस पत्रिका को प्रकाशित करने के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में साधना योग महाविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों सहित बहुत से गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

सड़क दुर्घटना में तीन दोस्तों की मौत

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिला के काकोपथार में हुई एक सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई जबकि एक की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में हो गयी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात बाइक (एएस-23ऐडी-8976) और महिन्द्रा सुप्रो के बीच में आमने-सामने की टक्कर में बाइक पर सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य एक को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान मानस ज्योति बरगोहाई, रूपम सुतिया और शांतनु फूकन के रूप में की गई है। तीनों दोस्त घूमने के लिए निकले थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। एक ही गांव के तीनों युवक की मौत होने की वजह से पूरे गांव में आज मातम छा गया। हादसे में जान गंवाने वाले तीनों युवक 2 दिन पहले चेन्नई और गुवाहाटी से अपने गांव पहुंचे थे।

राज्य में नॉर्थ-ईस्ट का पहला हाईवे फूड कोर्ट का उद्घाटन

गुवाहाटी। नॉर्थ ईस्ट के सबसे तेजी से बढ़ते एफ एंड बी समूह, जग्गनफूडटेक ग्रुप ने आज गुवाहाटी में इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप, एयरपोर्ट रोड, धारापुर जंक्शन के अलावा अपने पहले फूड कोर्ट फूडिस्तान एनएच 37 का उद्घाटन किया। यह असम में ग्रुप का पहला फूड कोर्ट है। फूड कोर्ट का उद्घाटन मास्टरशेफ इंडिया 2023 के विजेता नयनज्योति सैकिया ने किया। फूडिस्तान एनएच37 नॉर्थ ईस्ट इंडिया का पहला हाईवे डेस्टिनेशन कॉन्सेप्ट है, जिसे सीरियल रेस्त्रां के मालिक प्रांजल चेतिया ने तैयार किया है, जिन्हें अपने पोर्टफोलियो के तहत फ्लैगशिप ब्रांड्स मस्त बिरयानी को सफलतापूर्वक संचालित करने का एक दशक का अनुभव है। फूड कोर्ट के लांच के मौके पर जगनफूडटेक ग्रुप के संस्थापक प्रांजल चेतिया ने कहा कि फूडिस्तान एनएच 37 वन स्टॉप फूड एंड बेवरेज डेस्टिनेशन पर केंद्रित है। फूडिस्तान एनएच 37 की विशिष्टता पर टिप्पणी करते हुए, कहा कि हमारा सर्वोपरि फोकस पूरे उत्तर पूर्व में परेशानी मुक्त राजमार्ग यात्रा पर होगा। सुरक्षा, स्वच्छता,

रेस्ट रूम, मिडवे सुविधाएं, लाइव का जादुई माहौल, इसके खाद्य ब्रांडों की श्रेणी से कला और भोजन का मिश्रण और लगातार गुणवत्ता के साथ व्यंजनों में भोजन और पेय पदार्थों की शानदार पेशकश के साथ यहां हम प्रत्येक अतिथि का खुले हाथों से स्वागत करते हैं, ताकि वे वास्तव में अद्वितीय राजमार्ग भोजन अनुभव का अनुभव कर सकें। जगनफूडटेक ग्रुप की रणनीति पर टिप्पणी करते हुए, प्रांजल चेतिया ने कहा कि हम उत्तर पूर्व में एकमात्र संगठित फूड कोर्ट संचालक हैं, जो विभिन्न विक्रेताओं के साथ भोजन का उप-अनुबंध नहीं कर रहे हैं, लेकिन एक विशिष्ट व्यंजन के लिए 7 घरों और प्रत्येक ब्रांड को विकसित किया है। एक ठाठ और आधुनिक वातावरण में एक शानदार भोजन और पारंपरिक कला संलयन के साथ एक आरामदायक सेटिंग में, फूडिस्तान एनएच37 आपको मिट्टी के बर्तनों में परोसी जाने वाली चाय की देसी चाय के साथ विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, मस्त बिरयानी प्रामाणिक दम पकाई हुई बिरयानी की थलाइवार्स टिफिन मूल दक्षिण भारतीय डोसा, कबाब, योपांडा स्वादिष्ट एशियाई चीनी व्यंजन और स्वादिष्ट मोमो और निश्चित रूप से द ग्रैब शॉप्स को चलते-फिरते विकल्पों को पकडना चाहिए। हम आपकी आगे की राजमार्ग यात्रा में 24 घंटे चौबीसों घंटे हमारे हाउस ऑफ ब्रांड्स के व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए आपका स्वागत करते हैं। चौबीसों घंटे अपनी यात्रा को परेशानी मुक्त बनाने के लिए हमारे हाउस ऑफ ब्रांड्स के शानदार भोजन और पेय के साथ अपनी आगे की राजमार्ग यात्रा में हम आपका स्वागत करते हैं।

मेघालय में भारी बारिश से कटा संपर्क, दो बहनों की मौत

शिलांग। मेघालय के पश्चिमी खासी हिल्स जिले में शनिवार को भारी बारिश और भूस्खलन के बाद मकान ढहने से उसमें फंसी दो नाबालिग बहनों के शव निकाले गए। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना नोंगस्टोइन के मावियोंग-पाइनडेनग्रेई इलाके में सुहब करीब साढ़े चार बजे हुई। पीड़ितों की उम्र 10 और 15 साल थी। एसपी जगपाल धनोआ ने बताया कि एक अन्य घटना में, पुलिस ने दो दिन पहले पूर्वी खासी हिल्स के मावसिनराम में एक ट्रक के गहरी खाई में गिर जाने के बाद 6 में से 4 लोगों के शवों को निकाला था। मंगलवार शाम को जब यह दुर्घटना हुई, तब यह वाहन सुदूर थिएडडिएंग गांव जा रहा था। पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में भूस्खलन ने एनएच 6 को काट दिया है जो मेघालय को पूर्वी असम, मिजोरम और त्रिपुरा में सिलचर से जोड़ता है। मलबे को साफ किया जा रहा है और यात्रियों को सतर्क रहने तथा जहां भी संभव हो वैकल्पिक मार्गों की तलाश करने की सलाह दी गई है। इस बीच, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) ने पूर्वी खासी हिल्स सहित 12 जिलों में से 7 में भारी से बहुत भारी वर्षा के पूर्वानुमान के बाद कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल को सक्रिय कर दिया है। एसडीएमए के कार्यकारी निदेशक एम वार ने कहा कि पिछले नौ दिनों में राज्य भर से आग लगने, बिजली गिरने, भूस्खलन, मिट्टी धंसने और भारी बारिश की खबरें मिली हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सभी जिलों को भारी बारिश को लेकर अलर्ट रहने को कहा है।

केजरीवाल के पायलट बनकर काम कर रहे भगवंत मानः अमित शाह

पंजाब के गुरदासपुर में केन्द्रीय मंत्री शाह ने आआप सरकार पर किए कटाक्ष
पंजाब की महिलाएं अपने खातों में एक हजार आने का अब तक रहीं इंतजार

चंडीगढ़, (हि.स.)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि भगवंत मान, केजरीवाल की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए पंजाब का पैसा देशभर में विज्ञापन पर खर्च कर रहे हैं। केन्द्रीय गृहमंत्री शाह रविवार को केंद्र की मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के अवसर पर गुरदासपुर में भाजपा की रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज केजरीवाल देश में कहीं भी जाते है तो भगवंत मान अपना जहाज लेकर दिल्ली पहुंच जाते हैं। वहां से दोनों आगे जाते हैं। भगवन्त मान पंजाब हित में देश घूमने की बजाए केजरीवाल के पायलट बनकर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री के पास इस समय केवल केजरीवाल को खुश रखने और उन्हें देश घुमाने का काम है। पंजाब में आज कानून व्यवस्था बिगड़ चुकी है। मुख्यमंत्री पर अपने ही सूबे के लिए टाइम नही है। आज पंजाब में खोखले वादे करने वाली सरकार है। आआपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए शाह ने कहा कि पंजाब की महिलाएं हर माह अपना खाता चेक कर रही हैं, उनके खातों में एक-एक हजार रुपये कब आएंगे। शाह यहीं नही रुके, उन्होंने कहा कि पंजाब के एक कैबिनेट मंत्री पर दलित के यौन शोषण के आरोप हैं और सरकार उनको बचाने में लगी हुई है। अमित शाह ने कहा कि पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां तिरंगे के तीनों रंग देखने को मिलते है। पंजाबी आजादी के आन्दोलन से लेकर आजतक देश की रक्षा में कभी पीछे नहीं हटे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 250 करोड़ रुपये खर्च करके देश भर में गुरु गोबिन्द सिंह जयंती कार्यक्रमों का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि 9 वर्ष पहले काली सूची में 314 लोग शामिल थे, जिसको कम करके अब महज दो लोग कर दिया गया है। यहां 26 दिसंबर को जहां वीर बाल दिवस के रूप में मनाया गया। वहीं विदेशों में बसे भारतीयों को दरबार साहिब में दान देने की सुविधा मोदी सरकार ने दी है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के अलावा कई नेताओं ने संबोधन किया।

नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी पंजाब भाजपा

गृहमंत्री शाह ने पंजाब में बढ़ रही नशा तस्करी के मुद्दे पर पंजाब सरकार की जमकर आलोचना की। पंजाब भाजपा कार्यकताओं को एक नया टास्क दिया गया है। शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में भाजपा के कार्यकर्ता पंजाब में ब्लाक स्तर पर कार्यकम करेंगे और घर-घर जाकर लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करेंगे।

मानवता के लिए शांति और आनंद का मार्ग प्रशस्त कर रहा ब्रह्माकुमारी संस्थानः ओम बिरला

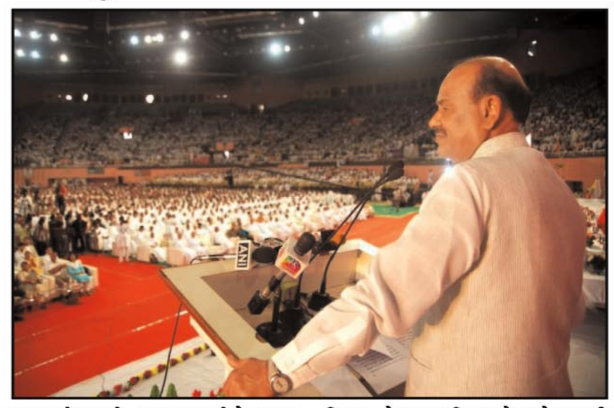

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने इस संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह मानवता के लिए शांति और आनंद का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। बिरला ने कहा कि यह गर्व की बात है कि विगत लगभग 80 वर्षों से यह संस्थान आध्यात्मिक उन्नति, व्यक्तित्व में आंतरिक परिवर्तन तथा विश्व-समुदाय के पुनरुद्धार के लिए अमूल्य योगदान देता रहा है। शांति, अहिंसा और प्रेम पर आधारित सेवा-भावना के जरिए इस संस्थान ने शिक्षा, ग्राम-विकास, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, आपदा प्रबंधन, दिव्यांगजनों की सेवा, अनाथ बच्चों के कल्याण तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि वह नई ऊर्जा, नए सामर्थ्य के बल पर सबके साथ मिलकर भारत के प्राचीन राजयोग के स्वर्णिम युग की पुनर्स्थापना कर रहे हैं। विश्व में भारत के विशेष स्थान का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि भारत अपने आध्यात्मिक चिंतन, सोच-विचार तथा आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से विश्व का नेतृत्व कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि प्रत्येक देशवासी को गर्व है कि भारत की आध्यात्मिक संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वव्यापी पहचान बनाने का सकारात्मक काम योग ने किया है। उन्होंने कहा कि इसका सकारात्मक परिवर्तन, हर व्यक्ति के जीवन में हुआ है। योग के माध्यम से हम अपने मन, शरीर को स्वस्थ रखते हुए अपनी कार्य कुशलता को बढ़ा सकते हैं।

साक्षी मलिक कांग्रेस के हाथ की कठपुतली: बबीता फोगाट

अजय त्यागी

नई दिल्ली। कुश्ती खिलाड़ी और भाजपा नेता बबीता फोगाट ने सांसद बृजभूषण के खिलाफ आंदोलनरत पहलवान साक्षी मलिक को कांग्रेस के हाथ की कठपुतली बताया है। उन्होंने कहा, ह्लदेश की जनता समझ चुकी है कि आप कांग्रेस के हाथ की कठपुतली बन चुकी हो। अब समय आ गया है कि आपको आपकी वास्तविक मंशा बता देनी चाहिए क्योंकि अब जनता आपसे सवाल पूछ रही है। कल साक्षी मलिक ने अपने पति के साथ एक वीडियो में दावा किया था कि बबीता और एक अन्य भाजपा नेता ने उन्हें जंतर-मंतर पर आंदोलन के लिए अनुमति दिलाई थी। इसके जवाब में आज बबीता ने ट्वीट कर इसे पूरी तरह झूठ बताया। उन्होंने कहा कि अनुमति में उनके सहयोग के कोई प्रमाण नहीं हैं। बबीता ने कहा कि वीडियो सामने आने के बाद अब देश की जनता को समझ में आ जाएगा की नए संसद भवन के उद्घाटन के पवित्र दिन आपका विरोध और राष्ट्र के लिए जीता हुआ मेडल गंगा में प्रवाहित करने की बात कितना देश को शर्मसार करने जैसा था। उन्होंने कहा, बहन हो सकता है आप बादाम के आटे की रोटी खाते हों लेकिन गेहूं की तो मैं ओर मेरे देश की जनता भी खाती ही है, सब समझते हैं। बबीता ने कहा कि वे बार-बार सभी आंदोनरत पहलवानों प्रधानमंत्री या गृहमंत्री मिलकर समाधान करने की बात कहती रहीं। लेकिन उन्हें समाधान दीपेन्द्र हुड्डा, कांग्रेस और प्रियंका गांधी व उसके साथ आ रहे उन लोगों द्वारा दिख रहा था। उन्होंने कहा कि अब जनता इन विपक्ष के चेहरों को पहचान चुकी है। अब देश के सामने आकर उन्हें उन सभी जवानों, किसानों और उन महिला पहलवानों की बातों का जवाब देना चाहिए, जिनकी भावनाओं की आग में राजनीतिक रोटी सेंकने का काम किया गया है।

रक्षा मंत्रालय कामकाज बेहतर करने के लिए 19-20 जून को करेगा 'चिंतन बैठक'

- रक्षा विभागों के अधिकारी विशेषज्ञों के साथ विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा करेंगे
- चिंतन बैठक का समापन सुझाव आमंत्रित करने के लिए खुले सत्र के साथ होगा

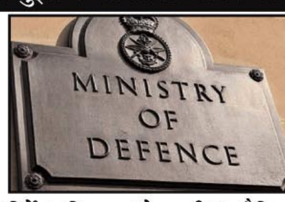

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्रालय बेहतर शासन और कामकाज के लिए अपने विभागों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए 19-20 जून को नई दिल्ली में ह्यचिंतन बैठकह्न करेगा। रक्षा विभाग, रक्षा उत्पादन विभाग, सैन्य मामलों का विभाग (डीएमए), पूर्व सैनिक कल्याण विभाग ने विभिन्न मुद्दों की पहचान की है, जिन पर रक्षा विभागों के अधिकारी विशेषज्ञों के साथ अपने विचारों को साझा करके चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्रालय अपने विभागों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करने और बेहतर शासन देने के लिए दो दिवसीय ह्यचिंतन बैठकह्न का आयोजन कर रहा है, ताकि इनका समाधान करके नए विचारों को विकसित किया जा सके। रक्षा विभाग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए व्यापक दृष्टिकोण, साइबर सुरक्षा चुनौतियां, राष्ट्रीय सूचना सुरक्षा नीति और दिशा-निर्देश, निष्पादन लेखापरीक्षा, सैनिक स्कूल शिक्षा प्रणाली और रक्षा अधिग्रहण में क्षमता निर्माण विषयों पर विचार विमर्श करेगा। इसका आयोजन वास्तविक समय सीमा में वांछित लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता निकालने के लिए किया जा रहा है। रक्षा उत्पादन विभाग आत्मनिर्भरता में वृद्धि करना, स्वदेशीकरण के लिए भविष्य की कार्ययोजना, उत्पादन और रक्षा नियार्तों को बढ़ाना, औद्योगिक इकोसिस्टम और कुशल कार्यबल, सबको समान अवसर प्रदान करने में वृद्धि और गुणवत्ता सुधार विषय पर चर्चा करेगा। सैन्य मामलों का विभाग (डीएमए) जिन मुद्दों पर चर्चा करेगा, उनमें औपनिवेशिक प्रथाओं तथा अप्रचलित कानूनों की पहचान करके उन्हें समाप्त करना तथा सशस्त्र बलों में देश के अपने लोकाचारों को शामिल करना प्रमुख है। रणनीतिक कार्यक्षेत्रों में सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण पर भी चर्चा होगी। पूर्व सैनिक कल्याण विभाग ने पूर्व सैनिकों के लिए बेहतर पेंशन सेवाओं तथा अन्य कल्याणकारी उपायों के लिए स्पर्श का लाभ उठाने, रोजगारपरकता में सुधार लाकर पूर्व सैनिकों का पुनर्वास और पूर्व सैनिकों को सूक्ष्म उद्यमों की शुरूआत के लिए उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और पूर्व सैनिकों की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के मुद्दों की पहचान की। चिंतन बैठक का समापन विभिन्न विभागों में संगठनात्मक दक्षता बढ़ाने के लिए सुझावों को आमंत्रित करने के लिए एक खुले सत्र के साथ होगा।

कांग्रेस नेता और प्रवक्ता डॉ. रागिनी नायक के घर चोरी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता डॉ. रागिनी नायक के घर चोरी का मामला दर्ज किया गया है। उत्तर पश्चिमी जिले के अशोक विहार इलाके में स्थित उनके आवास पर बीती रात चोर ने खिड़की का शीशा तोड़कर घुस आए और कई सामान चुरा ले गए। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कौन-कौन से सामान की चोरी हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की पड़ताल में जुट गई है। डॉ. रागिनी नायक ने बताया कि वह अपने बच्चों के साथ अशोक विहार फेस वन इलाके में रहती है। बीती रात उनके घर में चोरी हो गई। चोर ने बालकनी से कूदकर घर में प्रवेश होने की कोशिश की। जब बालकनी का दरवाजा नहीं खुला तो डायनिंग हॉल की खिड़की का शीशा तोड़कर घर में घुस आए। सोफे और घर की बालकनी की दीवारों पर चोर के हाथों और पैरों के निशान मिले हैं। घटना की सूचना अशोक विहार थाना पुलिस को दी गई है। कांग्रेस नेता ने उनके घर में हुई चोरी की घटना की जानकारी ट्वीटर के माध्यम से दिल्ली के एलजी, दिल्ली पुलिस कमिश्नर, उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी, लॉ एंड ऑर्डर ज्वाइंट सीपी दीपेंद्र पाठक और गृह मंत्रालय को दी है। वहीं पुलिस अधिकारी का कहना है कि उन्हें चोरी की शिकायत मिली है। मामला दर्ज कर दिया गया है। पुलिस घर में लगे सीसीटीवी कैमरे और मौके पर मिले फिंगर और फुटप्रिंट के आधार पर चोर की पड़ताल में जुटी है। पुलिस लोकल इंटेलिजेंस का मदद से भी चोर की तलाश कर रही है। जल्दी मामले को सुलझा लिया जाएगा।

कानून-व्यवस्था व अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरेगी कांग्रेस

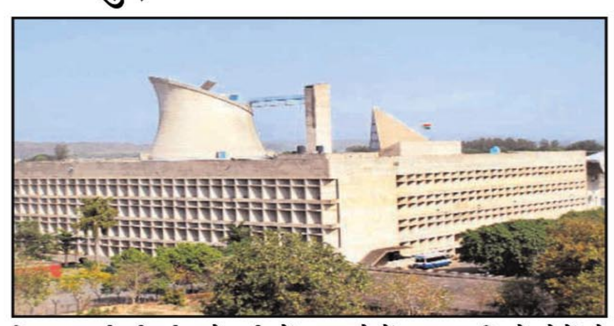

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब विधानसभा का दो दिवसीय सत्र हंगामेदार हो सकता है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने विधायकों के साथ मंत्रणा करके सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की रणनीति बना ली है। इस सत्र के दौरान कांग्रेस द्वारा सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आआपा) की सरकार को प्रदेश की कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा जाएगा। प्रदेश में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा। नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा सत्र शुरू होने से पहले ही आप्रेशन लोटस का मुद्दा उठा चुके हैं। पिछले साल आआपा सरकार ने भाजपा पर पंजाब में आप्रेशन लोटस चलाने का आरोप लगाते हुए कहा था कि आआपा विधायकों को 25-25 करोड़ का लालच देकर समर्थन मांगा जा रहा है। इस मुद्दे पर वित्त मंत्री हरपाल चीमा के नेतृत्व में आआपा विधायकों ने पुलिस महानिदेशक से मुलाकात करके उन्हें शिकायत भी दी थी। मोहाली में आआपा विधायकों द्वारा एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। आप्रेशन लोटस की चचाओं के बीच आआपा सरकार ने 27 सितंबर 2022 को विशेष सत्र बुलाकर सदन में बहुमत हासिल किया था। प्रताप बाजवा ने विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवा को पत्र लिखकर आप्रेशन लोटस पर एक्शन टेकर रिपोर्ट सदन में पेश करने की मांग की है। बाजवा के अनुसार इस मुद्दे पर भाजपा पर कई तरह के आरोप लगाए गए थे लेकिन पंजाब के लोग हकीकत को जानना चाहते हैं। इस मामले में आजतक कितने लोगों को पकड़ा गया है और क्या कार्रवाई की गई है, यह बताना जरूरी है। इस सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा विधायक माणुके के कोठी विवाद को उठाएंगे। एक एनआरआई महिला के मकान पर कथित कब्जे को लेकर निशाने पर आई आप विधायक से सवाल किए जा रहे हैं। इसके अलावा पंजाब के कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारूचक्क प्रकरण को दबाने के मुद्दे पर भी कांग्रेस द्वारा आआपा सरकार की घेराबंदी की जाएगी।

मेट्रो फेज-4 का सबसे लंबा प्लेटफॉर्म एरोसिटी स्टेशन पर होगा

अजय कुमार

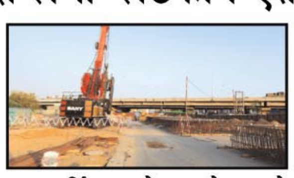

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो एरोसिटी - तुगलकाबाद सिल्वर लाइन कॉरिडोर पर नए एरोसिटी मेट्रो स्टेशन का प्लेटफॉर्म 289 मीटर की लंबाई के साथ फेज-4 के सभी स्टेशनों में सबसे लंबा होगा। आमतौर पर फेज-4 के भूमिगत मेट्रो स्टेशनों की लंबाई करीब 225 मीटर है। इसकी व्यापक लंबाई को अनुमानित यात्री यातायात को समायोजित करने के लिए सावधानी से डिजाइन किया गया है क्योंकि भविष्य में एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन, सिल्वर लाइन और गुरुग्राम, मानेसर और अलवर के लिए आरआरटीएस कॉरिडोर के बीच कनेक्टिविटी के साथ यह एक महत्वपूर्ण ट्रिपल इंटरचेंज सुविधा वाला स्टेशन होगा। डीएमआरसी के प्रवक्ता अनुज दयाल ने रविवार को बताया कि एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन, सिल्वर लाइन और आरआरटीएस कॉरिडोर के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन 23 मीटर की गहराई पर बनेगा। यह स्टेशन एक टर्मिनल स्टेशन होगा, जो फरीदाबाद के एनसीआर शहर से दक्षिण दिल्ली के साथ-साथ पश्चिमी दिल्ली और विशेष रूप से इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इस स्टेशन के लिए निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और निर्माण की प्रक्रिया बॉटम-अप विधि द्वारा की जा रही है। इस स्टेशन पर तीन प्रवेश/निकास बिंदु होंगे, जिसमें एक एरोसिटी के बिजनेस हब को जोड़ता है और अन्य दो प्रवेश/निकास संरचनाएं स्टेशन को एनएच-8 और पास के इलाके महिपालपुर से पैदल यात्री सबवे के माध्यम से जोड़ेगी, जिससे हवाई अड्डा पहुंचने में आसानी होगी। प्रवक्ता ने आगे बताया कि एरोसिटी स्टेशन के प्रमुख लाभों में से एक इसका मौजूदा हाई-स्पीड एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन और दिल्ली-गुरुग्राम-अलवर आरआरटीएस कॉरिडोर के साथ इंटरचेंज का प्रावधान है। यह सहज एकीकरण तुगलकाबाद-एरोसिटी कॉरिडोर और हाई-स्पीड एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के बीच यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाएगा, जिससे उन्हें बेहतर कनेक्टिविटी विकल्प और सुविधा मिलेगी। बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तुगलकाबाद-एरोसिटी कॉरिडोर महरौली - बदरपुर रोड, छतरपुर एक्सटेंशन और महिपालपुर इत्यादि क्षेत्रों में बढ़ती परिवहन मांगों को पूरा करेगा। यह यात्रियों के लिए एक जीवन रेखा के रूप में काम करेगा, यात्रा के समय को कम करेगा और परिवहन का एक सक्षम और विश्वसनीय माध्यम उपलब्ध कराएगा। यह स्टेशन दक्षिण दिल्ली, फरीदाबाद और नोएडा के निवासियों को तेज गति से यात्रा करने और हवाई अड्डे तक पहुंचने में मदद करेगा।

केदारनाथ मंदिर को स्वर्ण जड़ित करने पर विवाद षडयंत्र का हिस्सा : बीकेटीसी

देहरादून, (हि. स.)। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह को स्वर्णजड़ित करने पर सोशल मीडिया में फैलाये जा रहे भ्रम को षड्यंत्र का हिस्सा बताया है। दानी दाता की ओर से केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह को स्वर्णजड़ित करने की इच्छा पर मंदिर समिति की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव का परीक्षण कर स्वर्णमंडित करने की अनुमति दी गई। बीकेटीसी ने स्पष्ट किया है कि बदरीनाथ - केदारनाथ मंदिर समिति अधिनियम-1939 में निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप ही दानी दाता से दान स्वीकार किया गया है और केदारनाथ मंदिर के गर्भ गृह को स्वर्ण मंडित करने के लिए प्रदेश शासन से अनुमति ली गई। भारतीय पुरात्व सर्वेक्षण विभाग के विशेषज्ञों की देखदेख में स्वर्ण मंडित करने का कार्य किया गया। बीकेटीसी की ओर से केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह की दीवारों पर सोने की परत चढ़ाने की अनुमति दानी दाता की पावन भावना के अनुरूप दी गई। गर्भ गृह को स्वर्ण मंडित करने का कार्य स्वयं दानी दाता ने अपने स्तर से किया है। दानी दाता की ओर से अपने स्तर से ज्वैलर्स से तांबे की प्लेटें तैयार करवाई गई और फिर उन पर सोने की परतें चढ़ाई गईं। दानी दाता ने अपने ज्वैलर्स के माध्यम से ही इन प्लेटों को मंदिर में स्थापित कराया। सोना खरीदने से लेकर दीवारों पर जड़ने तक का सम्पूर्ण कार्य दानी की ओर से कराया गया। मंदिर समिति की इसमें कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं रही। उन्होंने अपने स्वर्णकार के माध्यम से गर्भ गृह में लगाई गई स्वर्ण व तांबे की प्लेटों के आधिकारिक बिल व बाउचर बीकेटीसी को कार्य पूर्ण होने के पश्चात दे दिए थे। बीकेटीसी नियमानुसार इसे स्टॉक बुक में दर्ज किया गया है। दानस्वरूप किए गए इस कार्य के लिए दानी व्यक्ति अथवा किसी फर्म की ओर से बीकेटीसी के समक्ष किसी प्रकार की शर्त नहीं रखी गई और नहीं दानी दाता ने बीकेटीसी से आयकर अधिनियम की धारा - 80 जी का प्रमाण पत्र मांगा।

जम्मू-कश्मीर के कटरा और लेह में 4.1 तीव्रता का भूकंप, कोई नुकसान नहीं

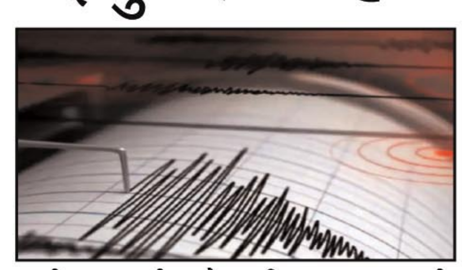

श्रीनगर, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के कटरा में आज तड़के 3:50 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.1 रही। इसका केंद्र कटरा में 11 किलोमीटर की गहराई पर रहा। इससे पहले लद्दाख के लेह में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। पूर्वोत्तर लेह में आए इस भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.1 रही। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप रात 2 बजकर 16 मिनट पर आया। कटरा और पूर्वोत्तर लेह में आए भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले शनिवार शाम को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भूकंप के झटके महसूस किए गए। लद्दाख में आए भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.5 रही। इसके 10 मिनट बाद जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आए भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.4 रही। जम्मू-कश्मीर को भूकंप की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है।

कश्मीर घाटी में भाईचारे का प्रतीक है अमरनाथ यात्रा : फारूक अब्दुल्ला

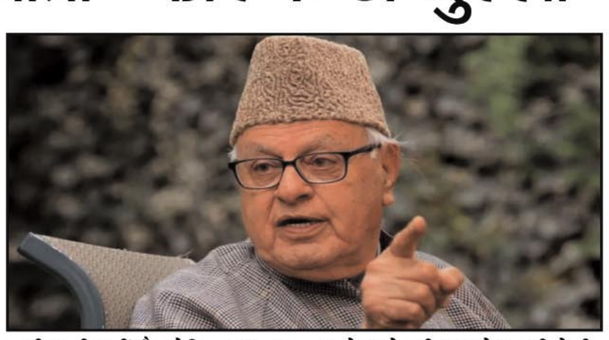

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद डॉ फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि देश में नफरत फैलाने वालों को यह देखना चाहिए कि कश्मीर घाटी में अब मुसलमान और हिंदू कैसे अमरनाथ यात्रा को सुचारू बनाने के लिए एक-दूसरे का समर्थन कर रहे हैं। सांसद अब्दुल्ला रविवार को यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अमरनाथ यात्रा कश्मीर घाटी में भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जो लोग देश में नफरत फैलाते हैं, उन्हें देखना चाहिए कि मुस्लिम और हिंदू इसके सुचारू आचरण के लिए एक-दूसरे का समर्थन कैसे कर रहे हैं। डॉ अब्दुल्ला ने कहा कि पानी, बिजली और खाद्य पदार्थ की समस्याएं हर साल सामने आती हैं। अभी पानी की इतनी कमी नहीं है, लेकिन सरकार को निश्चित रूप से इस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा भारत सरकार ने खाद्य पदार्थ की आपूर्ति कम कर दी है, क्योंकि मैं खाद्य के लिए संसदीय समिति का सदस्य हूं। हमने सरकार से इसकी पर्याप्त बहाली के लिए अपील की है। उन्होंने कहा कि अमरनाथ यात्रा के दौरान वहां काम करने वाले गरीब इससे अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं और उतनी ही कमाई सर्दियों में खर्च करते हैं। इस यात्रा के दौरान सहयोग, भाईचारा और समरसता देखने को मिलती है, जो अपने आप में एक मिसाल है। उन लोगों को भी इनसे सीख लेनी चाहिए, जो केवल नफरत फैलाने का काम करते हैं।

कंस्ट्रक्शन वर्कर को पेंशन के साथ ब्याज भी देना होगा : हाईकोर्ट

-अदालत ने मजदूरों की पेंशन के संबंध में दिया महत्वपूर्ण आदेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। अदालत ने मजदूरों की पेंशन के संबंध में एक महत्पूर्ण फैसला दिया हे। दिल्ली हाईकोर्ट ने कंस्ट्रक्शन मजदूरों के पेंशन के संबंध में साफ कहा कि कंस्ट्रक्शन में लगे मजूदर को उसके पेंशन के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि कि निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को पेंशन के अधिकार को केवल अतितकनीकी मुद्दों या मूल बैंक स्लिप या नोटरी रिकॉर्ड की क्रम संख्या के पेश नहीं करने पर वंचित नहीं किया जा सकता है। अदालत ने यह बात उस निर्माण मजदूर को राहत देते हुए कही, जिसने नियम 372 के तहत अपनी पेंशन जारी करने के लिए दिल्ली भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में आवेदन किया था। उसे पेंशन की राशि नहीं मिली। कोर्ट ने इस तथ्य को ध्यान में रखा कि बड़ी संख्या में निर्माण श्रमिक या तो निरक्षर हैं या कम पढ़े हैं और ग्रामीण पृष्ठभूमि के हैं। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह की सिंगल बेंच पीठ ने कहा कि उनके पेंशन लाभ आवेदन पर बिना किसी देरी के कार्रवाई की जानी चाहिए। अदालत ने निर्देश दिया कि निर्माण श्रमिक बादाम वरवा को लागू पेंशन 06 फरवरी, 2022 से 6प्रतिशत की दर से ब्याज के साथ दी की जाए। अदालत ने आदेश दिया कि यह राशि 1 जुलाई, 2023 तक मिल जानी चाहिए। कोर्ट ने इस मामले की प्रकृति को ध्यान में रखा। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता को मुकदमेबाजी के दूसरे दौर से गुजरना पड़ा है। उसे वैधानिक अपील का प्रयोग करने के बाद काफी लंबी अवधि के लिए उसकी पेंशन से वंचित कर दिया गया था। ऐसे में आवेदनकर्ता को 25,000 रुपये दिया जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि इस राशि का भुगतान बोर्ड की तरफ से याचिकाकर्ता को आठ सप्ताह के भीतर किया जाए। इससे पहले पेंशन के लिए याचिकाकर्ता का आवेदन इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि वह रिटायरमेंट की तारीख पर बोर्ड की मेंबर नहीं थी। इससे पहले, निर्माण श्रमिक की तरफ से एक रिट याचिका दायर की गई थी। इसे अप्रैल 2022 में सिंगल जज बेंच ने पेंशन लाभ के लिए उसके दावे के संबंध में बोर्ड को उचित आदेश पारित करने के निर्देश के साथ निस्तारित कर दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद आवेदन पर फैसला नहीं हुआ। कोर्ट ने कंस्ट्रक्शन वर्कर्स और अन्य मजूदरों के लिए बनाए गए वेलफेयर बोर्ड के काम में यह साफ किया गया है कि मजदूर के 60 साल की उम्र पूरी करने के बाद वह पेंशन का हकदार होगा। ऐसे में बोर्ड का काम है कि वह मजदूर को पेंशन का भुगतान करे। इसके अलावा घर के निर्माण के लिए लाभार्थी को लोन और एडवांस राशि भी दी जाती है। दुर्घटना की स्थिति में लाभार्थी को तत्काल सहायता प्रदान करना भी बोर्ड का काम है। इसके अलावा महिला लाभार्थियों को मैटर्निटी बेनिफिट का भुगतान भी शामिल है।

मैंने राजनीतिक जीवन में कभी अहंकार नहीं पाला : राजनाथ सिंह

नेता न कहना, और ब्यूरोक्रेसी हाँ कहना सीख ले तो देश का कल्याण हो जाएगा

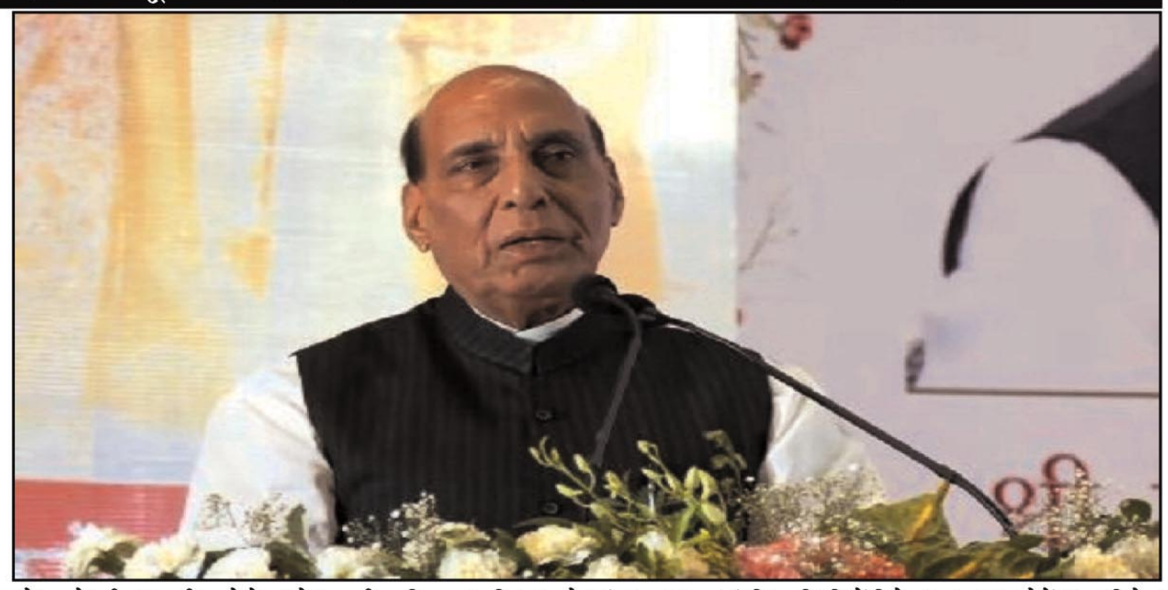

लखनऊ, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ध्येय फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने राजनीतिक जीवन में कभी अहंकार नहीं पाला। जिस दिन व्यक्ति के अंदर अहंकार आ जाता है, उसी दिन से उसका पतन शुरू हो जाता है। इसलिए कभी मन में अहंकार नहीं आना चाहिए। रक्षामंत्री ने कहा कि आम तौर पर जनता में यह धारणा है कि ब्यूरोक्रेट्स उस तरह से जनता के साथ पेश नहीं आते, जिस तरह से उन्हें पेश आना चाहिए। जिस दिन इस देश का नेताह्न कहना और इस देश की ब्यूरोक्रेसी हाँ कहना सीख जाएगी, उस दिन देश का कल्याण हो जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें छात्र जीवन से ही राजनीति का कीड़ा कुरेदता था । 23 साल की उम्र में जेल गया, वह इमरजेंसी का दौर था। राजनाथ सिंह ने कहा कि आपको पद पर रहते हुए इस बात का भी ध्यान रखना है कि आप किसी जनप्रतिनिधि द्वारा सुझाए गए किसी भी अच्छी बात को ध्यान से सुनें और यदि उचित हो तो उसे अमल में भी लाएं। जनप्रतिनिधि अपनी जनता से संबंधित मुद्दों को तो आपके सामने उठाएगा ही। इसलिए आपको अपने क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर कार्य करना होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि अपने किसी भी निर्णय के समय महात्मा गांधी के उस कथन को याद करें, जिसमें उन्होंने यह कहा था कि जो सबसे गरीब आदमी तुमने देखा हो, उसकी शक्ल याद करो और अपने हृदय से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिये कितना उपयोगी होगा? क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुंचेगा? हमें अपने निर्णय से पहले यह सोचना पड़ेगा कि हमारे इस निर्णय से समाज के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति पर क्या असर पड़ेगा? जिस दिन से आप इस सोच के साथ कार्य करना शुरू करेंगे, मेरा विश्वास करिए, आपके अंदर एक आत्म संतुष्टि का भाव आएगा। उन्होंने कहा कि कई प्रकार की चुनौतियाँ आएँगी लेकिन मेरा आपसे आग्रह है कि चाहे लाख चुनौतियाँ आएं, चाहे कितनी भी मुश्किलें आएँ, आप अपने अंदर के बच्चे को कभी खत्म मत करिएगा। आपके अंदर का बच्चा हमेशा जीवित रहना चाहिए। कई बार जीवन में ऐसे मोड़ आ जाते हैं, जहां आपको समझ ही नहीं आता कि करें तो करें क्या। ऐसी स्थिति में विवेक का साथ न छोड़ें। आप विवेक के साथ चलें, तो हो सकता है कि मुश्किलें आएँ, पर उनसे निकलने का रास्ता भी आपको उन्हीं मुश्किलों में निकलता दिखाई देगा। ऐसा मैं अपने अनुभव से कह सकता हूँ। उल्लेखनीय है कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का लखनऊ दौरे का आज तीसरा दिन था। इस कार्यक्रम के बाद राजनाथ सीधे एअरपोर्ट के लिए रवाना हो गये। वहां से वह दिल्ली जायेंगे।

भाजपा सक्रिय राजनीतिक दल, अन्य पार्टियां बरसाती मेढक : सूर्य प्रताप शाही

-देश में 11 एम्स, 200 मेडिकल कॉलेज खुले

-प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलेगी सरकार

आजमगढ़, (हि.स.)। जनपद के दौरे पर पहुंचे प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने केन्द्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि भाजपा सक्रिय राजनीतिक दल है। जबकि अन्य पार्टियां बरसाती मेढक हैं। वे चुनाव आते ही सक्रिय हो जाती हैं। नगर क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने पहुंचे प्रदेश के कृषि मंत्री ने नरौली में एक निजी डायग्नोस्टिक सेंटर का उदघाटन किया। इस दौरान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि विद्युतीकरण योजना से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों को अच्छादित किया गया है। आजमगढ़ में 7.30 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि दी गई है जो कि 06 हजार प्रतिवर्ष के हिसाब से अब तक करीब 14 सौ करोड़ होती है। इसके अलावा जनपद में एक लाख 20 हजार से अधिक लोगों को छत मुहैया कराई गई है। 110 करोड़ की लागत से विश्वविद्यालय बन रहा है। 500 करोड़ की लागत से हवाई अड्डे का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री लगातार विकास के लिए सक्रिय रहते हैं। जितना विकास पिछले 09 वर्षों में हुआ है उतना उस्-के पहले के 50 वर्षों में नहीं हो सका था। अगर नरेंद्र मोदी की तरह पहले कोई प्रधानमंत्री मिला होता तो अब तक देश कितना आगे बढ़ गया होता। मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि है।

उसके बाद एक सप्ताह तक कार्यकर्ता घर-घर जाकर सरकार की योजना को बताएंगे। जो भी योजना के लाभार्थी हैं, उनके यहां स्मार्टफोन से अपनी मोबाइल से फोटो खींचकर भेजेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से देश में 11 नए एम्स खुले और 200 नए मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। इसमें से अधिकांश का निर्माण कार्य पूरा भी हो चुके हैं। प्रदेश में 41 जिलों में नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो रही है या बन चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रदेश के सभी जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की मंशा है। इससे हर जिले में विशेषज्ञ चिकित्सक रहेंगे और मरीजों को बेहतर सुविधा भी मिलेगी। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रति एक हजार व्यक्तियों पर चिकित्सकों की संख्या काफी कम है। इसे बढाया जाना आवश्यक है। सरकार इस दिशा में तेजी के साथ काम कर रही है। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि जब हम अपने आजादी का शताब्दी वर्ष मनाएंगे तब हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनेंगे।

विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा के पहले दिन निकलेगी बाबा कालभैरव की भव्य शोभयात्रा

-बाबा के स्वर्ण रजत पंचबदन प्रतिमा की शोभायात्रा में शामिल होंगे पुलिस घुड़सवार

वाराणसी, (हि.स.)। धर्म नगरी काशी के तीन दिवसीय विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा मेले के पहले दिन 20 जून को बाबा काल भैरव के स्वर्ण रजत पंचबदन प्रतिमा की भव्य शोभायात्रा परम्परानुसार चौखंभा स्थित काठ की हवेली से निकलेगी। वर्ष 1954 में निर्मित पंचबदन प्रतिमा की भव्य 70वीं शोभायात्रा में सबसे आगे पुलिस घुड़सवार चलेंगे। उनके साथ ताशा बाजा के साथ भक्तगण ध्वजा पताका के साथ शामिल होंगे। स्वर्णकार क्षत्रिय कमेटी के बैनर तले निकलने वाली शोभायात्रा में 11 स-सज्जित और छतरी युक्त घोड़ों पर देव प्रतिमाएं राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान, शंकर, गणेश, नारद, ब्रह्मा जी के साथ दो दरबार भी विराजमान रहेंगे। साथ ही पाइप बैंड का आकर्षण भी रहेगा। रविवार को स्वर्णकार क्षत्रिय कमेटी के अध्यक्ष कमल कुमार सिंह और अन्य पदाधिकारियों ने यह जानकारी पत्रकारों को दी। कमल कुमार ने बताया कि शोभायात्रा में कमेटी के संस्थापक द्वय स्वर्गीय किशुनदास और स्वर्गीय भीकू सिंह की तस्वीर भी सुसज्जित रथ पर रहेगी। बैंड पार्टी सुमधुर धुन बिखरते चलेंगे, साथ में माता स्वरूप प्रतिमाएं अपने करतब दिखाते हुए चलेंगी। शोभायात्रा में शंकर-पार्वती, राधा-कृष्ण, दुर्गा जी, काली जी, हनुमान जी की आकर्षक झांकी रहेगी। इवेंट प्लानर की टीम नीरज सेठ के नेतृत्व में रास्ते भर भजन प्रस्तुत करती रहेगी। अध्यक्ष ने बताया कि गोविंदेश्वर महादेव की आकर्षक झांकी तथा डमरू दल भी शोभायात्रा के केंद्र बिंदु होंगे। शोभायात्रा के अंत में शहनाई के साथ फूलों से सुसज्जित बाबा का स्वर्णिम रथ होगा। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा के स्वागत के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ काशी कोतवाल बाबा कालभैरव के भक्त लगभग 40 स्थानों पर पूजा-अर्चना करेंगे। शोभायात्रा काठ की हवेली चौखंभा से प्रारंभ होकर बीबी हटिया, जतनबर, विशेश्वरगंज, महामृत्युंजय, दारानगर, मैदागिन, बुलानाला, चौक, नारियल बाजार, गोविंदपुरा, ठठेरी बाजार, सोराकुंआ, गोलघर, भुतही इमली होते हुए काल भैरव मंदिर पर जाकर संपन्न होगा। उन्होंने बताया बाबा की स्वर्ण रजत प्रतिमा मंदिर में प्रतिस्थापित कर भव्य श्रृंगार व पूजन किया जाएगा। शाम पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित के आचार्य में बसंत पूजा होगी। रात समयानुसार 11 बजे तक दर्शन पूजन का कार्य चलता रहेगा। महाआरती के पश्चात श्रृंगार कार्यक्रम संपन्न होगा। उन्होंने बताया कि मंदिर प्रांगण से भी टीम बनाकर प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई है।

फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर हिन्दू महासभा ने पुलिस से की शिकायत

लखनऊ, (हि.स.)। फिल्म आदिपुरुष को लेकर देशभर में विरोध के स्वर उठ रहे हैं। इन सबके बीच हिन्दू महासभा ने हजरतगंज कोतवाली में शिकायती पत्र देकर फिल्म निमार्ताओं से लेकर सभी के खिलाफ एफआईआर की मांग की है। हिन्दू महासभा के शिशिर चतुर्वेदी ने रविवार को हजतरगंज कोतवाली में एक शिकायती पत्र पुलिस को दिया है। इसमें उन्होंने कहा है कि फिल्म आदिपुरुष जिलों के कई सिनेमाघरों में लगी है। इस फिल्म सनातन धर्म का, प्रभु श्रीराम, मां सीता, हनुमान और भगवा ध्वज का अपमान किया गया है। फिल्म का चित्रण और कलाकारों के वेशभूषा, डॉयलाग, शब्दो का चयन, असल रामायण का गलत प्रस्तुतीकरण किया है। इस फिल्म को सनातनियों को अपमानित करने के उद्देश्य से बनायी गई हो। फिल्म इंड्रस्टी लगातार सनातन को अपमानित करती हुई चली आ रही है। उन्होंने कहा है कि किसी अन्य धर्म पर फिल्म बनाने की हिम्मत इन डॉयरेक्टरों में नहीं है। उनकी मांग है कि ऐसे प्रकरणों में सख्ती बरतते हुए आदिपुरुष फिल्म की पूरी स्टार कास्ट सहित डॉयरेक्टर, प्रोड्यूसर सभी पर मुकदमा दर्ज किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी की फटकार के बाद बिजली व्यवस्था सुधारने में जुटे अधिकारी

-हो रही अघोषित बिजली कटौती से इस गर्मी में परेशान हैं लोग

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश में बढ़ती गर्मी के साथ ही बढ़ रही बिजली मांग ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फटकार के बाद बिजली विभाग के अधिकारी व्यवस्था को सुधारने में जुट गए हैं। ऊर्जा मंत्री ऐके शर्मा खुद विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुधारने में लगे हुए हैं। बावजूद इसके बिजली की सप्लाई ठीक से नहीं हो रही है। स्थिति यह है कि कब, कहां कितने देर तक के लिए बिजली गुल हो जाएगी, इसका अंदाजा किसी को नहीं है। इससे लोग परेशान हो उठे हैं। पिछले साल जून माह में बिजली की मांग उस समय तक तक की सबसे उच्चतम पहुंच चुकी थी। तब यह मांग सर्वाधिक 26369 मेगावाट थी। वहीं इस वर्ष यही मांग 27611 मेगावाट तक पहुंच गयी है। गनीमत यह है कि इस वर्ष सरकार ने पहले से बिजली की बैंकिंग व्यवस्था कर रखी है। इस कारण बिजली की अब तक कमी नहीं पड़ी और न ही महंगी बिजली खरीदनी पड़ी। सब स्टेशनों की क्षमता बिजली मांग की अपेक्षा कम होने के कारण स्थानीय स्तर पर फाल्ट ज्यादा आ रहे हैं। इससे परेशानी बढ़ गयी है। इस संबंध में राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि समय रहते मरम्मत के साथ ही सब स्टेशनों की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान नहीं दिया गया। इस कारण यह समस्या आयी। सब स्टेशनों, ट्रांसफार्मरों के मरम्मत का काम जनवरी माह में ही शुरू हो जाना चाहिए, तब हम इसे नियंत्रित कर सकते हैं। जब पावर सप्लाई का काम अत्यधिक कठिन बन गया तब शनिवार को स्थानीय स्तर पर एक करोड़ रुपये तक खर्च करने का अधिकार दिया गया। यह अधिकार तो बहुत पहले दिया जाना चाहिए था। इससे छोटे-छोटे कामों को तत्काल प्रभाव से निपटाने में सहूलियत होती है। वहीं पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एम. देवराज का कहना है कि सभी अधिकारी और कर्मचारी अपना संपूर्ण देकर इतनी ज्यादा बिजली मांग के बावजूद व्यवस्था को सुचारू बनाये हुए हैं। हम आगे भी व्यवस्था को सुचारू बनाने में सक्षम हैं। जो भी छोटी-छोटी समस्याएं हैं उन्हें युद्ध स्तर से काम करके ठीक किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का दूसरा ट्रायल रन, 40 मिनट लेट से पहुंची कोडरमा

कोडरमा, (हि.स.)। पटना से रांची के लिए चलने वाली सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रायल रन के दूसरे चरण के दौरान रविवार सुबह कोडरमा रेलवे स्टेशन पहुंची। हालांकि अपने दूसरे चरण के ट्रायल के दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस 60 किलोमीटर की रफ्तार से गया होते हुए कोडरमा 40 मिनट लेट से पहुंची। कोडरमा स्टेशन पर ट्रेन की एक झलक देखने को लोग उत्साहित दिखे और जैसे ही वंदे भारत एक्सप्रेस कोडरमा पहुंची, लोग ट्रेन के साथ सेल्फी लेने के लिए आपाधापी करने लगे। वंदे भारत एक्सप्रेस पिछली दफा अपने ट्रायल रन के दौरान रांची से रिटर्निंग में पिपराडीह स्टेशन के नजदीक दुर्घटना ग्रस्त होने से बाल-बाल बची थी। बताया जाता है कि जब वंदे भारत एक्सप्रेस रांची से पटना लौट रही थी, उसी दौरान हजारीबाग से लौटने के दौरान पिपराडीह स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर जानवर आ गया था और ट्रेन के ड्राइवर ने एमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया था। हालांकि इस बार वंदे भारत एक्सप्रेस के परिचालन को लेकर पूरी सावधानी बरती जा रही है, ताकि जब ये ट्रेन 26 जून से नियमित तौर पर चले तो इसके परिचालन में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। पटना से वंदे भारत एक्सप्रेस को कोडरमा स्टेशन पर लाने वाले ड्राइवर और गार्ड को चेंज किया गया और कोडरमा स्टेशन पर दूसरे ड्राइवर और गार्ड कोडरमा से रांची लेकर रवाना हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 जून को पटना से रांची और रांची से पटना चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके बाद इस ट्रेन का नियमित परिचालन शुरू हो जाएगा। इसे पहले बीते 12 जून को इस ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी इसी दिन चार अन्य वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। संभावना जताई जा रही है कि पीएम मोदी दिल्ली से ऑनलाइन इन ट्रेनों को रवाना करेंगे। जिन चार अन्य वंदे भारत ट्रेन को उस दिन रवाना किया जायेगा उसमें भोपाल - इंदौर, भोपाल - जबलपुर, गोवा - मुंबई और बेंगलुरु - हुबली शामिल हैं।

लोहरदगा में जेल अदालत का हुआ आयोजन, एक बंदी रिहा

लोहरदगा, (हि.स.)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार राजेंद्र बहादुर पाल के निर्देशन में रविवार को मंडल कारा, लोहरदगा में जेल अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजेश कुमार ने कारा में बंद महिला एवं पुरुष बंदियों के बीच जाकर उनके समस्याओं को जाना तथा वैसे बंदी जिनका वकील नहीं है उनकी जानकारी लेते हुए उन्हें एलएडीसीएस पैनल से वकील दिलवाया गया। जेल अदालत में प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी सुचिता निधि तिग्गा के न्यायालय से संबंधित एक आपराधिक वाद जो वन अधिनियम से संबंधित था, में अभियुक्त बिफना नागेशिया को ₹500 जुमार्ने की अदा करने के पश्चात जेल से रिहा किया गया। जेल अदालत में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सुचिता निधि तिग्गा एलएडीसीएस के उप प्रमुख नारायण साहू, उमेश कुमार, एलएडीसीएस के सहायक इंद्राणी कुजूर, सुदामा कुमार एवं भूपेंद्र कुमार के साथ-साथ जेलर सुबोध कुमार भी उपस्थित थे।

तोरपा-जरियागढ़ रोड के निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन करेंगे ग्रामीण

खूंटी, (हि.स.)। जानलेवा बन चुकी तोरपा-जरियागढ़ रोड की मरम्मत की मांग को लेकर ग्रामीण उग्र आंदोलन करें। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात का मौसम शरू होनेवाली है और इस सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो इस रोड पर आवागमन ठप होना तय है। ऐसी स्थिति में न तो बच्चे स्कूल जा पायेंगे और न ही लोग अस्पताल पहुंच पायेंगे। सड़क निर्माण की मांग को रविवार को तोरपा प्रखंड के टाटी गांव में हुई बैठक में सड़क की मरम्मत या नयी सड़क के निर्माण की मां को लेकर आंदोलन शुरू करने की निर्णय लिया गया। ग्राम प्रधान श्याम मुंडा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पंचायत समिति सदस्य जयमंल गु-ड़िया बतौर मुख्य अतिथि और धनेश्वर ओहदार विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। जयमंगल गुड़िया ने कहा कि राज्य सरकार और जन प्रतिनिधियों की लापरवाही के कारण वर्षों से इस सड़क की मरम्मत नहीं कारई गई है। उन्होंने कहा कि सड़क जानलेवा बन गई है। सड़क पर दो-तीन फीट के गड्ढे बन गए है। पूरो रोड गड्ढों से भरा है। पता ही नहीं चलता की सड़क पर गड्ढे हैं या गड्ढों में ही सड़क बना दी गई थी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर वर्तमान और पूर्व विधायक, सांसद से लेकर विभाग के अधिकरियों और जिला प्रशासन तक से गुहार ग्रामीणों ने लगाई, लेकिन किसी ने सुधि नहीं ली। जयमंगल गुड़िया ने कहा कि इस सड़क पर हर दिन दर्जनों बालू लदे हाईवा गुजरते हैं। इसके कारण सड़क पूरी तरह खत्म हो चुकी है। धनेश्वर ओहदार ने कहा कि जब तक ग्रामीण बालू की तस्करी के खिलाफ संगठित नहीं होते, तब तक न बालू की तस्करी रुकेगी और न ही सड़कों का टूटना बंद होगा। ग्राम प्रधान श्याम मुडा ने कहा कि जब तक ग्रामीण संगठित होकर आंदोलन नहीं करेंगे, तब तक न तो रोड बनेगा और न ही बालू की तस्करी 3केगी। इसलिए हमें एकजुट होकर आंदोलन करना होगा।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की झंझारपुर आगमन को लेकर स्थल का मुआयना

मधुबनी, (हि.स.)। जिला के झंझारपुर में रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने विमर्श किया। उन्होंने आगामी 24 जून को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आगमन से संबंधित कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि झंझारपुर के क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूर्व मंत्री नीतीश मिश्र ने यहां राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन कार्यक्रम सभा स्थल का इन्तजाम कर रहे हैं।भाजपाई कार्यकताओं व जन प्रतिनिधियों संग विधायक नीतीश मिश्रा झंझारपुर में र-विवार को सभा स्थल निरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि आमजनों की अपार समर्थन व भावपरक व्यवहार स्वतःस्फूति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अप्रतिम जुड़ाव बना है। झंझारपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों के भाग लेने की अपील प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने की। कपूर्री स्टेडियम हैलीपैड व एलएनजे कालेज परिसर स्थित सभा स्थल की मुआयना के बाद सामान्य विमर्श हुई। अवसर पर सांसद डा अशोक यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। क्षेत्रीय विधायक नीतीश मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्धारित कार्यक्रम का प्रचार- प्रसार तेजी से हो रहा है। पूर्व मंत्री नीतीश मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की नौ सालों की बेमिसाल उपलब्धियां आमजनों के जुबान पर है।

पूर्वी चंपारण जन अधिकार पार्टी ने किया सांगठनिक विस्तार

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिला जन अधिकार पार्टी (लो.) के जिला अध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने रविवार संगठन का विस्तार करते हुए,नवीन कुमार को जिला उपाध्यक्ष तथा संजय कुमार उर्फ गुड्डु को जिला महासचिव व संजीव कुमार तथा रोहित कुमार को जिला सचिव के पद पर मनोनीत किया है। इसकी जानकारी जिला अध्यक्ष पवन सिंह ने बताया कि जिले में संगठन को मजबूत बनाने के लिए यह नियुक्ति किया गया है,वही नवनयुक्त सभी पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे हरसंभव पूरा करेंगे तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष पप्पू यादव और जाप के विचारों को जन -जन तक पहुंचाने का कार्य करेगे तथा पार्टी को जिले में मजबूती प्रदान करूंगा। इनके मनोनयन पर पार्टी के प्रदेश महासचिव मोख्तार प्रसाद गुप्ता, प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता अभिजीत सिंह, प्रदेश सचिव सह पिपरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अंकुश कुमार सिंह, प्रदेश सचिव धीरज सिंह ,जन अधिकार छात्र परिषद के तिरहुत प्रमंडल अध्यक्ष आकाश कुमार सिंह, युवा जिलाध्यक्ष नुरैंन आलम, छात्र नेता पुन्नू सिंह,लक्ष्य सिंह, मेहसी प्रखंड अध्यक्ष गयासुद्दीन अंसारी,मेहसी युवा नगर अध्यक्ष अशरफुर रहमान, कैफी आदि ने बधाई दी हैं।

हम सब महिलाएं मिलकर फिर से नरेन्द्र मोदी को बनाएंगे प्रधानमंत्री : लाजवंती झा

बेगूसराय, (हि.स.)। भाजपा महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष लाजवंती झा ने कहा है कि बिहार में सुशासन की सरकार में ना बहन सुरक्षित है, ना मां और ना ही कोई भाई। जो सरकार हमारी बहनों को सुरक्षा प्रदान नहीं कर सके। वैसी सरकार को हम बहनें क्यों वोट देंगे। बखरी विधानसभा क्षेत्र के राटन में संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को संबोधित करते उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में हम लोग फिर पूरी ताकत भाजपा को वोट देंगे, मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाएंगे। 2025 में बिहार में भी भाजपा का कमल खिलाकर पूर्ण बहुमत की स-रकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में जीविका दीदियों का पैसा बिहार सरकार नहीं दे रही है। जबकि, इनका पैसा नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार नियत समय पर भेजती है। मोदी ने घर-घर शौचालय बनवा कर महिलाओं को सम्मान दिया। आवास योजना दिया, मुफ्त में राशन दे रहे हैं। इसलिए फिर से एक बार हम सब तन-मन से एकजुट होकर नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाएंगे। उन्होंने अपील किया कि 50 की संख्या में महिलाओं की टोली बनाकर हर गांव में घर-घर जाएं और नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए विकास के कार्यों की चर्चा करें। अध्यक्षता करते हुए महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरोजनी भारती ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने देश की बागडोर संभालते के बाद पिछले नौ वर्षों में भारत के विकास के क्षेत्र में इतिहास रचने का काम किया है। हमारा देश काफी मजबूत हुआ है। इसलिए फिर से सभी बहनें मिलकर मोदी को ही प्रधानमंत्री बनाएंगे। कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, जिला परिषद अध्यक्ष सुरेन्द्र पासवन सहित अन्य कार्यकताओं ने भी संबोधित किया।

संपादकीय

तूफान से मुकाबला

आखिर चक्रवाती तूफान बिपरजॉय आकर गुजर गया। साइंस और टेक्नॉलजी के क्षेत्र में प्रगति और मानवीय संकल्प दोनों का कमाल कहिए कि इससे जान-माल के नुकसान को करीब-करीब टाल दिया गया। हालांकि इसके बावजूद दो लोगों की मौत होने और करीब 22 लोगों के घायल होने की सूचना है। इसके अलावा जगह-जगह पेड़ गिरने, बिजली के खंभे गिरने और उसकी वजह से आए व्यवधान की खबरें धीरे-धीरे आ रही हैं। तूफान कमजोर पड़ते हुए डिप्रेशन में बदल गया, लेकिन इसकी वजह से गुजरात और राजस्थान में भारी बारिश जरूर हुई। वायु और रेल सेवा में जो बाधा पड़ी तूफान के चलते, उसने भी बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित किया। गुजरात के तटीय क्षेत्रों में 10 से 14 मीटर तक ऊंची लहरें उठीं, उसके अपने नुकसान उन क्षेत्रों में हुए होंगे। उन सबका ब्योरा जुटाया जा रहा है और कुछ दिनों में ऐसे तमाम नुकसानों का ठीक-ठीक अंदाजा लगाया जा सकेगा। लेकिन जिस तरह का यह तूफान था, उसे देखते हुए इन नुकसानों को साइड इफेक्ट की ही श्रेणी में रखा जा सकता है। अरब सागर में बनते और तट की ओर बढ़ते इस तूफान पर शुरू से ही नजर रखी जा रही थी। इसकी लाइफ कुल 10 दिन 12 घंटे की बताई गई। इस कारण इसे हाल के दिनों में आया सबसे लंबा तूफान भी कहा गया। इससे पहले 2019 में आए तूफान क्यार की लाइफ 9 दिन 15 घंटे की थी। बहरहाल, बिपरजॉय की शक्ति और गति के सटीक आकलन के चलते सरकारों को पूर्व तैयारी का मौका मिल गया और युद्धस्तर पर प्रयास करके तटीय क्षेत्रों और निचले इलाकों से करीब 94,000 लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इसके अलावा डिजैस्टर मैनेजमेंट टीमें भी जगह-जगह मुस्तैदी से तैनात रहीं। हालांकि तूफानों के मामले में पूर्व सूचना की बदौलत जान-माल के नुकसान को कम करने के प्रयास पहले भी होते रहे हैं और उनमें कामयाबी भी मिली है। इसके बावजूद बिपरजॉय से बचाव के जो उपाय किए गए, वे तारीफ के काबिल हैं। इतना ही नहीं, इससे मिले सबक आगे भी ऐसी आपदाओं से निपटने में काम आएंगे। सरकार के प्रयासों को इस लिहाज से सफल भी कहा जा सकता है कि जो दो मौतें हुईं वे भी तूफान के लैंडफॉल से पहले की हैं। तूफान के गुजरात तट से टकराने के बाद से इसकी वजह से कोई मौत नहीं हुई। यह भी याद रखना चाहिए कि हाल के वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण मौसमी आपदाएं बढ़ी हैं। जलवायु परिवर्तन के बुरे असर को कम करने के लिए भारत सहित दुनिया के ज्यादातर देशों ने संकल्प लिया है, लेकिन इस दिशा में काम ऐसी रफ्तार से नहीं बढ़ा है, जिससे खुश हुआ जा सके। जरूरत है, विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम करने की। इसके लिए पर्यावरण को लेकर कहीं अधिक सचेत होना होगा और उस दिशा में कोशिशें भी करनी होंगी।

> गुजरात के तटीय क्षेत्रों में 10 से 14 मीटर तक ऊंची लहरें उठीं, उसके अपने नुकसान उन क्षेत्रों में हुए होंगे। उन सबका ब्योरा जुटाया जा रहा है और कुछ दिनों में ऐसे तमाम नुकसानों का ठीक-ठीक अंदाजा लगाया जा सकेगा। लेकिन जिस तरह का यह तूफान था, उसे देखते हुए इन नुकसानों को साइड इफेक्ट की ही श्रेणी में रखा जा सकता है। अरब सागर में बनते और तट की ओर बढ़ते इस तूफान पर शुरू से ही नजर रखी जा रही थी। इसकी लाइफ कुल 10 दिन 12 घंटे की बताई गई। इस कारण इसे हाल के दिनों में आया सबसे लंबा तूफान भी कहा गया। इससे पहले 2019 में आए तूफान क्यार की लाइफ 9 दिन 15 घंटे की थी। बहरहाल, बिपरजॉय की शक्ति और गति के सटीक आकलन के चलते सरकारों को पूर्व तैयारी का मौका मिल गया और युद्धस्तर पर प्रयास करके तटीय क्षेत्रों और निचले इलाकों से करीब 94,000 लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

पहली बार देखने को मिल रहा है की चुनाव के इतने लम्बे समय पूर्व ही चुनाव जैसी तैयारियां होती हुई दिख रही

लोकसभा चुनावों की आहट, चुनावी रथ में सवार दलों की सत्ताकांक्षा

ललित गर्ग

> 2024 लोकसभा एवं इसी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है, वह पहली बार देखने को मिल रहा है की चुनाव के इतने लम्बे समय पूर्व ही चुनाव जैसी तैयारियां होती हुई दिख रही है। टुकड़े-टुकड़े बिखरे कुछ दल फेवीकॉल लगाकर एक हो रहे हैं। विरोधी विचारधारा के दलों के साथ ग्रुप फोटो खिंचा रहे हैं। सत्ता तक पहुँचने के लिए कुछ दल परिवर्तन को आकर्षण व आवश्यकता बता रहे हैं। कुछ प्रमुख दलों के नेता स्वयं को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर देख रहे हैं। मतदाता जहां ज्यादा जागरूक हुआ है, वहां राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चालाक हुए हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरें बिछाने शुरु कर दिये हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ प्रतीत करेगा।

आजादी के अमृतकाल के पहले लोकसभा चुनाव की आहट अब साफ-साफ सुनाई दे रही है। भारत के सभी राजनीतिक दल अब पूरी तरह चुनावी मुद्रा में आ गये हैं और प्रत्येक प्रमुख राजनैतिक दल इसी के अनुरूप बिछ रही चुनावी बिसात में अपनी गोटियां सजाने में लगे दिखाई पड़ने लगे हैं। 2024 लोकसभा एवं इसी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है, वह पहली बार देखने को मिल रहा है की चुनाव के इतने लम्बे समय पूर्व ही चुनाव जैसी तैयारियां होती हुई दिख रही है। टुकड़े-टुकड़े बिखरे कुछ दल फेवीकॉल लगाकर एक हो रहे हैं। विरोधी विचारधारा के दलों के साथ ग्रुप फोटो खिंचा रहे हैं। सत्ता तक पहुँचने के लिए कुछ दल परिवर्तन को आकर्षण व आवश्यकता बता रहे हैं। कुछ प्रमुख दलों के नेता स्वयं को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर देख रहे हैं। मतदाता जहां ज्यादा जागरूक हुआ है, वहां राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चालाक हुए हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरें बिछाने शुरु कर दिये हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ प्रतीत करेगा। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा देश की डेढ़ अरब जनता को आजादी के अमृतकाल में। सभी नंगे खड़े हैं, मतदाता किसको कपड़े पहनाएगा, यह एक दिन के राजा पर निर्भर करता है। सभी इस एक दिन के राजा को लुभाने में जुटे हैं। कोई मुफ्तखोरी की राजनीति का सहारा लेकर चुनाव जीतने की कोशिश करने में जुटा है तो कोई गठबंधन को आधार बनाकर चुनाव जीतने के सपने देख रहा है। विपक्षी दल येन-केन-प्रकारेण भाजपा को सत्ता से बाहर करने में जुटे हैं, इसके लिये विपक्षी दलों में एकजुटता के प्रयास हो रहे हैं। भाजपा एवं उसके सहयोगी दल भी अपनी स्थिति को मजबूती देते हुए पुनः सत्ता में आने के तमाम प्रयास कर रहे हैं। इसके लिये एनडीए ने भी नए साथियों की तलाश तेज कर दी है। केंद्रीय गृहमंत्री और पूर्व बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह की हाल में हुई तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की यात्रा से इसके पक्के संकेत मिले। भाजपा लंबे समय से दक्षिण भारत में अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भी उसने इस सिलसिले में तैयारियां शुरू कर दी हैं। उत्तर भारत में वह पिछले लोकसभा चुनाव में जितना चमत्कारी प्रदर्शन किया गया कि इस बार उसे दोहराना उसके लिये जटिल प्रतीत हो रहा है।

इसलिए अगर उसे फिर से बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता में आना है तो दक्षिण में सीटें बढ़ानी होंगी। इससे उत्तर भारत में सीटों की संख्या में संभावित कमी की भरपाई हो जाएगी। भाजपा इस योजना पर पूर्ण आत्मविश्वास एवं प्रखरता के साथ बढ़ भी रही थी, लेकिन कर्नाटक विधानसभा चुनावों से उसे झटका लगा। इसके बाद से कहा जा रहा है कि भाजपा पहले जितनी ताकतवर नहीं रही। लेकिन भाजपा की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह अपनी हार के कारणों को बड़ी गहराई से लेते हुए उन कारणों को समझने एवं हार को जीत में बदलने के गणित को बिठाने में माहिर है। विपक्षी दल येन-केन-प्रकारेण भाजपा को सत्ता से बाहर करने में जुटे हैं, इसके लिये विपक्षी दलों में एकजुटता के प्रयास हो रहे हैं। भाजपा एवं उसके सहयोगी दल भी अपनी स्थिति को मजबूती देते हुए पुनः सत्ता में आने के तमाम प्रयास कर रहे हैं। इसके लिये एनडीए ने भी नए साथियों की तलाश तेज कर दी है। केंद्रीय गृहमंत्री और पूर्व बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह की हाल में हुई तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की यात्रा से इसके पक्के संकेत मिले। भाजपा लंबे समय से दक्षिण भारत में अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भी उसने इस सिलसिले में तैयारियां शुरू कर दी हैं। उत्तर भारत में वह पिछले लोकसभा चुनाव में जितना चमत्कारी प्रदर्शन किया गया कि इस बार उसे दोहराना उसके लिये जटिल प्रतीत हो रहा है। इसलिए अगर उसे फिर से बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता में आना है तो दक्षिण में सीटें बढ़ानी होंगी। इससे उत्तर भारत में सीटों की संख्या में संभावित कमी की भरपाई हो जाएगी। भाजपा इस योजना पर पूर्ण आत्मविश्वास एवं प्रखरता के साथ बढ़ भी रही थी, लेकिन कर्नाटक विधानसभा चुनावों से उसे झटका लगा। इसके बाद से कहा जा रहा है कि भाजपा पहले जितनी ताकतवर नहीं रही।

लेकिन भाजपा की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह अपनी हार के कारणों को बड़ी गहराई से लेते हुए उन कारणों को समझने एवं हार को जीत में बदलने के गणित को बिठाने में माहिर है। आम चुनाव की सरगर्मियां उग्रता पर है, इस बार का चुनाव काफी दिलचस्प एवं चुनौतीपूर्ण होने वाला है। कांग्रेस ने कर्नाटक की जीत को आम चुनाव की जीत से जोड़ने की जल्दबाजी दिखाना शुरु कर दिया है। जिस तरह हिमाचल एवं कर्नाटक में उसने मुफ्तखोरी की राजनीति का सहारा लिया, उसे वह इसी वर्ष होने वाले विभिन्न राज्यों के विधानसभा एवं वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में दोहराने को तत्पर है। इसका ताजा प्रमाण है जबलपुर में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की यह घोषणा कि यदि राज्य में उनकी सरकार बनी तो सौ यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी, रसोई गैस सिलेंडर पांच सौ रुपये में दिया जाएगा और महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा उन्होंने किसानों का कर्ज माफ करने और पुरानी पेंशन योजना लागू करने का भी वादा किया। उन्होंने इसे पांच गारंटी की संज्ञा दी। कुछ इसी तरह की गारंटियां कर्नाटक एवं हिमाचल में दी गयी थी, उन्हें पूरा करने के लिए दोनों ही प्रांतों की चुनी सरकारों को एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है, क्योंकि राज्य की वित्तीय स्थिति उन्हें पूरा करने की अनुमति नहीं देती। जैसी गारंटियां, लोकलुभावन वादे एवं मुक्त की रेवड़ियां कांग्रेस देने की बात कर रही है, वैसी ही अन्य दल भी कर रहे हैं, जिनमें आम आदमी पार्टी का सर्वे-सर्वा है। क्योंकि अभी हाल में दिल्ली नगर निगम चुनाव में उसने दस गारंटियां दी थीं। ये गारंटियां और कुछ नहीं लोकलुभावन वादे ही होते हैं, जिन्हें जनकल्याण का नाम दिया जा रहा है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव से छह महीने पहले ही लोक कल्याणकारी योजनाओं की झड़ी लगा रखी है जिससे राज्य का चुनावी माहौल और गर्मा रहा है। किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जा रहे हैं।

कुछ अलग

इतिहास से कैसे सीख सकता है विपक्ष

विपक्षी एकता की पहले भी कई कोशिशें हो चुकी हैं। 80 के दशक की एक घटना ऐसी जुगत में लगे नेताओं के लिए आईना भी है और सबक भी। 1980 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के बाद सबसे बड़े दल के नेता के रूप में चौधरी चरण सिंह उभरे। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में उन्हें मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी मिला हुआ था। देश के लगभग सभी राज्यों में उनकी मौजूदगी थी, लेकिन पार्टी के आंतरिक विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे थे। इसी बीच जुलाई 1982 में राजधानी से प्रकाशित एक प्रमुख अंग्रेजी अखबार की एक खबर ने सनसनी फैला दी। खबर यह थी कि हरियाणा के नेता चौधरी देवीलाल की इंदिरा गांधी से लंबी मुलाकात हुई है और भविष्य में भी साथ काम करने की संभावना बन रही है। चरण सिंह को जब इस खबर का पता चला तो उन्होंने तुरंत देवीलाल को दल से निकाल दिया। आम तौर पर नोटिस देकर जवाब मांगने की प्रक्रिया भी इस मामले में किनारे कर दी गई। हालांकि कुछ घंटों के अंदर ही देवीलाल का स्पष्टीकरण भी प्रेस को जारी किया गया कि वह चरण सिंह को अपना नेता मानते हुए इंदिरा गांधी सरकार के विरुद्ध चल रहे अभियानों में कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलते रहेंगे। लेकिन कड़वाहट इस कदर थी कि कोई बीच-बचाव का रास्ता नहीं था। पार्टी में बवंडर का आलम यह था कि बीजू पटनायक, कर्पूरी ठाकुर, कुंभाराम आर्य, मधु लिमये, जॉर्ज फर्नांडिस, रवि राय, राम विलास पासवान, शरद यादव आदि सभी नेताओं ने देवीलाल के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी और दल के विभाजन का खाका तैयार हो गया। 9 अगस्त 1982 को विश्व युवक केंद्र में एक सम्मेलन आयोजित कर नए दल का नामकरण – लोकदल (क) कर दिया गया, अध्यक्ष कर्पूरी ठाकुर चुने गए। राज्य स्तर पर दल के कार्यक्रम आयोजित होते रहे, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह दल कोई छाप छोड़ने में असफल रहा। इस बीच जनता पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर का प्रोग्राम तय हो चुका था कि वह कन्याकुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा कर जनता के ज्वलंत मुद्दों पर जन-जागरण कर पार्टी में नई जान फूंकने का प्रयास करेंगे। उनकी पदयात्रा 3 जनवरी 1983 से कन्याकुमारी से शुरू हुई, जहां जनता पार्टी के विधायक आर के राघवन ने बड़ी भूमिका निभाई। यहां बताना जरूरी है कि जनता पार्टी के विभाजन के बाद दक्षिण भारत के अधिकांश नेता मूल दल के साथ ही बने रहे और पदयात्रा में इसका एहसास भी हुआ। पदयात्रा शुरू होने के तुरंत बाद कर्नाटक चुनाव के नतीजे आने लगे। वहां जनता पार्टी पूर्ण बहुमत पाने में कामयाब रही। तब कर्नाटक जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में एचडी देवेगौड़ा, एसआर बोम्मई, जेएच पटेल और रामकृष्ण हेगड़े थे। इन सबको क्रमशः कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनने का भी मौका मिला। चंद्रशेखर का विश्वासपात्र होने के कारण हेगड़े मुख्यमंत्री चुने गए। सुधींद्र भदौरिया पद यात्रा के मुख्य संचालकों में थे। लोकदल (क) राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में असफल रहा, इसलिए 27 जनवरी को आनन-फानन इसका जनता पार्टी में विलय कर दिया गया। फरवरी में पदयात्रा बेंगलुरु पहुंची और वहां जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। लोकदल (क) के नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल भी आमंत्रित था, जिसमें कर्पूरी ठाकुर, देवीलाल, बीजू पटनायक, जॉर्ज फर्नांडिस, रवि राय, कुंभाराम आर्य के साथ युवा पदाधिकारी के नाते मैं भी शामिल रहा। समूचे बेंगलुरु में चंद्रशेखर और हेगड़े के कटआउट छाए हुए थे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से पहले सभी नेताओं का परिचय हुआ, लेकिन हरियाणा और बिहार जनता पार्टी के मूल नेताओं की धमाकेदार उपस्थिति ने देवीलाल और कर्पूरी ठाकुर के माथे की सिलवटें बढ़ा दीं। जनता पार्टी के कार्यकाल में हरियाणा में देवीलाल के मुखर विरोधी सुषमा स्वराज, का. शंकरलाल, बलदेव तायल पहली पंक्ति में बैठे थे। उन्हें देखकर चौधरी देवीलाल के चेहरे पर लकीरें भविष्य के संकेतों को साफ उजागर कर रही थीं। मोरारजी भाई और चंद्रशेखर समर्थक नेता रोज उनके विरुद्ध बयानबाजी करते थे। लिहाजा जल्दबाजी में लिए गए निर्णय के परिणाम भविष्य की अनहोनी के स्पष्ट संकेत दे रहे थे। बिहार की स्थिति और भी कड़वी थी। सत्येंद्र बाबू, कर्पूरी ठाकुर को मुख्यमंत्री पद पर कड़ी चुनौती दे चुके थे। 1978 में जब बिहार में मुंगेरीलाल कमिशन की सिफारिशें लागू की गईं, तो जनता पार्टी में आरक्षण विरोधियों का एक बड़ा गुट सक्रिय हो चुका था।

बिपरजॉय चक्रवात में जनहानि से बचाना आपदा प्रबंधन की बड़ी सफलता

> साइक्लोन बिपरजॉय को गुजरात के लैंड फॉल के दौरान बिफरने से इस तरह बचा लिया कि देश दुनिया में आये इस तरह के किसी भी तूफान में संभवतः यह पहला प्रबंधन होगा जिसमें लगभग नहीं के बराबर जनहानि हुई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस तरह के तूफान से हानि तो होनी ही है पर जनहानि को न्यूनतम रखा जाना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी सफलता मानी जा सकती है। यह साफ हो जाना चाहिए कि कुदरती आफत को रोका तो नहीं जा सकता पर पूर्व व योजनावद्ध तैयारी से हानि को कम से कम स्तर पर लाया जा सकता है। बिजली की खंभे गिर जाना, टीन टप्पर उड़ जाना, पेड़ गिर जाना आदि नुकसान तो होना ही है पर नुकसान को कम से कम स्तर पर लाना और तात्कालिक राहत की सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करना बड़ी सफलता माना जाना चाहिए। हांलाकि अब गुजरात और राजस्थान में तेज बरसात का दौर चल गया है।

केन्द्र व राज्यों की सरकारों, देश की आपदा प्रबंधन टीम, मौसम विज्ञानियों, तटरक्षक बल टीम व इस अभियान से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रुप से जुडे सभी के समग्र प्रयासों से अरब सागर पर आये सुपर साइक्लोन बिपरजॉय को गुजरात के लैंड फॉल के दौरान बिफरने से इस तरह बचा लिया कि देश दुनिया में आये इस तरह के किसी भी तूफान में संभवतः यह पहला प्रबंधन होगा जिसमें लगभग नहीं के बराबर जनहानि हुई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस तरह के तूफान से हानि तो होनी ही है पर जनहानि को न्यूनतम रखा जाना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी सफलता मानी जा सकती है। यह साफ हो जाना चाहिए कि कुदरती आफत को रोका तो नहीं जा सकता पर पूर्व व योजनावद्ध तैयारी से हानि को कम से कम स्तर पर लाया जा सकता है। बिजली की खंभे गिर जाना, टीन टप्पर उड़ जाना, पेड़ गिर जाना आदि नुकसान तो होना ही है पर नुकसान को कम से कम स्तर पर लाना और तात्कालिक राहत की सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करना बड़ी सफलता माना जाना चाहिए। हांलाकि अब गुजरात और राजस्थान में तेज बरसात का दौर चल गया है। प्राप्त समाचारों के अनुसार लैंड फॉल के बाद केवल दो की मौत के समाचार है। हांलाकि जनहानि एक भी होती है तो उसे स्वीकार्य नहीं माना जा सकता पर जिस तरह से इस चक्रवात के सजीव प्रसारणों के दौरान कुछ लोगों को लाख समझाइश के बाद भी लापरवाही से घूमते हुए देखा गया वह किसी दण्डनीय अपराध से कम नहीं माना जाना चाहिए। जिस तरह से बिपरजॉय को लेकर समूचा देश चिंता ग्रस्त रहा उसे देखते हुए और तूफान की भयावहता के बावजूद जिस तरह से मौसम विज्ञानियों की मिनट टू मिनट आकलन सटीक रहा वह मौसम विभाग की भविष्यवाणियों को लेकर अभी तक चली आ रही सभी नकारात्मकता को धो कर रख दिया है। मौसम विभाग ने समय और गति का जिस तरह से आकलन किया वह लगभग खरा उतरा है और हमारे मौसम विज्ञानियों के आकलन ने विश्वस्तर पर लोहा मनवा दिया है। 14 जून को आया बिपरजॉय तूफान अब समुद्री रास्ता तय करने के बाद गुजरात और राजस्थान की जमीं पर तेज हवा और बरसात के माध्यम से दो तीन दिन तक अपना असर दिखायेगा। केन्द्र के साथ ही गुजरात और राजस्थान सरकार हालात से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है और यह मानके चलना चाहिये कि इससे जनहानि तो नहीं ही होगी। दरअसल एक समय था जब अरब सागर इस तरह के समुद्री तूफानों का केन्द्र लगभग नहीं के बराबर ही रहता था। पर अब अरब सागर में तूफानी गतिविधियां अधिक होने लगी है। मौसम विज्ञानियों की माने तो अरब सागर क्षेत्र में बढ़ते तापमान से चक्रवातों की तीव्रता और बारबारिता में बढ़ोतरी हुई है। 7516 किमी लंबें तटीय क्षेत्र 8 प्रतिषत उष्ण कटीबंधीय चक्रवात भारत में आ रहे हैं। अरब सागर में आने वाले चक्रवातों से 9 प्रदेशों के 82 करोड़ लोग प्रभावित होने के साथ ही अरबसागरीय तूफान का असर पाकिस्तान और यमन ओमान तक देखा जा सकता है। अरब सागर के यह चक्रवाती तूफान भी देखा जाए तो मई जून यानी की मानसून के आसपास ही देखे गये है। बिपरजॉय को लेकर इसलिए अधिक चिंता और गंभीरता रही कि गुजरात में 1996 और 1998 में आये चक्रवाती तूफानों खासतौर से 1998 के टाइफून के दौरान जिस तरह से पोर्ट के इर्दगिर्द हजारों की संख्या में लोगों की मौत और गुम होने का दंश आज भी गुजरात के लोग सह रहे हैं। ऐसे में बिपरजॉय की भयावहता को देखते चिंतित होना स्वाभाविक भी था। हांलाकि जिस तरह से प्रबंधन दक्षता व परस्पर समन्वय का परिचय दिया गया है उसकी जितनी सराहना की जाएं वह कम है। देष में 2013 के फैलिना तूफान से लेकर, हुदहुद, वरदा, फैनी, अम्फान, ताउते व बिफरजॉय तूफान तक 11 बड़े चक्रवती तूफान आ चुके हैं। दरअसल बिफरजॉय तूफान सुपर साइक्लोन होने के कारण इससे भारी जन-धन हानि होने की संभावना व्यक्त की जा रही थी।

यही कारण है कि करीब एक लाख लोगों को गुजरात के तटीय इलाकों खासतौर से मांडवी व आसपास के क्षेत्र से सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। लोगों को सावचेत किया गया। पल पल की जानकारी साझा की जाती रही। लगभग सौ ट्रेनों के फेरे रद्द किए गए या उनकी राह बदली गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्र सरकार के मंत्रीगण, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ना केवल स्थिति पर नजर रखते रहे हैं अपितु उच्चस्तरीय बैठक कर तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि बिपरजॉय तूफान ने बड़ी तबाही मचाई है और बिजली-मोबाइल पोल्स के साथ ही पेड़ों को धराशाही कर और इसी तरह के अन्य नुकसान से अपने तबाही के चिन्ह छोड़े हैं। पर सबसे बड़ी बात जनहानि होने से बचाना और तबाही को कम से कम स्तर पर लाना बड़ी बात होती है। समय पर और सटीक मौसम अनुमान और तैयारियों से निश्चित रुप से जिस तरह की देश ने परिचय दिया है वह पूरी दुनिया के लिए आपदा प्रबंधन की एक मिसाल से कम नहीं माना जा सकता। इससे बेहतर प्रबंधन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। अब तो आशा यह की जानी चाहिए कि अब आंधी बरसात के दौर से भी प्रभावी तरह से निपटकर बिपरजॉय के आतंक को कुंद किया जाए। जनहानि से बचाना आपदा प्रबंधन की सबसे बड़ी सफलता है।

नागरिक बोध

अपराध नियंत्रण सरकार की पहली प्राथमिकता

सरकार अपराध नियंत्रण पर अंकुश लगाकर असामाजिक तत्वों को सबक सिखाती रहती है।उसके बावजूद देश मे अपराध बढ़ते जा रहे है। अपराधियों पर पुलिस प्रशासन की पकड़ है। लेकिन अपराध की घटनाएं प्रकाश में आती है उससे दिल पसीज जाता है। देश मे हर राज्य में कम ज्यादा अपराध हो रहा है। पुलिस जीरो टॉलरेंस के पदचिन्ह पर चलकर अपराध नियंत्रण की कोशिश कर रही है। उत्तरप्रदेश अपराध में अव्वल था।उत्तरप्रदेश में अन्य राज्य से कोई जाने के लिए भी भय महसूस करता था। समाज मे गुंडई बढ़ती जा रही है। वह सोच का विषय है। दुष्कर्म और हत्या गंभीर घटना है। इन घटनाओं से परिवार आहत होता है। लेकिन ऐसी घटनाएं मुह फाडे खड़ी ही रहती है। देश मे नाबालिग़ लड़कियों का अपहरण और धर्मांतरण की घटनाएं समाज को हिला कर रख देती है। ऐसी घटनाये समाज पर कलंक है। बहुसंख्यक समाज की बहन बेटियो को बहला फुसलाकर जबरन शादी करने की घटना आये दिन सुर्खियों में रहती है। इससे घिनौनी हरकत कुछ हो नही सकती है। लेकिन आज यह समाज में हो रहा है। समाज के कर्णधार और सरकार मौन है। बच्चियों को बेरहमी से हत्या कर दी जाती है। इसके लिए समाज और देश अनभिज्ञ नही है। पाकिस्तान में होने वाली अमानुषिक घटनाओ का हम संज्ञान लेकर अखबार में कुछ दिनों के लिए घटना की निंदा कर देते है। उसके बाद यह सब भुला दिया जाता है। कर्नाटक सरकार ने पदभार संभालते ही धर्मांतरण विरोधी कानून रद्द करने का बिल सदन में पेश किया गया। कांग्रेस की इस विचारधारा पर सतारूढ़ भाजपा ने विरोध किया। सुरक्षा के लिए भाजपा ने 2022 में कानून बनाया था।वो कानून कांग्रेस रद्द कर रही है। अशोक गहलोत बार बार कहते है कि भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं को हमने बन्द नही किया है। तब गहलोत कर्नाटक में धर्मांतरण विरोधी कानून पर अपनी टिप्पणी देंगे? अपराध को बढ़ावा देकर देश मे शांति स्थापित नही की जा सकती है। जिस तरह कांग्रेस जनता पर अपने विचार थोप रही है। वह न्यायसंगत नही है। कई राज्यो में सख्त कानून होने के बाद अपराध नियंत्रण में नही है। जबकि कानून रद्द करने पर अकल्पनीय घटनाए सामने आएगी।उसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराध नियंत्रण के लिए बीड़ा उठाया था। उन्होंने करके दिखाया है। सरकार की पहली प्राथमिकता है कि वह कानून किसी के हाथ मे नही लिया जाए। योगी ने सत्ता संभालते हुए यूपी को जीरो टॉलरेंस की नीतियों पर चलने के लिए प्रेरित किया। योगी ने अपराध नियंत्रण पर काम शुरू करने के बाद आज बहन बेटियो के लिए कोई समस्या नही है। महिलाएं कही भी आवागमन कर सकती है।यूपी में महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना बहुत मुश्किल था। यूपी की सफलता के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपराध नियंत्रण पर सख्त हुए है।

देश दुनीया से

भारत में एक विधि और एकरूपता होनी चाहिए

यह याद रखना चाहिए कि यदि यह खण्ड नहीं रखा जाए, तो इसका यह अर्थ नहीं है कि भावी संसद को व्यवहार संहिता बनाने का अधिकार नहीं होगा। इस अधिकार पर अनुच्छेद 19 का ही एक प्रतिबंध होगा और मैं पहले ही कह चुका हूं कि अनुच्छेद 19 में जिसे कि परिषद ने एकमत से स्वीकार किया है, ऐहिक आचरणों के विषय में कानून बनाने का अधिकार दिया गया है। इस अनुच्छेद का समग्र आशय यह है कि यदि तथा जब भी संसद उपयुक्त समझे या बल्कि जब भी संसद में बहुमत उपयुक्त समझे, तब देश के निजी कानूनों को एकरूप बनाने का प्रयास हो सकता है। एक और तर्क उपस्थित किया गया है कि एक व्यवहार संहिता का निर्माण अल्पसंख्यकों के प्रति अन्याय होगा। क्या यह अन्याय है? किसी भी उन्नत मुस्लिम देश में प्रत्येक अल्पसंख्यक जाति के निजी कानून को इतना अटल नहीं माना गया है कि व्यवहार संहिता बनाने का निषेध हो। उदाहरण के लिए, तुर्की या मिस्र को लीजिए, वहां किसी अल्पसंख्यक को ऐसे अधिकार नहीं दिए गए हैं, किंतु मैं दूर नहीं जाता। जब पुराने साम्राज्य में केंद्रीय विधानमंडल ने शरीयत कानून पारित किया था, तब खोजा और कच्छी मैनन लोग अत्यन्त असंतुष्ट थे। वे उस समय कुछ हिन्दू परंपराओं का पालन करते थे, धर्म-परिवर्तन के समय से कई पीढ़ियों से वे उनका पालन करते आए थे। वे शरीयत के अनुसार नहीं चलना चाहते थे, किंतु केंद्रीय विधान मंडल के कुछ मुसलमान सदस्यों ने अपनी बात मनवा ली, जिनकी यह भावना थी कि सारी जाति पर शरीयत कानून लागू होना चाहिए। ...उस समय अल्पसंख्यकों के अधिकार कहां थे? ...यदि यूरोप के उन देशों की बात लें, जहां व्यवहार संहिता है, तो आप देखेंगे कि वहां जो कोई संसार के किसी भाग से जाता है, उसे और प्रत्येक अल्पसंख्यक जाति को उस व्यवहार संहिता का पालन करना पड़ता है। इसे अल्पसंख्यकों के प्रति अन्याय नहीं समझा जाता है। ...हमारा समाज प्रगतिशील है। हम ऐसी अवस्था में है, जब हमें धार्मिक आचरणों में हस्तक्षेप किए बिना राष्ट्र को प्रत्येक उपाय से एकरूप तथा एकविध बनाना चाहिए। ... अब आप देखिए कि व्यवहार संहिता के न होने से कितनी हानियां हैं, जो स्थायी रूप से रहेंगी। ...मैं जानता हूं कि हिन्दुओं में भी ऐसे बहुत लोग हैं, जो एकविध व्यवहार-संहिता नहीं चाहते...। उनकी यह भावना है कि उत्तराधिकार आदि का निजी कानून वास्तव में उनके धर्म का भाग है। यदि ऐसा है, तो आप महिलाओं को समानता कभी प्रदान नहीं कर सकते, किन्तु आपने इस आशय का मूलाधिकार पारित किया है और आपके यहां एक अनुच्छेद है, जिसमें लिखा है कि लिंग के आधार पर कोई विभेद नहीं किया जाएगा। ...कोई कारण नहीं कि सारे भारत के लिए एक व्यवहार संहिता क्यों न हो? ...मेरे मुस्लिम मित्र इसे समझ लें कि जितना जल्दी हम जीवन की इस पार्थक्य भावना को भूल जाएंगे, उतना ही देश के लिए अच्छा होगा। धर्म को ऐसे क्षेत्रों में सीमित रखना चाहिए, जो न्यायपूर्वक उसके क्षेत्र हैं, शेष जीवन को ऐसे विनियमित, एकरूपित व परिवर्तित करना चाहिए कि हम यथासम्भव शीघ्र एक सबल तथा संगठित राष्ट्र का निर्माण कर सकें। ...मुझे आशा है कि हमारे मित्र यह नहीं समझेंगे कि यह अल्पसख्यकों के साथ अन्याय करने का प्रयत्न है। यह बहुसंख्यकों के लिए कहीं अधिक कठोर है। अंग्रेजी राज में हमारे मस्तिष्क में यह भाव था कि निजी कानून धर्म का भाग है, यह भावना अंग्रेजों और उनकी अदालतों ने उकसाई थी।

> अनुच्छेद 19 का ही एक प्रतिबंध होगा और मैं पहले ही कह चुका हूं कि अनुच्छेद 19 में जिसे कि परिषद ने एकमत से स्वीकार किया है, ऐहिक आचरणों के विषय में कानून बनाने का अधिकार दिया गया है। इस अनुच्छेद का समग्र आशय यह है कि यदि तथा जब भी संसद उपयुक्त समझे या बल्कि जब भी संसद में बहुमत उपयुक्त समझे, तब देश के निजी कानूनों को एकरूप बनाने का प्रयास हो सकता है। एक और तर्क उपस्थित किया गया है कि एक व्यवहार संहिता का निर्माण अल्पसंख्यकों के प्रति अन्याय होगा। क्या यह अन्याय है? किसी भी उन्नत मुस्लिम देश में प्रत्येक अल्पसंख्यक जाति के निजी कानून को इतना अटल नहीं माना गया है कि व्यवहार संहिता बनाने का निषेध हो। उदाहरण के लिए, तुर्की या मिस्र को लीजिए, वहां किसी अल्पसंख्यक को ऐसे अधिकार नहीं दिए गए हैं, किंतु मैं दूर नहीं जाता। जब पुराने साम्राज्य में केंद्रीय विधानमंडल ने शरीयत कानून पारित किया था, तब खोजा और कच्छी मैनन लोग अत्यन्त असंतुष्ट थे।

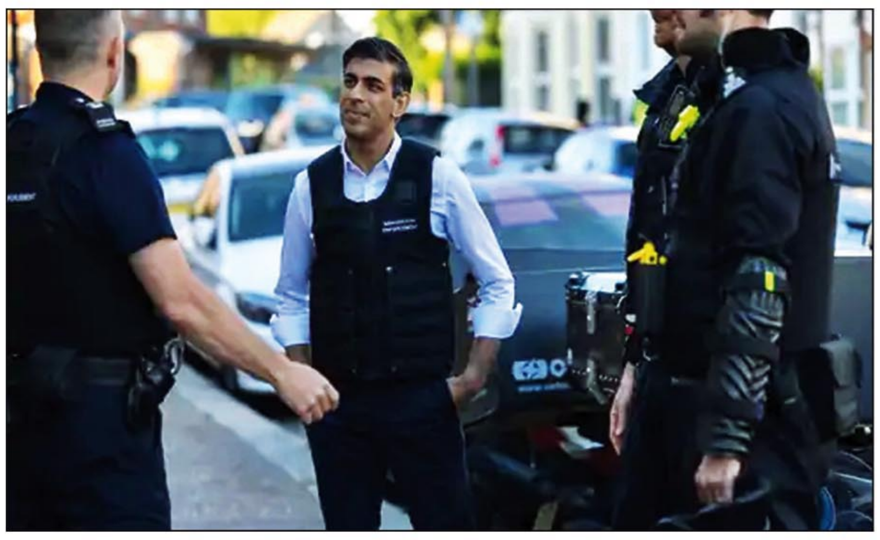

ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक बने इमिग्रेशन ऑफिसर : बुलेटप्रूफ जैकेट में गैर-कानूनी प्रवासियों के ठिकानों पर रेड डाली, बोले- देश तय करेगा यहां कौन आएगा

लंदन।
ब्रिटेन के भारतीय मूल के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने एक दिन के लिए इमिग्रेशन ऑफिसर बनकर काम किया। उन्होंने गैर कानूनी तरीकों से ब्रिटेन में घुसने वाले प्रवासियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया। इस दौरान 20 देशों के 105 लोग गिरफ्तार किए गए। ऋषि सुनक ने इमिग्रेशन ऑफिसर बनने की जानकारी खुद सोशल मीडिया पर दी। प्रवासियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन में सुनक ने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी हुई थी। सुनक ने इमिग्रेशन अधिकारियों के साथ नॉर्थ लंडन के ब्रेंट इलाके में गैर कानूनी प्रवासियों के ठिकानों पर रेड डाली। अलग-अलग तरीकों से ब्रिटेन में घुसने वाले गैर-कानूनी प्रवासियों को रोकना सुनक की सरकार का चुनावी एजेंडा है।

ये देश तय करेगा यहां कौन आएगा

इमिग्रेशन ऑफिसर के तौर पर काम करने के बाद सुनक ने सोशल मीडिया पर लिखा- एक दिन इमिग्रेशन के साथ काम कर मैंने छोटी नावों और दूसरे तरीकों से आने वाले गैर-कानूनी प्रवासियों को रोकने का वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा- ये देश ही तय करेगा कि यहां कौन आएगा न कि कोई क्रिमिनल गैंग। सुनक ने प्रवासियों के खिलाफ गुरुवार को चलाए गए ऑपरेशन में हिस्सा लिया था। गुरुवार को ब्रिटेन के इमिग्रेशन विभाग ने कार साफ करने वाली जगहों, बाल कटाने वाली दुकानों और रेस्तरां में 159 रेड डाली । इसमें गलत तरीके से ब्रिटेन में घुसकर काम करने वाले लोगों को पकड़ा गया। ब्रिटेन के होम मिनिस्टर सुएला ब्रेवरमन ने इनके बारे में कहा- हमारे देश में जबरन घुसकर काम करने वालों से हमारे कम्यूनिटीज को खतरा है। ये टैक्स नहीं देते हैं और इनकी वजह से ईमानदार कामगारों के साथ बेईमानी होती है।

बोट से ब्रिटेन घुसने वालों में भारतीय भी शामिल

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साल 2022 में 233 से ज्यादा भारतीय प्रवासियों ने गैर-कानूनी तरह से छोटी नावों के जरिए इंग्लिश चैनल को पार किया था। वहीं 2023 में 1 महीने में ही ये आंकड़ा 250 को पार कर चुका है। इसके साथ ही भारतीय समूह अफगान और सीरियाई लोगों के बाद ऐसा करने वाला सबसे बड़ा ग्रुप बन गया है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में पीएम मोदी के कार्यक्रमों में जुटेंगे हजारों, फिर भी कुछ भारतवंशी निराश, ये बताई वजह

वाशिंगटन । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं। ऐसे में भारतीय अमेरिकी बड़े उत्साहित हैं। वे उनसे मिलने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। इस बीच, अमेरिका में रहने वाले भारतीयों को दुखी करने वाली खबर सामने आई है।

दरअसल, पीएम मोदी वाशिंगटन में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करने वाले थे, जिसका भव्य आयोजन होने की उम्मीद थी। पर अब कहा जा रहा है कि पीएम मोदी के व्यस्त शेड्यूल के चलते सभा के समय में कमी की गई है। वहीं, कुछ चुनिंदा लोगों को ही कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा। इस जानकारी के बाद उन नेताओं की उम्मीदों पर पानी फिर गया, जिन्होंने भव्य आयोजन की उम्मीद की थी। गौरतलब है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन व प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर 21-24 जून तक अमेरिकी यात्रा पर रहेंगे। इंडियन अमेरिकन कम्युनिटी फाउंडेशन के चेयरमैन भरत बरई ने कहा कि वैश्विक भारतीय प्रवासियों के बीच भारत के पीएम मोदी काफी लोकप्रिय हैं। इतना ही नहीं पीएम मोदी अब विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बन गए हैं। बरई ने साल 2014 में मैडिसन स्क्वायर गार्डन और 2019 में ह्यूस्टन में प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए शिकागो में एक मेगा कार्निवल जैसे कार्यक्रम की योजना बनाई थी। उन्होंने कहा कि इन दोनों आयोजनों और हाल ही में हुए ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासियों में एक अलग उत्साह देखा गया था। पीएम मोदी का स्वागत करने के लिए हजारों की भीड़ उमड़ी थी, जो पहले कभी नहीं देखी गई। यह उत्साह और गर्व का दिन था। बरई ने कहा कि पीएम मोदी वाशिंगटन में थोड़ी देर से पहुंचेंगे, इसलिए प्रवासियों के साथ होने वाली सभा के समय में कमी की गई है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के आने की पुष्टि 29 मई को हुई थी।

ब्रिटेन में केरल के छात्र की फ्लैटमेट ने हत्या की: झगड़े के बाद सीने में चाकू मारा, आरोपी गिरफ्तार; चार दिन में 3 भारतीयों का मर्डर

लंदन। लंदन में भारतीय छात्र की उसके फ्लैटमेट ने हत्या कर दी। मेट्रोपॉलिटिन पुलिस के मुताबिक 37 साल के अरविंद शशिकुमार को 25 साल के सलमान सलीम ने सीने में चाकू मार दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतक और आरोपी दोनों ही केरल के रहने वाले थे। इस घटना को मिलाकर ब्रिटेन में पिछले चार दिन में 3 भारतीयों की हत्या हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक और आरोपी कैंबरवेल के साउथैम्प्टन वे इलाके में एक ही घर में रहते थे। फ्लैट में उनके साथ रहने वाले दो लोगों ने पुलिस को बताया कि दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। घटना एक बजे के बाद हुई। पुलिस को रात 1: 30 बजे इसकी सूचना मिली। आरोपी सलमान के अलावा पुलिस ने घटना के दौरान मौजूद दो मलयाली रूममेट्स को भी हिरासत में लिया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि अरविंद शशिकुमार की मौके पर ही मौत हो गई थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने उसकी छाती पर चाकू मारा था। पुलिस ने आरोपी सलमान सलीम को शनिवार को क्रॉयडन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश करने के बाद उसे हिरासत में भेज दिया है। उसे 20 जून को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

अमेरिका की यूनिवर्सिटीज में मॉक शादी का ट्रेंड: न बाराती असली, न दूल्हा-दुल्हन; बस नाचो-गाओ-जश्न मनाओ

वॉशिंगटन। पारंपरिक भारतीय शादियां एक तरह से उत्सव होती हैं। हल्दी-मेहंदी की रस्में, बारात, दूल्हा-दुल्हन का तैयार होना, नाचना-गाना और खाना-पीना। अमेरिका की कोलंबिया, ऑरेगॉन, न्यूयॉर्क, टेक्सास, स्टैनफोर्ड, टोरंटो जैसी प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स को यही भारतीय शादी लुभा रही है। वहां स्टूडेंट्स अब मॉक (नकली) शादी आयोजित कर रहे हैं। शेरवानी पहने दूल्हा बना स्टूडेंट सजी-धजी घोड़ी पर बारात लेकर निकलता है। स्टूडेंट्स बाराती बनकर शामिल होते हैं। ढोल पर नाचते हैं। सब दुल्हन के यहां पहुंचते हैं। चमकती ड्रेस और ज्वेलरी पहनी दुल्हन बनी स्टूडेंट आती है। दूल्हा-दुल्हन स्टेज पर बैठते हैं। सारी रस्में निभाई जाती हैं। स्टूडेंट्स एंजॉय करते हैं। खाते-पीते हैं और लौट जाते हैं। पूरे उत्तरी अमेरिका में दक्षिण एशियाई स्टूडेंट्स के बीच मॉक शादी का ट्रेंड बढ़ा है। दूल्हा-दुल्हन ऐसे स्टूडेंट्स होते हैं, जो कभी मिले भी नहीं होते। वे बस भूमिका निभा रहे होते हैं। कई बार अलग-अलग यूनिवर्सिटी के भी होते हैं। ऐसी ही एक शादी में दूल्हा बने ऑरेगॉन यूनिवर्सिटी के नासिर को जब पता चला कि पाकिस्तान स्टूडेंट एसोसिएशन कोलंबिया यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर मॉक शादी कर रहा है तो वे दूल्हे के रूप में नामांकन के लिए पहुंच गए। उन्होंने कहा-लोग एक बार शादी करते हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री 5 साल बाद चीन पहुंचे

ताइवान, साउथ-चाइना सी पर चर्चा संभव, फरवरी में स्पाई बैलून विवाद के बाद रद्द किया था दौरा

बीजिंग।
अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन रविवार सुबह चीन पहुंचे। वो पिछले 5 सालों में चीन पहुंचने वाले पहले अमेरिकी डिप्लोमैट हैं। दौरे के तहत ब्लिंकन रविवार को चीन के विदेश मंत्री किन गैंग से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय मुद्दों और तनाव खत्म करने को लेकर चर्चा होगी। इसके बाद ब्लिंकन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात कर सकते हैं। इससे पहले फरवरी में ब्लिंकन चीन का दौरा करने वाले थे, लेकिन तब अमेरिका में चीन का जासूसी बैलून दिखने को लेकर हुए पूरे विवाद के बाद अमेरिका ने दौरा रद्द कर दिया था। इसके बाद ताइवान और साउथ चाइना सी को लेकर भी दोनों देशों में तनाव जारी है। ऐसे में ये दौरा अमेरिका और चीन के रिश्तों के लिए अहम माना जा रहा है।

ब्लिंकन बोले- चीन की कैद में मौजूद अमेरिकी नागरिकों का मुद्दा उठाएंगे

ब्लिंकन की इस यात्रा का सबसे जरूरी मकसद दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधारना है। अमेरिका से निकलने से पहले ब्लिंकन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था- मेरे इस दौरे के 3 लक्ष्य हैं। क्राइसिस मैनेजमेंट के लिए मैकेनिज्म तय करना, अलग-अलग क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाना और अमेरिका और साथी देशों के हितों को रखना है।

उन्होंने कहा- हम उन मुद्दों पर भी बातचीत करेंगे जो हमारे लिए चिंता का विषय हैं। अगर हम चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच कॉम्पटीशन टकराव में न बदले तो इसके लिए बातचीत जरूरी है। ब्लिंकन ने बताया कि वो चीन में कैद रह रहे अमेरिकी नागरिकों का मुद्दा भी उठाएंगे। यूएस हमेशा इन गिरफ्तारियों को राजनीति से प्रेरित बताता रहा है।

ट्रेड और कमर्शियल फ्लाइट्स बढ़ाने पर भी चर्चा होगी

इसके अलावा दोनों देशों के बीच कमर्शियल फ्लाइट्स को बढ़ाने और ट्रेड को लेकर भी चर्चा होगी। दरअसल, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने कार्यकाल के दौरान चीन में बने सामान के इम्पोर्ट होने पर कई अरब डॉलर का टैक्स लगाया था। बाइडेन ने राष्ट्रपति बनने के बाद इसे हटाने से इनकार कर दिया था।

इसके अलावा, उन्होंने अमेरिका में बनी कम्प्यूटर चिप्स को रूस में एक्सपोर्ट करने पर भी पाबंदी लगा दी थी, जिससे इस क्षेत्र में अमेरिका का दबदबा बना रहे।

14 जून को फोन पर हुई थी बात, चीन ने कहा था- दखलंदाजी बंद करे अमेरिका

इससे पहले 14 जून को भी किन और ब्लिंकन ने फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान किन ने अमेरिका को चीन के मामलों में दखलंदाजी नहीं करने को कहा था। किन ने कहा था कि अमेरिका को ताइवान पर चीन के रुख की इज्जत करनी चाहिए। उसे प्रतियोगिता के नाम पर चीन की सोवरनिटी, सुरक्षा और विकास में बाधा डालना बंद करना चाहिए। चीनी विदेश मंत्री ने कहा था- तनाव बढ़ाने से किसी को कुछ हासिल होने वाला नहीं है। हमने इंडोनेशिया में आमने-सामने बातचीत की थी, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। अमेरिका पॉलिसी बदलने को तैयार नहीं है।

स्पाई बैलून विवाद के बाद अमेरिका-चीन में बढ़ा तनाव

फरवरी में अमेरिका ने चीन पर स्पाई बैलून के जरिए उनकी जासूसी करने के आरोप लगाए थे। तब से दोनों देशों के बीच तल्खी बढ़ी हुई है। अमेरिका ने 5 फरवरी को चीनी बैलून मार गिराया था और इसका मलबा भी चीन को लौटाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद चीन भड़क गया था। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा था- किसी भी वेदर बैलून का दूसरे देश में घुस जाना नॉर्मल बात है। 2022 से अब तक 10 अमेरिकी गुब्बारे चीन में घुस चुके हैं। जासूसी गुब्बारे के चलते अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपना चीन का दौरा रद्द कर दिया था। तब से दोनों देशों के बीच कभी ताइवान तो कभी यूक्रेन को लेकर बयानबाजी हो रही है। अमेरिका ने आरोप लगाया था कि चीन जंग में रूस को हथियार सप्लाई करने की योजना बना रहा है, जबकि चीन ने इन सभी दावों को खारिज कर दिया था।

अफ्रीका की पुतिन को चेतावनी, कहा- जंग खत्म करो

यूक्रेनी बच्चों को वापस भेजो; पुतिन ने बीच में रोका, बोले- हम उनकी रक्षा कर रहे

सेंट पीटर्सबर्ग।
यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात के बाद अफ्रीकन लीडर्स रूस के सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। पुतिन के साथ बैठक के दौरान साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा कि यूक्रेन में कैसे भी करके ये जंग अब रुकनी चाहिए। रामाफोसा ने पुतिन को चेतावनी देते हुए कहा कि जंग का अफ्रीकी देशों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसे कूटनीति और बातचीत के जरिए सुलझाना होगा। बैठक के दौरान रामाफोसा ने दोनों देशों से एक-दूसरे के वॉर प्रिजनर्स को छोड़ने और रूस से यूक्रेन के क्षेत्रों से लाए गए बच्चों को वापस भेजने को कहा। इस पर पुतिन ने रामाफोसा को बीच में काटते हुए बोला कि वो बच्चे डरे हुए हैं। रूस उन बच्चों की रक्षा कर रहा है। उन्हें जंग से दूर रखने और एक बेहतर भविष्य के लिए जंग के मैदान से हटाया गया है। रामाफोसा बोले- हमारा मैसेज साफ, ये जंग अब खत्म होनी चाहिए पुतिन ने कहा कि हम यूक्रेन से बातचीत के लिए तैयार हैं लेकिन वो कभी भी जंग रोकने के लिए बात करने को राजी नहीं होता है। चर्चा के दौरान रामाफोसा ने कहा- इस जंग को कभी न कभी खत्म होना ही होगा। कोई भी लड़ाई हमेशा के लिए जारी नहीं रह सकती है। मैं आज सभी अफ्रीकी नेताओं के साथ यहां एक साफ मैसेज लेकर आया हूं कि हम चाहते हैं अब ये जंग खत्म की जाए। इसके लिए रामाफोसा ने 10 पॉइंट पीस प्लान भी साझा किया। जंग की वजह से यूक्रेन से अनाज के एक्सपोर्ट पर बुरा असर पड़ा है और रूस से भी फर्टीलाइजर्स का निर्यात नहीं हो पा रहा है। इसका खामियाजा सबसे ज्यादा अफ्रीकी देशों को ही भुगतना पड़ रहा है। इसके अलावा पुतिन ने जंग में अफ्रीकी देशों के न्यूट्रल स्टैंड की भी सराहना की। बता दें कि रूस पहुंचने से पहले 7 अफ्रीकी देशों के नेता यूक्रेन पहुंचे थे। इन देशों में साउथ अफ्रीका, मिस्त्र, कोमोरोस, सेनेगल, जाम्बिया, यूगांडा और रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो के लीडर्स शामिल थे।

जर्मनी की कस्टडी में ही रहेगी भारतीय बच्ची अरिहा शाह: कोर्ट ने कहा- ये नहीं मान सकते कि बच्ची को गलती से चोट लगी

बर्लिन।
जर्मनी की पैंको कोर्ट ने 27 महीने के बच्ची आरिहा शाह की कस्टडी उनके भारतीय माता-पिता को सौंपने से इनकार कर दिया। आरिहा सितंबर 2021 से जर्मनी के यूथ वेलफेयर ऑफिस की कस्टडी में है। जर्मनी ने आरिहा के माता-पिता को उसे चोट पहुंचाने का आरोप लगाकर उनसे कस्टडी छीन ली थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक कोर्ट ने सुनवाई में मानने से इनकार कर दिया कि अरिहा को मामूली दुर्घटना में चोट लगी थी। कोर्ट के फैसले के बाद अरिहा के माता-पिता ने कहा है कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर पर पूरा भरोसा है कि वो अरिहा को वापस भारत लाएंगे। जब कोर्ट ने अरिहा की कस्टडी को सौंपने से इनकार कर दिया था। इसके बाद अरिहा की मां ने कोर्ट में अपील की थी कि उनकी बेटी की कस्टडी इंडियन वेलफेयर सर्विसेज को दी जाए। ताकि वो अपने भारतीय मूल्यों से दूर न हों। मां धारा ने कहा कि अरिहा अपने रीति-रिवाजों से भी दूर हो रही है। हम मीट नहीं खाते थे, लेकिन फोस्टर केयर में उसे ये सब खाना पड़ रहा है। जबकि,

हम जैन समुदाय से हैं। 2021 में अरिहा करीब 7 महीने की थी। तब उसकी दादी जर्मनी गईं थीं। उनकी गलती से अरिहा के प्राइवेट पार्ट पर चोट लग गई। डायपर में खून दिखने के बाद पेरेंट्स अरिहा को अस्पताल ले गए। यहां उन पर जर्मनी चाइल्ड केयर यूनिट ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। इसके बाद बच्ची को पेरेंट्स से दूर फॉस्टर केयर में भेज दिया गया। बच्ची के माता-पिता बीते एक साल से भारत के विदेश मंत्रालय से बात कर रहे हैं।

लॉस एंजिल्स में शूटिंग, 8 घायल : पूल पार्टी में आपसी झगड़े के चलते फायरिंग की आशंका, अमेरिका में इस साल मास शूटिंग के 303 केस

लॉस एंजिल्स।
अमेरिका के लॉस एंजिल्स में शनिवार को मास शूटिंग में 8 लोग घायल हो गए। इनमें 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना लॉस एंजिल्स से 17 मील दूर कारसन इलाके में हुई। गोलीबारी एक पूल पार्टी के दौरान हुई, जहां करीब 50 लोग मौजूद थे। घायलों की उम्र 16 से 24 साल के बीच है। उन्हें सिर, कमर के हिस्से में गोली लगी हैं। पुलिस अधिकारी माइरोन ने बताया कि उन्हें एक कॉल के जरिए घटना की जानकारी मिली थी। पुलिस मौके पहुंची तो उन्हें एक 16 साल का घायल लड़का दिखाई दिया। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने गोलीबारी से पहले लड़ाई होने की आशंका जताई है। पुलिस अधिकारी रिक कोंटी ने कहा कि गोली चलाने वाला कोई एक व्यक्ति नहीं था। घटना के वक्त वहां मौजूद एक शख्स ने बताया कि उसने करीब 20-30 गोलियों की आवाज सुनी थी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पड़ोसियों ने बताया कि पार्टी में एक शख्स बिना न्योते के पहुंच गया था। जब वहां मौजूद लोगों ने उससे जाने के लिए कहा तो वो उनसे बहस करने

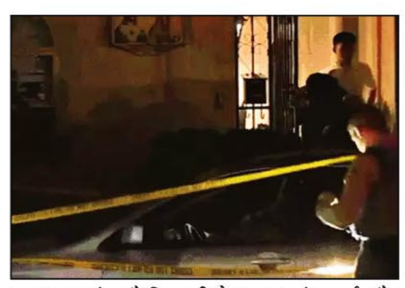

लगा। आशंका है कि इसी के बाद वहां लड़ाई और गोलीबारी शुरू हो गई। घटना के बाद पुलिस ने उस जांच के लिए अबिला स्ट्रीट को बंद कर दिया है।

गन वॉयलेंस आर्काइव की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में इस साल अब तक 303 मास शूटिंग के मामले सामने आ चुके हैं। 2006 से लेकर अब तक अमेरिका में सामूहिक हत्या के 556 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। इससे पहले 16 अप्रैल को भी अमेरिका के अल्बामा में एक बर्थडे पार्टी में शूटिंग हुई थी। इसमें 6 नाबालिगों की मौत हुई थी जबकि 20 लोग घायल हुए थे। नागरिकों के बंदूक रखने के मामले में अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। स्विट्जरलैंड के स्मॉल आर्म्स सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में मौजूद कुल 85.7 करोड़ सिविलियन गन में से अकेले अमेरिका में ही 39.3 करोड़ सिविलयन बंदूक मौजूद हैं। दुनिया की आबादी में अमेरिका का हिस्सा 5प्रतिशत है, लेकिन दुनिया की कुल सिविलियन गन में से 46प्रतिशत अकेले अमेरिका में हैं। अक्टूबर 2020 के गैलप सर्वे के मुताबिक, 44प्रतिशत अमेरिकी वयस्क उस घर में रहते हैं, जहां बंदूकें हैं, इनमें से एक तिहाई वयस्कों के पास बंदूकें हैं। 2019 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में 63 हजार लाइसेंस्ड गन डीलर थे, जिन्होंने उस साल अमेरिकी नागरिकों को 83 हजार करोड़ रुपए की बंदूकें बेची थीं। अमेरिका 231 साल बाद भी अपने गन कल्चर को खत्म नहीं कर पाया है। इसकी दो वजहें हैं। पहली- कई अमेरिकी राष्ट्रपति से लेकर वहां के राज्यों के गवर्नर तक इस कल्चर को बनाए रखने की वकालत करते रहे हैं। दूसरी- गन बनाने वाली कंपनियां, यानी गन लॉबी भी इस कल्चर के बने रहने की प्रमुख वजह है।

नाटो मेंबरशिप के लिए अमेरिका के भरोसे न रहे यूक्रेन

बाइडेन बोले-हम कोई स्पेशल इंतजाम नहीं करेंगे, सभी शर्तों को मानना होगा

वॉशिंगटन।
अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा- यूक्रेन को नाटो की सदस्यता दिलाने के लिए हम कोई स्पेशल इंतजाम नहीं करेंगे। यूक्रेन को हमारे भरोसे नहीं रहना चाहिए। बाइडेन ने ये भी कहा कि मेंबर बनने के लिए यूक्रेन को भी उन सभी शर्तों को मानना होगा, जिन्हें दूसरे देश मानते हैं। अमेरिका यूक्रेन के लिए लिए सदस्यता से जुड़ा कोई स्टैंडर्ड को कम नहीं करवाएगा।

बाइडेन ने पहले कहा था- हम सारी चुनौतियां हटा देंगे - यूक्रेन की नाटो मेंबरशिप को लेकर बाइडेन के ये बयान तब आए हैं। जब कुछ ही दिनों पहले उन्होंने कहा था अमेरिका यूक्रेन के नाटो सदस्य बनने में आने वाले सारे बड़ी चुनौतियों को हटा देगा। बाइडेन मेंबरशिप एक्शन प्लान की बात कर रहे थे, जिसे नाटो में शामिल होने वाले हर देश को स्वीकार करना पड़ता है। इस प्लान के तहत नाटो में शामिल होने वाले देश को अपनी सैन्य और लोकतांत्रिक प्रणाली में बदलाव लाने पड़ते हैं। इसकी प्रक्रिया काफी लंबी होती है। उदाहरण के तौर पर मैसेडोनिया ने 1999 में एमएपी की प्रक्रिया शुरू की थी। इसके बाद मैसेडोनिया 2020 में नाटो का सदस्य बन पाया।

नाटो समिट पर सबकी निगाहें - जुलाई में लिथुआनिया में नाटो समिट यानी सम्मेलन होने जा रहा है, जिसमें स्टॉल्टेनबर्ग के कार्यकाल, यूक्रेन युद्ध और नाटो की एकजुटता को लेकर अहम फैसले हो सकते हैं। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक इस समिट के दौरान यूक्रेन को नाटो सदस्य बनाने के प्रस्ताव पर सभी देशों को साथ लाने की कोशिश की जाएगी। हाल ही में नाटो चीफ स्टॉलटेनबर्ग ने कहा था कि नाटो देशों से मिल रही मदद से यूक्रेन को जंग

में काफी फायदा पहुंचा है। समिट के जरिए हम यूक्रेन से राजनीतिक संबंध और मजबूत करेंगे।

बुखारेस्ट में किए वादे को अब तक नहीं निभा पाए नाटो देश - साल 2008 में बुखारेस्ट में नाटो का शिखर सम्मेलन हुआ था। इस दौरान 1991 के अंत तक सोवियत संघ का हिस्सा रहे यूक्रेन को नाटो में शामिल करने पर सहमति जताई गई थी।नाटो के सभी सदस्य देशों ने कहा था कि यूक्रेन को नाटो गठबंधन में शामिल कर लिया जाएगा। हालांकि, नाटो नेताओं ने इस दिशा में अभी तक किसी भी तरह के कदम उठाने से परहेज किया है। यूक्रेन को नाटो में शामिल नहीं करने के पीछे सबसे बड़ा कारण नाटो चार्टर का आर्टिकल-5 है। इसके मुताबिक, सहयोगी देशों पर किसी भी तरह के हमले को सभी नाटो देशों के खिलाफ हमला माना जाता है, जिससे सभी नाटो देश एक साथ मिल कर उस बाहरी देश का मुकाबला करना पड़ता है। ऐसे में अगर यूक्रेन नाटो सदस्य बनता है तो सभी सदस्य देशों को रूस के साथ युद्ध लड़ना होगा।

जानिए कैसे नाटो ही रूस-यूक्रेन विवाद की वजह - 1991 में सोवियत संघ के 15 हिस्सों में टूटने के बाद नाटो ने खासतौर पर यूरोप और सोवियत संघ का हिस्सा रहे देशों के बीच तेजी से प्रसार किया। 2004 में नाटो से सोवियत संघ का हिस्सा रहे तीन देश- लातविया, एस्तोनिया और लिथुआनिया जुड़े, ये तीनों ही देश रूस के सीमावर्ती देश हैं। पोलैंड (1999), रोमानिया (2004) और बुल्गारिया (2004) जैसे यूरोपीय देश भी नाटो के सदस्य बन चुके हैं। ये सभी देश रूस के आसपास हैं। इनके और रूस के बीच सिर्फ यूक्रेन पड़ता है। यूक्रेन कई साल से नाटो से जुड़ने की कोशिश करता रहा है। उसकी हालिया कोशिश की वजह से ही रूस ने यूक्रेन पर हमला किया है। यूक्रेन की रूस के साथ 2200 किमी से ज्यादा लंबी सीमा है। रूस का मानना है कि अगर यूक्रेन नाटो से जुड़ता है तो नाटो सेनाएं यूक्रेन के बहाने रूसी सीमा तक पहुंच जाएंगी। यूक्रेन के नाटो से जुड़ने पर रूस की राजधानी मॉस्को की पश्चिमी देशों से दूरी केवल 640 किलोमीटर रह जाएगी।

सिरसा में गरजे अमित शाह : भाजपा ने हरियाणावासियों को थ्रीडी सरकार से दिलाई मुक्ति

चंडीगढ़ (हि.स.)। सिरसा में गौरवशाली भारत रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा सरकार और केंद्र की मोदी सरकार के विकास कार्यों को गिनाया ही, साथ में उन्होंने कांग्रेस पर खूब प्रहार किए। उन्होंने कहा कि पहले थ्रीडी यानी दरबारी, दामाद और डीलर की सरकार थी, अब विकास की सरकार है। हरियाणा प्रदेश और देश में विकास के ऐतिहासिक काम हो चुके हैं। केंद्रीय मंत्री शाह सिरसा की न्यू अनाज मंडी में रविवार को आयोजित गौरवशाली भारत रैली को संबोधित कर रहे थे। यह रैली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि हुड्डा के टाइम पर थ्रीडी यानी दरबारी, दामाद और डीलरों की सरकार थी। इसे मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने खत्म किया है। पहली बार हरियाणा को पूरे हरियाणा का मुख्यमंत्री मिला है। इससे पहले सिर्फ रोहतक का मुख्यमंत्री होता था। अमित शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को चैलेंज करते हुए कहा कि वो जो बात करते हैं, उसका 10 साल का रिकार्ड लेकर आ जाओ,

हरियाणा के किसानों का सबसे ज्यादा गेहूं और धान किसने खरीदा। उन्होंने कहा कि हुड्डा साहब ने दस सालों में कभी किसानों को सीधा रुपया नहीं भेजा। उन्होंने कहा कि नौ साल पहले 12 लाख करोड़ के घोटाले हुए थे। आज विरोधी भी मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकते। यूपीए सरकार में पाकिस्तान ने कई बार घुसपैठ की, लेकिन पाकिस्तान को सर्जिकल स्ट्राइक करके मुहतोड़ जवाब केवल भाजपा सरकार ने दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि जब-जब देश पर संकट आया, हरियाणा-पंजाब की भूमि के जवानों ने चट्टान की तरह बनकर दुश्मनों का मुकाबला किया। अपने खून से मां भारती को सुरक्षित किया। शाह ने कहा कि हरियाणा वालों आज कश्मीर हमारा है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि 2024 में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। इस बार भी सभी सीटें मोदी की झोली में डालनी हैं। अमित शाह ने पूर्व उपप्रधानमंत्री स्व ताऊ देवीलाल का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों के लिए जो सपने देखे, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा किया है। उन्होंने सिरसा से सांसद सुनीता दुग्गल की भी सराहना की। अमित शाह ने कहा कि मैं हरियाणा की माताओं को प्रणाम करता हूं, जिन्होंने देश की सेना के लिए अपने बेटे दिए। उन्होंने किसानों को भी प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि पंजाब हरियाणा के किसानों ने देश में अन्न की जरूरत पर अन्न दिया है। उन्होंने खिलाड़ियों की भी सराहना की। शाह ने कई बार धाकड़ खिलाड़ी, धाकड़ किसान, धाकड़ जवान और धाकड़ हरियाणा कहते हुए संबोधित किया।

बिपरजॉय तूफान : अजमेर - जयपुर की तरफ बढ़ने से दबाव में कमी

जोधपुर, 18 जून (हि.स.)। अरब सागर से उठा तूफान बिपरजॉय चक्रवात का असर रविवार की अपरान्ह बाद कम हो गया। तीन दिन से चल रही लगातार बारिश से मारवाड़ की बस्तियां जलमग्र हो गई। निचली बस्तियों में पानी भर गया है। जिसे सूखने एवं खाली करने में कम से कम एक पखवाड़ा लगेगा। तब तक मानसून भी आ जाएगा। जोधपुर और आस पास के कई गांवों में पानी भर गया है। निचली बस्तियां पानी में डूब गई है तो भीतरी क्षेत्र वीर मोहल्ला में एक भवन की छत भरभरा कर गिर गई, हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। शहर के सबसे बड़े मथुरादास माथुर अस्पताल के ट्रोमा आईसीयू के एक्सरे विभाग की छत से पानी टपकने के साथ प्लास्टर गिरा है। अस्पताल परिसर में भी पानी भर चुका है। मौसम विभाग केंद्र के अनुसार चक्रवात का असर मारवाड़ में रविवार की अपरान्ह बाद घटने लगा है। उसकी दिशा अजमरे जयपुर की तरफ कम दबावी बनकर बढ़ी है। जहां मध्यम या भारी बारिश हो सकती है। मारवाड़ में 24 घंटे से लगातार बारिश। कभी धीमी तो कभी मूसलाधार। बारिश का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है और बढ़ रही है कई बस्तियों की परेशानी भी। जोधपुर शहर का ड्रेनेज सिस्टम फेल होने का खामियाजा सैकड़ों परिवार उठा रहे हैं। कई जगह हालात बिगडने के बाद प्रशासन पहुंचा पंप लगाए लेकिन वह भी अस्थाई व्यवस्था ही लग रही है। सूरसागर क्षेत्र के गेवा में कनावतो की बस्ती की हालत सबसे ज्यादा खराब है। यह 3 फीट तक पानी भरा हुआ है और पानी निकासी की भी कोई व्यवस्था नहीं है। यहां रहने वाले धनराज गहलोत ने बताया कि 500 लोगों की बस्ती है। हर गली में पानी भरा रहता। मानसून सीजन में परेशानी होती है लेकिन इस बार तो तूफान होने के कारण अभी से लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। कायलाना के समीप आई कबीर नगर की बस्ती और बीजेएस नट बस्ती में कई घरों में पानी भरने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। लोगों अंदर बाहर जाना मुहाल हो गया है। जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने भी इन बस्तियों को जायजा लिया और उचित आश्वासन दिया है। डर्बी कॉलोनी का खौफ जैसे-जैसे बारिश बड़ी वह भी बढ़ता गया। जोधपुर शहर में शनिवार पूरी रात बारिश हुई तो प्रशासन ने सबसे पहले राहत के लिए टीम में डर भी कॉलोनी में ही भेजी। 1000 हॉर्स पावर के पंप लगाए गए जिससे पानी जल्दी खाली कराया जा सके। लोग भी सुबह से ही घरों के बाहर आ गए। शहर के निकट रेलवे स्टेशन कैंट के रेलवे क्वार्टर जो कि सारण नगर ओवरब्रिज के समीप बने हुए हैं वहां भी भारी बारिश के कारण पानी भराव हो गया। रेलवे कर्मचारियों के घरों में 2 से 3 फीट तक पानी जमा हो गया। इससे उनके घर का सामान भी खराब हुआ इनकी मदद के लिए प्रशासन की तरफ से कोई नहीं पहुंचा। बाद में जब स्थिति बिगडने लगी तो जिला कलेक्टर भी मौके पर पहुंचे। यहां के हालात सबसे ज्यादा विकट बने हुए है।

बिजली की समस्या को लेकर दिल्ली-पटियाला नेशनल हाइवे पर लगाया जाम

जींद (हि.स.)। बिजली समस्या को लेकर नरवाना में रविवार को कालोनीवासियों ने दिल्ली-पटियाला नेशनल हाइवे पर जाम लगा दिया। जाम लगाए लोगों का कहना था कि उनकी कॉलोनी में बिजली की तारें जर्जर हो चुकी हैं। जिसके चलते बिजली सप्लाई की समस्या हमेशा बनी रहती है। समस्या को लेकर अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जाम लगने की सूचना मिलने पर डीएसपी अमित कुमार मौके पर पहुंचे आए कालोनीवासियों को समस्या के शीघ्र निदान का आश्वासन दिया। जिस पर कॉलोनीवासी जाम खोलने को राजी हो गए। धर्मसिंह कालोनी के लोगों का कहना था कि बिजली की केबल टूटी हुई उसको ठीक नहीं किया जा रहा है जिससे बड़ा हादसा होने का भय का माहौल बना हुआ है। धर्म सिंह कालोनी व बीरबल नगर बाबा कुंडी से महिलाएं समस्या को लेकर एसडीओ कार्यालय पहुंची लेकिन रविवार होने के चलते कोई नहीं मिला।

दासोड़ी गांव में शराबबंदी का निर्णय सराहनीय : भाटी

बीकानेर, 18 जून (हि.स.)। ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने हदां तहसील के दासोड़ी गांव में करीब एक करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर अपने स्वागत से अभिभूत होकर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मेरा प्रयास है कि कोलायत विधानसभा क्षेत्र विकास की ऊंचाइयों को छुए। उन्होंने कहा कि गत सोढ़े चार सालों में कोलायत विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधा के विकास पर जोर रहा है। इस इलाके के विकास की और जरूरत है। उन्होंने कहा कि दासोड़ी गांव के युवा मंडल द्वारा लिया गया शराबबंदी का निर्णय सराहनीय है। गांव वालों को इस पर कायम रहना है। उन्होंने कहा कि नशा मनुष्य का नाश करने का सबसे बड़ा कारण बनता है और इससे अपराध की घटनाएं बढ़ती हैं। उन्होंने कहा कि शराबबंदी के इस निर्णय में ग्रामीणों को प्रशासनिक हलके का पूरा सहयोग रहेगा। उन्होंने कहा कि इस गांव में शराबबंदी का निर्णय लिया है, इससे प्रेरित होकर अन्य गांव में भी शराब बंदी का निर्णय ले सकते हैं। सामुदायिक भवन के लिए। गोकुलदान पुत्र स्व. करणीदान की स्मृति में उनके परिवार द्वारा भूमि का दान करने पर ऊर्जा मंत्री ने परिवार के सदस्य को शॉल ओढाकर सम्मानित किया और कहा कि सार्वजनिक उपयोगार्थ किया गया भूमि का दान फलीभूत होता है। उन्होंने कहा कि अन्य लोगों को भी इससे प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने गांव में शराबबंदी में सहयोग करने वाले युवा गोपालदान, हनुमानदान व भवानीदान का शॉल ओढ़ाकर सम्मान

किया। सरपंच मोहनदान रतनू ने गांव में जीएसएस बनवाने, दासोड़ी के आस-पास के गांवों को डामर रोड से जोड़ने, सुधारों की गुवाड़ व हनुमान सागर में बरसाती पानी की समस्या का समाधान करवाने, ओसिंया- दासोड़ी-हदां के लिए रोडवेज बस शुरू करवाने तथा उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान संकाय खुलवाने की आवश्यकता जताई। ऊर्जा मंत्री ने विधायक निधि कोष से स्वीकृत 20 लाख रुपए लागत से निर्मित करणी सामुदायिक भवन, पंचायत समिति मद से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 19 लाख रुपए लागत से बने दो कक्षा-कक्षों का, दासोड़ी तेलियो की ढ़ाणी में 29.95 लाख रुपये और गांव दासीड़ी में 28.91 लाख रुपए लागत से बने नये ट्यूबवैल निर्माण का तथा 3.01 लाख रुपये से ग्राम पंचायत भवन दासोड़ी की चार दिवारी को ऊंची उठाने के कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर झंवर लाल सेठिया, विकास अधिकारी मांगी लाल, तहसीलदार सुभाष मीना, अधीक्षण अभियन्ता डिस्कॉम राजेन्द्र सिंह मीना, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मूल सिंह भाटी, मनरेगा लोकपाल किशोर सिंह राठौड़, कुंभ सिंह रूपावत, ओम प्रकाश सेन अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

जेईई-एडवांस्ड-2023 रिजल्ट एलान : टॉप 1000 में जयपुर के 24 छात्र

जयपुर, 18 जून (हि.स.)। आईआईटी गुवाहाटी ने देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-एडवांस्ड का परिणाम जारी कर दिया। परिणामों में एक बार फिर एलन जयपुर के स्टूडेंट्स श्रेष्ठता साबित की है। एलन जयपुर के सेंटर हेड सीनियर वाइस प्रसीडेंट सीआर चौधरी ने बताया कि नीट के बाद जेईई-एडवांस्ड के परिणामों में भी एलन जयपुर के स्टूडेंट्स ने श्रेष्ठता साबित की है। छात्र पार्थ अग्रवाल ने आल इंडिया रैंक 113 हासिल की है। पार्थ ने जयपुर सिटी टॉप किया है। इसके साथ ही सूयश कपूर ने आल इंडिया रैंक-149 प्राप्त की है। इसके साथ ही प्रखर गुप्ता आल इंडिया रैंक 154, प्रतुल कूलवाल ने आल इंडिया रैंक 174 प्राप्त की है। प्रखर गुप्ता ने जनरल ईडब्ल्यूएस कैटेगिरी में आल इंडिया रैंक-8 प्राप्त की है, इसी तरह सक्षम सहरिया ने आल इंडिया रैंक 227 तथा ईडब्ल्यूएस जनरल में आल इंडिया रैंक 15 प्राप्त की है, वहीं देवांग टिबरेवाल ने आल इंडिया रैंक 264 तथा ईडब्ल्यूएस रैंक 20 प्राप्त की है। टॉप-1000 स्टूडेंट्स में एलन जयपुर के 24 स्टूडेंट्स ने स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि नेशनल रिजल्ट में टॉप-10 में एलन के 4 स्टूडेंट्स शामिल हैं। इनमें क्लासरूम स्टूडेंट राघव गोयल ने आल इंडिया रैंक-4, क्लासरूम स्टूडेंट प्रभव खंडेलवाल ने आल इंडिया रैंक-6, क्लासरूम स्टूडेंट मलय केडिया ने आल इंडिया रैंक 8 और वहीं नागिरेड्डी बालाजी ने आल इंडिया रैंक 9 प्राप्त की है। इसके अलावा हर्षित कंसल ने आल इंडिया रैंक-16, मौलिक जिंदल ने आल इंडिया रैंक-19, समीर अरविन्द पाटिल ने आल इंडिया रैंक-20, देशांक प्रताप सिंह ने रैंक-22, जत्सया जरीवाला ने रैंक-24, मयंक सोनी ने रैंक-26 प्राप्त की है। टॉप-50 में 19 स्टूडेंट्स एलन से हैं। इसके साथ ही एलन के टॉप-100 में 37 स्टूडेंट्स रहे हैं, जिनमें 31 क्लासरूम कोर्स से तथा 6 स्टूडेंट्स दूरस्थ शिक्षा से एलन से जुड़े हुए हैं।

मोगा ज्वैलर हत्याकांड व लूट का खुलासा

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब पुलिस की गैंगस्टर विरोधी टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और मोगा पुलिस ने बिहार पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग के साथ चलाए साझे ऑपरेशन में मोगा के ज्वैलर हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, मोगा में 12 जून, 2023 को पांच लोगों ने एक ज्वैलरी की दुकान के मालिक परमिन्दर सिंह को गोलियों से मौत के घाट उतार दिया था। उसकी दुकान 'एशिया ज्वैलर' से हथियारों के दम पर सोने के गहने लूट लिए थे। घटनास्थल से फरार होने से पहले आरोपित मृतक परमिन्दर सिंह का लाइसेंसी रिवॉल्वर भी ले गए थे। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने रविवार को यहां बताया कि कत्ल को अंजाम देने वालों में शामिल तीन आरोपितों को बिहार के पटना से और एक अन्य को नांदेड़, महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया है। डीजीपी यादव ने बताया कि तीन मुलजिमों की पहचान राजविन्दर सिंह उर्फ मंगा उर्फ राजू निवासी मोगा, राजवीर सिंह उर्फ अविनाश सिंह निवासी बिहार और वरुण जैड़ी उर्फ वानू निवासी जालंधर के तौर पर हुई है इन तीनों को बिहार के पटना से गिरफ्तार किया गया है।

मोदी सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : देब

हरियाणा प्रभारी बिप्लव ने बहादुरगढ़ में कार्यकर्ताओं के साथ सुनी पीएम के मन की बात

झज्जर (हि.स.)। रविवार को बहादुरगढ़ में त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद हरियाणा प्रभारी बिप्लव देब ने कार्यकर्ताओं के साथ पीएम नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम सुना। इस मौके पर कार्यकर्ताओं को उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं। इसलिए सभी कार्यकर्ता सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन को देकर सरकारी योजनाओं का लाभ उन्हें दिलाने में अहम भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह कार्यक्रम भाजपा कार्यकर्ताओं में राष्ट्र व आमजन की सेवा करने के लिए नई ऊर्जा का संचार करता है। भाजपा किसी भी रूप में कमजोर नहीं है इसलिए 2024 के चुनाव में केंद्र व हरियाणा में प्रचंड बहुमत के साथ जनता भाजपा को सरकार बनाने का आदेश देने का मन बना चुकी है। बिप्लब देब ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में 9 साल में कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन की भलाई का काम धरातल पर किया जा रहा है। प्रधानमंत्री के कड़े फैसलों के कारण आज पूरे विश्व में भारत की पहचान एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में बनी है। हरियाणा प्रभारी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि 30 जून तक देश भर में चलाए जा रहे हैं महा जनसंपर्क अभियान के तहत कार्यकर्ता लोगों के बीच जाकर उन्हें मोदी सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी देने का काम करें।

पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने कहा कि सभी कार्यकर्ता मोदी सरकार के नव वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी जन जन तक पहुंचा कर केंद्र में हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की हैट्रिक लगाने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे। नरेश कौशिक ने कहा कि आज विपक्ष के पास कोई ऐसा मुद्दा नहीं है जिसको लेकर वह जनता के बीच जाए। कार्यक्रम में पहुंचे देब का कार्यक्रम संयोजक पूर्व विधायक नरेश कौशिक, पार्टी के जिलाध्यक्ष विक्रम कादियान, जिला प्रभारी महेश चौहान, लोकसभा क्षेत्र प्रभारी आनंद सागर, भाजयुमो जिलाध्यक्ष नवीन बंटी, नप चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी, पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी, जिला महामंत्री अश्वनी शर्मा व मंडल अध्यक्ष कृष्ण चंद्र सहित आदि ने स्वागत किया। धर्मवीर वर्मा, नवीन बंटी, पार्षद राजेश तंवर, कर्मवीर शर्मा, महेश कुमार, सुरेंद्र भारद्वाज व नरेश रोहिल्ला भी मौजूद रहे।

बार-बार आ रहे भूकंप के चलते पहाड़ी जिले में अलर्ट जारी

जम्मू (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों से बार-बार आ रहे भूकंप के चलते एडीसी भद्रवाह दिलमीर चौधरी ने पहाड़ी जिले में अलर्ट जारी किया है। उन्होंने कहा कि अब तक आए रहे इन भूकंपों के झटकों से किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। एडीसी ने कहा जिला मजिस्ट्रेट डोडा विशेष पॉल महाजन ने पहले ही लोगों को उन संरचनाओं में प्रवेश नहीं करने की सलाह जारी की है जिनमें दरारें विकसित हुई हैं और स्कूल अधिकारियों को स्कूल परिसर में खुले में कक्षाएं लेने की सलाह दी है। गौरतलब है कि लद्दाख में रविवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.3 मापी गई। सुबह करीब 8.28 पर लेह-लद्दाख से 279 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसके अलावा शनिवार रात भी लद्दाख में रिक्टर पैमाने पर 4.5 तीव्रता का भूकंप रात 9 बजकर 44 मिनट पर आया था। इसके बाद डोडा में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

कानून-व्यवस्था व अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरेगी कांग्रेस

चंडीगढ़, 18 जून (हि.स.)। पंजाब विधानसभा का दो दिवसीय सत्र हंगामेदार हो सकता है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने विधायकों के साथ मंत्रणा करके सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की रणनीति बना ली है। इस सत्र के दौरान कांग्रेस द्वारा सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आआपा) की सरकार को प्रदेश की कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा जाएगा। प्रदेश में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा। नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा सत्र शुरू होने से पहले ही आप्रेशन लोटस का मुद्दा उठा चुके हैं। पिछले साल आआपा सरकार ने भाजपा पर पंजाब में आप्रेशन लोटस चलाने का आरोप लगाते हुए कहा था कि आआपा विधायकों को 25-25 करोड़ का लालच देकर समर्थन मांगा जा रहा है। इस मुद्दे पर वित्त मंत्री हरपाल चीमा के नेतृत्व में आआपा विधायकों ने पुलिस महानिदेशक से मुलाकात करके उन्हें शिकायत भी दी थी। मोहाली में आआपा विधायकों द्वारा एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। आप्रेशन लोटस की चर्चाओं के बीच आआपा सरकार ने 27 सितंबर 2022 को विशेष सत्र बुलाकर सदन में बहुमत हासिल किया था। प्रताप बाजवा ने विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवा को पत्र लिखकर आप्रेशन लोटस पर एक्शन टेकर रिपोर्ट सदन में पेश करने की मांग की है। बाजवा के अनुसार इस मुद्दे पर भाजपा पर कई तरह के आरोप लगाए गए थे लेकिन पंजाब के लोग हकीकत को जानना चाहते हैं। इस मामले में आजतक कितने लोगों को पकड़ा गया है और क्या कार्रवाई की गई है, यह बताना जरूरी है। इस सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा विधायक माणुके के कोठी विवाद को उठाएंगे। एक एनआरआई महिला के मकान पर कथित कब्जे को लेकर निशाने पर आई आप विधायक से सवाल किए जा रहे हैं। इसके अलावा पंजाब के कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारूचक्क प्रकरण को दबाने के मुद्दे पर भी कांग्रेस द्वारा आआपा सरकार की घेराबंदी की जाएगी।

अमरनाथ यात्रा से पहले जम्मू,पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग : यात्री कार पर हमला, नकदी लूटी, चालक घायल

कठुआ (हि.स.)। जम्मू पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर खरोट मोड़ के समीप दिनदहाड़े तीन बाइक सवार युवकों ने एक दंपति सवार टैक्सी गाड़ी के चालक पर हमला बोल दिया। यही नहीं बाइक सवार युवकों ने गाड़ी के शीशे तोड़ने के अलावा चालक को बुरी तरह से पीटा और कार के भीतर रखे दस हजार की नकदी भी ले गए। जानकारी के अनुसार पंजाब के पठानकोट से एक दंपति टैक्सी में सवार होकर माता वैष्णो देवी कटरा के लिए जा रहे थे। तभी अचानक राष्ट्रीय राजमार्ग खरोट मोड़ के समीप मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों ने कार पर पथराव करना शुरू कर दिया। जिसके बाद टैक्सी चालक घबरा गया और उसने गाड़ी रोकने के बजाय गाड़ी को तेज कर दिया। वही जब टैक्सी चालक जीएमसी कठुआ के सामने पहुंचा तो राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माण कार्य के चलते जाम की वजह से कार की रफ्तार धीमी हो

गई। और मोटरसाइकिल सवार तीन युवक कार के पास पहुंच गए। उन्होंने गाड़ी के शीशे तोड़े और चालक को पीटा और कार के भीतर रखे दस हजार की नकदी भी ले गए।स्थानीय लोगों की मदद से दो आरोपियों को पकड़ा गया जबकि एक फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल चालक रवि कुमार पुत्र राम सिंह निवासी सुजानपुर पठानकोट को उपचार के लिए जीएमसी कठुआ पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे उपचार दिया। वही टैक्सी के मालिक सुजानपुर निवासी जसविंदर सिंह ने कहा कि अगर दिनदहाड़े इस तरह की वारदात होंगी तो फिर बाहर से आने वाले पर्यटक कैसा महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि आरोपियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और उनके हुए नुकसान की भरपाई होनी चाहिए। गौरतलब हो कि 1 जुलाई से श्री अमरनाथ जी यात्रा शुरू होने वाली है। यूटी प्रशासन द्वारा यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है, लेकिन यात्रा से पहले ही लूट की वारदात से सुरक्षा पर सवालिया निशान लगा है। आगामी यात्रा के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर अगर यात्रियों के साथ इस तरह का व्यवहार होता है तो देशभर में जम्मू कश्मीर की छवि खराब हो सकती है।

गुरुरुद्वारा एक्ट 1925 में एक नई धारा जोड़ेगी पंजाब सरकार : भगवंत मान

चंडीगढ़, 18 जून (हि.स.)। पंजाब सरकार ने सिख गुरुद्वारा एक्ट 1925 में एक नई धारा जोड़ने का संकेत दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को इस संबंध में एक ट्वीट किया है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट करके कहा कि परमात्मा के आशीर्वाद से हम सोमवार को एक ऐतिहासिक फैसला लेने जा रहे हैं... लोगों की मांग के मुताबिक हम सिख गुरुद्वारा एक्ट 1925 में एक नई धारा जोड़ने जा रहे हैं कि गुरबानी का प्रसारण हरिमंदर साहिबजी से सभी के लिए निःशुल्क हो जाएगा। मुख्यमंत्री मान ने लिखा कि इसके लिए किसी तरह का टेंडर अनिवार्य नहीं होगा और इस संबंध में 20 जून को विधानसभा में कैबिनेट में प्रस्ताव पेश किया जाएगा। इस मुद्दे पर अकाली दल के वरिष्ठ नेता व पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट किया कि मुख्यमंत्री, आपका ये निर्णय असंवैधानिक है और सिख समुदाय की धार्मिक गतिविधियों में सीधा हस्तक्षेप है। सिख गुरुद्वारा अधिनियम संसद के अधीन है। सिख समुदाय ने संसद के इस अधिनियम के तहत गुरु घर के संबंध में निर्णय लेने के लिए मतदान के माध्यम से शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का चुनाव किया है। क्या उपरोक्त समिति ने इस संबंध में ऐसा कोई प्रस्ताव पारित किया है ? उसके बिना संसद भी एक एक्ट में संशोधन नहीं कर सकती। केजरीवाल के आदेश से किए जा रहे इस पंथ विरोधी कार्य को सिख कौम कभी भी बर्दाश्त नहीं करेंगी।

अब रेलवे सेक्टर में उतरे गौतम अडाणी : ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग बिजनेस में एंट्री, ट्रेनमैन प्लेटफॉर्म खरीदेगा अडाणी ग्रुप

मुंबई।
अडाणी ग्रुप अब रेलवे सेक्टर में कदम रखने की तैयारी कर रहा है। अडाणी एंटरप्राइजेज जल्द ही ऑनलाइन ट्रेन टिकटों की सेल करेगी। अडाणी एंटरप्राइजेज ने स्टॉक एक्सचेंज को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि वो स्टार्क एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड में 100प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी।

अडाणी एंटरप्राइजेज ने बताया, अडाणी डिजिटल लैब्स प्राइवेट लिमिटेड ने स्टार्क एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड में 100प्रतिशत हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण के संबंध में शेयर परचेज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि, दोनों कंपनियों के बीच ये डील कितने में हुई है, इसकी जानकारी अभी नहीं मिली है। अडाणी डिजिटल लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, अडाणी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी है।

स्टार्क एंटरप्राइजेज को ट्रेनमैन के नाम से भी जाना जाता है – स्टार्क एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड को ट्रेनमैन के नाम से भी जाना जाता है। गुरुग्राम बेस्ड स्टार्क एंटरप्राइजेज ऑपरेट करता है। आईआईटी –रुड़की के ग्रैजुएट विनीत चिरानिया और करण कुमार ट्रेनमैन के फाउंडर है। ये इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन अधिकृत ट्रेन टिकट बुकिंग स्टार्ट–अप है। इस ऑल–इन–वन ट्रेन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म के जरिए ट्रेन टिकट बुकिंग के अलावा आप पीएनआर स्टेटस, कोच की पोजिशन, ट्रेन का लाइव स्टेटस और सीट की अवेलेबिलिटी जैसी जानकारी हासिल कर सकते हैं।

चार महीने में अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 100प्रतिशत चढ़े – फरवरी 2023 के आखिरी में हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के कारण भारी बिकवाली के बाद अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर हस्थ्व पर लगभग 1,195 के निचले स्तर पर आ गए थे। यहां से वापसी करते हुए अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत 2500 के पार हो गई है। चार महीने से भी कम समय में कंपनी के शेयर 100प्रतिशत से ज्यादा चढ़े हैं।

आईआरसीटीसी का शेयर शुक्रवार को 666 के स्तर पर बंद हुआ – दूसरी ओर, आईआरसीटीसी के शेयर की कीमत नवंबर 2022 में शुरुआत के बाद से बेस बिल्डिंग मोड के तहत बनी हुई है। हालांकि, आईआरसीटीसी के शेयर ने पिछले एक महीने में लगभग 9प्रतिशत का रिटर्न दिया है। हाल ही में आईआरसीटीसी के शेयर ने 645 प्रति शेयर के स्तर पर ब्रेकआउट दिया है और शुक्रवार को इसका शेयर हस्थ्व पर 666 के स्तर पर बंद हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

मांग में तेजी से तेल तिलहनों में सुधार का रुख रहा

नई दिल्ली । खाने के तेलों की मांग निकलने से दिल्ली तेल–तिलहन बाजार में अधिकांश तेल–तिलहन कीमतों में सुधार दिखाई दिया जिससे मूंगफली तेल तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन, बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया जबकि ऊंचे पर कम बिकवाली के बीच सरसों तेल–तिलहन और किसानों द्वारा नीचे भाव पर बिकवाली कम करने और डी–आयल्ड केक (डीओसी) के दाम मजबूत होने से सोयाबीन तेल के भाव पूर्वस्तर पर बंद हुए। तेल–तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे– सरसों तिलहन 4,845–4,945 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,625–6,685 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,550 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,470–2,745 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,450 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,605 –1,685 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,605 –1,715 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900–21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,300 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला–8,550 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स–कांडला 8,450 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,100 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 9,500 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला 8,650 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 5,240–5,305 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 5,005–5,080 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

2000 रुपए के नोट वापस लेने का असर: बाजार में लगातार कम हो रही नकदी, 83 हजार करोड़ घटकर 32.88 लाख करोड़ रुपए रह गई

नई दिल्ली। आरबीआई द्वारा 2000 रुपए के नोट वापस लेने के ऐलान के बाद बाजार में लगातार नकदी कम हो रही है।

आरबीआई के अनुसार 2 जून तक लोगों के पास नकदी कुल नकदी 83,242 करोड़ रुपए घटकर 32.88 लाख करोड़ रुपए रह गई है। 2 जून को खत्म पखवाड़े में बैंक डिपॉजिट की राशि 3.26 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 187.02 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 19 मई, 2023 को खत्म पिछले पखवाड़े में बैंक डिपॉजिट की राशि 59,623 करोड़ रुपए घटकर 183.74 लाख करोड़ रुपए रह गई थी। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने 8 जून को बताया था कि 1.8 लाख करोड़ रुपए के मूल्य के 2,000 रुपए के नोट सिस्टम में वापस आ गए हैं। उन्होंने कहा था कि ये नोट कुल सर्कुलेशन का करीब 50प्रतिशत है। आरबीआई ने 19 मई को नोट वापस लेने की घोषणा करते हुए बताया था कि 31 मार्च तक 2,000 रुपए के नोटों का कुल मूल्य 3.62 लाख करोड़ रुपए था।

भारत-ब्रिटेन एफटीए दोनों देशों के हित में होना चाहिए: फिक्की प्रमुख पांडा

लंदन । भारत के प्रमुख व्यापार निकाय फिक्की ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को लेकर यह

सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वे समान अवसर प्रदान करे। भारत–ब्रिटेन एफटीए के लिए हाल में 10वें दौर की वार्ता पूरी हुई है। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के अध्यक्ष सुभ्रकांत पांडा ने कहा कि यह एफटीए दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद होना चाहिए। लंदन की यात्रा पर आए पांडा ने यहां व्यापारियों और सांसदों से चर्चा के दौरान कहा कि जहां तक भारतीय व्यवसायों का मामला है, हम प्रतिस्पर्धी, आत्मविश्वास से भरपूर और दुनिया से जुड़ने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि एफटीए को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वे समान अवसर प्रदान करें और नियम–आधारित हों। यह देने और लेने के बारे में है। स्पष्ट रूप से दोनों सरकारें गहन विचार–विमर्श में लगी हुई हैं और 10 दौर पूरे हो चुके हैं। इसलिए मैं यह कहूंगा कि दोनों सरकारों को साझा जमीन तलाशनी होगी क्योंकि यह समझौता सभी के लिए फायदेमंद होना चाहिए।

पेरिस में मिले दुनिया के दो सबसे अमीर व्यक्ति

एलन मस्क की मां और बर्नार्ड अरनॉल्ट के बेटे भी मौजूद रहे, हाल ही में राष्ट्रपति मैक्रॉन से मिले थे मस्क

पेरिस।
दुनिया के दो सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क और बर्नार्ड अरनॉल्ट ने पेरिस में मुलाकात की और साथ में लंच किया। इस दौरान एलन मस्क की मां मेय मस्क और बर्नार्ड अरनॉल्ट के दो बेटे एंटोनी और एलेक्जेंडर अरनॉल्ट भी मौजूद रहे। इस मुलाकात के दौरान एलन मस्क और बर्नार्ड अरनॉल्ट के बीच किस बात को लेकर चर्चा हुई इसके बारे में कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं किया गया है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में अनुमान लगाया जा रहा है कि दोनों के बीच सोशल मीडिया, एडवरटाइजिंग सहित अन्य चीजों के बारे में चर्चा हुई होगी।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं मस्क

टेस्ला, स्पेसएक्स और ट्वीटर के मालिक एलन मस्क कुल नेटवर्थ 233 बिलियन डॉलर (करीब 19.08 लाख करोड़ रुपए) है, जो दुनिया के सबसे अमीर लोगों की इस लिस्ट में टॉप पर हैं।

वहीं दुनिया के सबसे बड़े फैशन ग्रुप लुई विताॅ मोएट हेनेसी के सीईओ बर्नार्ड अरनॉल्ट की कुल नेटवर्थ 202 बिलियन डॉलर (करीब 16.54 लाख करोड़ रुपए) है। बर्नार्ड इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर मौजूद है।

हाल ही में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन से मिले थे मस्क

फ्रांस की यात्रा के दौरान हाल ही में एलन मस्क ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन से भी मुलाकात की थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मस्क ने इमैनुएल से फ्रांस में टेस्ला की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने को लेकर चर्चा की है। मस्क से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने दोनों के बीच हुई मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए लिखा,लेट्स वर्क टुगेदर!

स्मार्ट टीवी के लिए वीडियो ऐप लॉन्च करेगा ट्विटर: 2 घंटे का वीडियो अपलोड कर सकते हैं ब्लू वेरिफाइड सब्सक्राइबर्स

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर जल्द स्मार्ट टीवी के लिए वीडियो ऐप लॉन्च करेगा। इसकी जानकारी खुद ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने दी। दरअसल, एस–एम रॉबिन्सन नाम के यूजर ने ट्विटर के एक ट्वीट पर रिप्लाई करते हुए लिखा,स्मार्ट टीवी के लिए हमें वास्तव में एक ट्विटर वीडियो ऐप की जरूरत है। मैं ट्विटर पर एक घंटे का वीडियो नहीं देख रहा हूं। इसी ट्वीट पर रिप्लाई करते हुए मस्क ने लिखा,इट्स कमिंग। हालांकि, उन्होंने कंफर्म डेट नहीं बताई को ऐप कब तक लॉन्च होगा। इसके साथ ही ऐप कैसे काम करेगा क्या उसमें सिर्फ ट्वीटर के वीडियो देखने को मिलेंगे या फिर ट्वीट भी दिखाई देंगे। ट्विटर पर ब्लू वेरिफाइड सब्सक्राइबर्स 2 घंटे तक का वीडियो अपलोड कर सकते हैं। इस फीचर को पिछले महीने ही रोल आउट किया गया है। हालांकि, यूजर्स मैक्सिमम 8जीबी तक का ही वीडियो अपलोड कर सकते हैं। इससे पहले ये यूजर्स प्लेटफॉर्म पर 1 घंटे (मैक्सिमम 2 जीबी) तक का वीडियो अपलोड कर सकते थे। वहीं, नॉन–ब्लू टिक सब्सक्राइबर अभी ट्विटर पर केवल 140 सेकंड (2 मिनट, 20 सेकंड) तक का वीडियो अपलोड कर सकते हैं। ट्विटर जल्द ही अपने प्लेटफॉर्म पर वेरिफाइड कॉन्टेंट क्रिएटर्स को पेमेंट करना शुरू करेगी। हाल ही में एलन मस्क ने ट्वीट कर कहा था, कुछ हफ्तों में क्रिएटर्स के रिप्लाई में दिखाए जाने वाले ऐड्स के लिए उन्हें पेमेंट करना शुरू करेगा। क्रिएटर्स को फर्स्ट ब्लॉक में टोटल 5 मिलियन डॉलर (41 करोड़ रुपए) का पेमेंट किया जाएगा। मस्क ने आगे कहा, ध्यान दें, पेमेंट वेरिफाइड क्रिएटर्स को किया जाएगा और वो भी वेरिफाइड यूजर्स द्वारा ऐड देखे जाने पर ही यह मान्य होगा। भारत में एंड्रॉयड और आईओएस वाले मोबाइल यूजर्स के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस की कीमत 900 रुपए प्रति महीना है। वेब यूजर्स ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस 650 रुपए महीने में ले सकते हैं। मस्क 2023 के अंत तक ट्विटर को फाइनेंशियली मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने रेवेन्यू बढ़ाने के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस को मॉडिफाई किया है।

माइक्रोन सीईओ ने तकनीकी उन्नति के लिए पीएम मोदी के विजन को सराहा, कहा- यात्रा के लिए उत्सुक

वाशिंगटन।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले माइक्रोन टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय मेहरोत्रा ने भारत की तकनीकी प्रगति के लिए पीएम मोदी के दृष्टिकोण की सराहना की। अमेरिका में भारत के दूतावास द्वारा साझा किए गए वीडियो में संजय मेहरोत्रा ने कहा है कि वह पीएम मोदी की राजकीय यात्रा का इंतजार कर रहे हैं और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम अपने वैश्विक पदचिह्न के हिस्से के रूप में भारत में बहुत संभावनाएं देखते हैं। भारतीयों ने हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी है, चाहे वह निजी क्षेत्र में हो, शिक्षा या सरकार दुनिया भर के देशों के सांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध कर रही हो।

उन्होंने आगे कहा कि युवाओं के कौशल में निवेश कर भारत की अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों की प्रशंसा की जाती है।

20 जून को पहली राजकीय यात्रा पर रवाना होंगे पीएम मोदी

पीएम मोदी 20 जून को अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर रवाना होंगे। पीएम मोदी यात्रा के पहले दिन न्यूयॉर्क में होंगे यहां वह 21 जून को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाएंगे। न्यूयॉर्क में योग दिवस मनाने के बाद पीएम मोदी फिर वाशिंगटन डीसी जाएंगे, जहां 22 जून को व्हाइट हाउस में उनका औपचारिक स्वागत किया जाएगा और उच्च स्तरीय संवाद जारी रखने के लिए राष्ट्रपति बाइडन से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रपति बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन उसी शाम प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में एक राजकीय रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी और सीनेट के अध्यक्ष चार्ल्स शूमर सहित अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं के निमंत्रण पर, पीएम मोदी 22 जून को अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे।

अबॉर्शन के भ्रामक विज्ञापनों से गूगल ने कमाए 81 करोड़: हजारों लोगों को फर्जी क्लीनिकों की वेबसाइट बताईं, क्राइसिस प्रेगनेंसी सेंटरों की तरफ मोड़ा

मुंबई।
सर्च इंजिन गूगल ने अमेरिका में एबॉर्शन और प्रेगनेंसी के संबंध में सर्च करने वाले हजारों लोगों को फर्जी क्लीनिकों की वेबसाइटों का रास्ता दिखाकर करोड़ों रुपए कमाए हैं। एक नई स्टडी में बताया गया है कि ये क्लीनिक अबॉर्शन और मेडिकल सेवाएं मुहैया नहीं कराते हैं। गूगल ने एबॉर्शन टर्म सर्च करने वाले यूजरों को तथाकथित क्राइसिस प्रेगनेंसी सेंटरों के विज्ञापनों की ओर मोड़ दिया। ये सेंटर अबॉर्शन कराने की बजाय लोगों को ऐसा कराने से रोकते हैं। गलत जानकारी का पता लगाने वाले संगठन काउंटरिंग डिजिटल हेट सेंटर के सीइओ इमरान अहमद ने बताया कि जांच रिपोर्ट फर्जी हेल्थ केयर क्लीनिकों और झूठी जानकारी फैलाने वाले समूहों की भ्रामक एडवरटाइजिंग की तस्वीर पेश करती है।

गूगल की विज्ञापनों से सालाना 16 लाख करोड़ की कमाई – स्टडी में बताया गया है कि हर साल विज्ञापनों से 16 लाख करोड़ रुपए कमाने वाले गूगल को नकली अबॉर्शन क्लीनिकों के भ्रामक विज्ञापनों से दो साल में 81 करोड़ रुपए से अधिक आय हुई है। क्राइसिस

प्रेगनेंसी सेंटरों के नाम से गर्भपात विरोधी सेंटर लंबे समय से चल रहे हैं। 2022 में इनकी संख्या वास्तविक अबॉर्शन क्लीनिकों से अधिक हो गई। क्राइसिस सेंटर लोगों को गलत जानकारी देते हैं कि अबॉर्शन कराने से कैंसर और अन्य बीमारियां हो सकती हैं। अमेरिकियों ने हर साल अबॉर्शन के संबंध में दस करोड़ से अधिक सर्च किए हैं। लेकिन रिसर्चर्स का कहना है, गूगल एडवरटाइजिंग ने यूजरों को पेज में टॉप पर लगे विज्ञापनों पर भेजकर मुख्य भूमिका अदा की है।

188 फर्जी क्लीनिक – खबरें हैं कि एनालिटिक्स टूल सेमरश का इस्तेमाल कर शोधकर्ताओं ने पिछले दो साल में गूगल सर्च पर विज्ञापन देने वाली 188 फर्जी क्लीनिकों की साइट का पता लगाया है।

42 करोड़ फोन में स्पाइवेयर, 105 ऐप के जरिए फैला : इंडियन कम्प्यूटर इमरजेंसी रेस्पॉन्स टीम ने आगाह किया; केंद्र ने एडवाइजरी जारी की

नई दिल्ली।
हम अकसर गूगल प्ले स्टोर से कई तरह के ऐप डाउनलोड करते रहते हैं। ऐसा करना कितना खतरनाक हो सकता है, इसका अंदाजा आपको इस खबर को पढ़कर हो जाएगा। इंडियन कम्प्यूटर इमरजेंसी रेस्पॉन्स टीम (सर्ट–इन) ने एक ऐसे स्पाइवेयर को खोज निकाला है, जो न सिर्फ फोन में मौजूद ईमेल आदि से जानकारियां चुराता है, बल्कि फोन के कैमरे का इस्तेमाल कर रिकॉर्डिंग भी करता है।

जहां घर में फोन रखा हो, उसके आसपास होने वाली बातें सुनता है। यह स्पाइवेयर देश के 42 करोड़ एंड्रॉयड फोन में पहुंच चुका है। इसका नाम है 'स्पिन ओके', जो गूगल प्ले स्टोर में मौजूद 105 ऐप के जरिए फोन तक पहुंचा है। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने सभी मंत्रालयों के स्टाफ को अपने मोबाइल फोन से

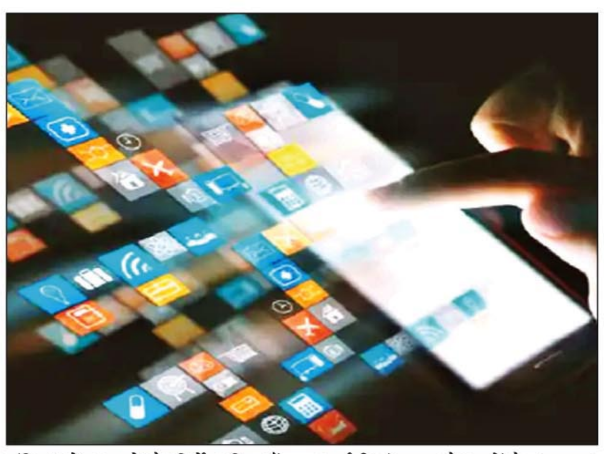

संदिग्ध ऐप हटाने के निर्देश दिए हैं, ताकि राष्ट्रीय हित से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं लीक न हों।

डिलीट किया गया कंटेंट भी खुद ही हासिल कर लेता है – आईटी मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, 'स्पिन ओके' बेहद खतरनाक है। यह बहुत कम समय में ही 42 करोड़ फोन तक पहुंचा है। यह ऐप के जरिए फोन में आता है और फिर जावा स्क्रिप्ट कोड के जरिए धीरे–धीरे कैपेसिटी बढ़ाता है। फोन में मौजूद डेटा की कॉपी कर उसे अज्ञात रिमोट सर्वर रूम तक पहुंचाता है। इतना ही नहीं, यह फोन से डिलीट कर दी गई फाइलों को भी हासिल कर लेता है। यह फोन में मौजूद फाइलों में बदलाव भी कर सकता है। फोन के कैमरे का अपने आप ही इस्तेमाल करता है।

कैसे पता करें कि फोन में स्पाइवेयर है या नहीं – अलग–अलग विशेषज्ञों ने इस स्पाइवेयर से बचने के कुछ तरीके सुझाए हैं। कई बार हम महसूस करते हैं कि फोन में बार–बार विज्ञापन बिना किसी वजह के खुल जाते हैं। ऐसे में पूरी आशंका है कि आपके फोन में स्पाइवेयर हो सकता है। इसलिए पिछले कुछ महीनों में डाउनलोड किए गए ऐप को अनइंस्टॉल करना ही बेहतर होगा।

बाजरा पर ध्यान देने और 18 देशों को गेहूं निर्यात करने पर भारत की तारीफ, यूएन कृषि कोष प्रमुख ने कही यह बात

नई दिल्ली।
कृषि विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र कोष ने बाजरा पर फिर से ध्यान केंद्रित करने और यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर पिछले साल भोजन की भारी कमी का सामना करने वाले 18 देशों को 18 लाख टन गेहूं का निर्यात करने के लिए भारत की सराहना की। अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी) के अध्यक्ष अलवारो लारियो ने यह भी कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता में वैश्विक खाद्य प्रणालियों को बदलने की क्षमता है।

क्योंकि कुछ क्षेत्र जिस पर नई दिल्ली का ध्यान केंद्रित है, संयुक्त राष्ट्र निकाय की प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं।

प्रसिद्ध विकास वित्त विशेषज्ञ लारियो ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारतीय विशेषज्ञता वैश्विक दक्षिण में अन्य देशों के कृषि और ग्रामीण विकास का समर्थन कर सकती है। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन में युद्ध के मद्देनजर पिछले साल अनाज की भारी कमी का सामना कर रहे 18 देशों को भारत द्वारा 18 लाख टन गेहूं के निर्यात करने की भी सराहना करते हैं। लारियो जी–20 कृषि मंत्रियों की 15 से 17 जून को आयोजित बैठक में भाग लेने के लिए भारत में थे।

आईएफएडी संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो कई गरीब और कमजोर देशों में गरीबी, भूखमरी और खाद्य असुरक्षा से लड़ने में मदद करने के लिए परियोजनाओं के वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। लारियो ने कहा, भारत ने दक्षिण–दक्षिण सहयोग में विचारशील नेतृत्व दिखाया है। मैं इसकी बहुत सराहना करता हूं। इनमें से एक

उदाहरण बाजरा के पुनरुद्धार पर भारत का फिर से ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने कहा, हमने देखा है कि जलवायु परिवर्तन के अनुकूल किसानों के लिए बाजरा एक महत्वपूर्ण फसल है। यह देखते हुए कि किसान सूखे की समस्या से जूझ रहे हैं और दुनिया के कुछ सबसे गरीब और सबसे दूरस्थ भागों में पोषण सुनिश्चित करने के लिए बाजरा एक अच्छा विकल्प है। आईएफएडी अध्यक्ष ने कहा कि भारत वैश्विक खाद्य प्रणालियों को बदलने के लिए अपनी जी–20 अध्यक्षता के तहत वैश्विक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा, भारत की जी–20 अध्यक्षता में खाद्य प्रणालियों को बदलने की क्षमता है। इनकी खाद्य प्रणाली में लोगों को खिलाने और पोषण करने के सभी पहलू जैसे– उगाना, कटाई, पैकेजिंग, प्रसंस्करण, परिवहन, विपणन और भोजन का उपभोग करना शामिल है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में खाद्य प्रणालियों को पूरी तरह से बदल दिया गया है, जिसने वर्षों की प्रगति को उलट दिया है और उनकी कमजोरियों को उजागर किया है।कोविड–19 महामारी, यूक्रेन युद्ध और जलवायु परिवर्तन ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित किया है जिससे अफ्रीकी देशों में खाद्य संकट पैदा हो गया है। आईएफएडी के अध्यक्ष ने यह भी कहा कि छोटे स्तर के किसान निम्न और मध्यम आय वाले देशों में उपभोग किए जाने वाले भोजन का 70 प्रतिशत तक उत्पादन करते हैं और वे अक्सर जलवायु परिवर्तन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं का खामियाजा भुगतते हैं।

जीएसटी चोरी रोकने के लिए सीबीआई के प्रस्ताव पर होगा विचार; सत्यापन की व्यवस्था की जा सकती है लागू

नई दिल्ली । अगले महीने होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में कर चोरी रोकने के लिए सीबीआईसी के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। इसके तहत जीएसटी रिटर्न दाखिल करने वाली प्रणाली में अतिरिक्त सत्यापन की व्यवस्था की जा सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कर चोरी और फर्जी इनपुट से क्रेडिट दावे को रोकने के लिए इस योजना का परीक्षण किया जाएगा। बता दें कि केंद्रीय एजेंसियों ने एक विशेष अभियान के तहत नवंबर 2020 में 62 हजार करोड़ रुपए के फर्जी आईटीसी दावों का पता लगाया था। इस मामले में 776 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। ऐसे में राजस्व को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए जीएसटी परिषद कुछ अतिरिक्त सत्यापन उपाय जोड़ने की योजना पर विचार कर रही है। इसका मकसद आईटीसी लाभ का दावा करने और सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने के लिए नकली बिल जारी करने वालों पर अंकुश लगाना है।

मनीष पॉल ने 4 माह में 10 किलो वजन बढ़ाया, फिर 15 किलो घटा दिया

मनीष ने चक्कर के लिए फि ज़िकल ट्रांसफॉर्मेशन किया

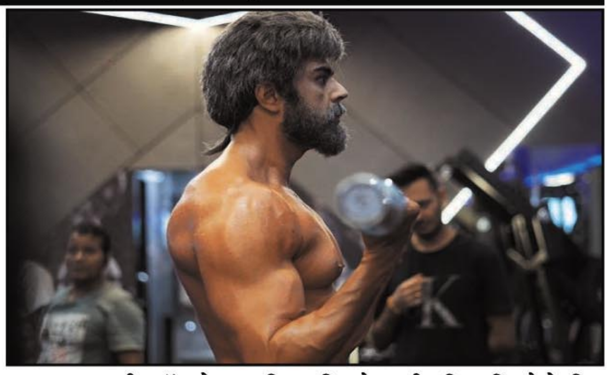

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर मनीष पॉल ने अपनी पहली वेब सीरीज रफूचक्कर के लिए आश्चर्यजनक फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है। पूरे शो में पांच अलग-अलग लुक वाले एक ठग की भूमिका निभाने के लिए मनीष को वजन बढ़ाने और घटाने के साथ-साथ अपने किरदार के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। रफूचक्कर के हाल ही में लॉन्च किए गए ट्रेलर ने शो में मनीष पॉल के विभिन्न अवतारों की झलक पेश की, जहां एक लुक के लिए उन्हें एक मोटे पेट वाले, अधेड़ उम्र के व्यक्ति की तरह दिखने के लिए वजन बढ़ाने की आवश्यकता थी, वहीं एक और बेहद विपरीत लुक ने उन्हें एक बॉडी बिल्डर के रूप में चित्रित किया। हर लुक में सही से ढलने के लिए मनीष ने चार महीनों में प्रभावी ढंग से वजन बढ़ाने और घटाने के लिए कठोर कसरत और डाइट का पालन किया। 10 किलो वजन बढ़ाने के लिए मनीष पॉल ने सभी बंदिशों को छोड़ दिया और दो महीने तक खाने पर जोर दिया। उसके बाद न केवल वजन कम करने बल्कि मसल्स गेन और रिप्ड बॉडी बनाने में उनको ढाई महीने का समय लगा। मनीष पॉल ने कहा कि मैं हमेशा से फिटनेस के प्रति उत्साही रहा हूं, हालांकि मैं जिम फ्रीक नहीं हूं, लेकिन मैं स्वस्थ शरीर के लिए काम करता रहा हूं, लेकिन रफूचक्कर ने मुझे शारीरिक परिवर्तन की एक रोलर कोस्टर सवारी पर डाल दिया। जैसे कि मैंने एक ठग की भूमिका निभाई है, मेरे पांच अलग-अलग रूप और अवतार हैं। पवन कुमार बावरिया के रूप में एक लुक के लिए अपने फिट-स्वस्थ शरीर को छोड़कर मुझे एक साधारण मध्यम वर्ग और अधेड़ उम्र के आदमी की तरह दिखना था, जिसके लिए मैंने 10 किलोग्राम वजन बढ़ाया। एक और लुक के लिए मुझे जिम ट्रेनर की भूमिका निभाने के लिए वजन कम करने के साथ-साथ मसल्स भी बढ़ानी थीं। चूंकि मैंने तभी हाल में ही जुगजग जीयो खत्म किया था, मेरे पास इन कठोर परिवर्तनों को करने के लिए मुश्किल से चार महीने थे, जबकि दुनिया मनीष पॉल को मजाकिया, सहज और विनोदी मेजबान और अभिनेता के रूप में जानती और प्यार करती है। वह अपनी पहली डिजिटल सीरीज रफूचक्कर में अपने अनदेखे और अद्भुत अवतार से सभी के होश उड़ाने के लिए तैयार हैं, जो 15 जून से जिओ सिनेमा पर स्ट्रीम होना शुरू हो रहा है।

अभिनेत्री कियारा बालीवुड में 9 साल पूरे करने पर फैंस से वर्चुअली जुड़ीं

मुंबई (ईएमएस)। अपनी पहली फिल्म फगली के नौ साल पूरे होने के साथ कियारा अडवाणी ने इंडियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 9 सफल वर्ष पूरे कर लिए हैं। अपने करियर के दौरान कियारा ने न केवल विभिन्न और प्रभावशाली भूमिकाओं के साथ अपनी वर्सटैलिटी स्थापित की है, बल्कि हर कदम के साथ सुपरस्टारडम भी हासिल किया है। काफी कम समय में इस मुकाम को हासिल कर आज वह देश की सबसे टॉप अभिनेत्रियों में से एक हैं। पिछले कुछ सालों में कियारा ने इस विशेष दिन का जश्न मनाने के लिए अपने फैन्स के साथ बातचीत की और वर्चुअल रूप से उनसे मिली। नौ साल की अवधि में कियारा अडवाणी ने विभिन्न भाषाओं और प्लेटफार्मों पर लगभग 15 फिल्में दी हैं। अभिनेत्री ने स्पेशल एपियरेंस के साथ वेब शो में भी कदम रखा है और चार्टबस्टर संगीत वीडियो का भी हिस्सा रह चुकी हैं। कुल 25 ब्रैंड्स की एंबेसेडर कियारा मार्केट में बेहद मशहूर है और बड़े से बड़े ब्रैंड्स उन्हें पाने की कोशिश में लगे रहते हैं, जो उनके सुपरस्टार्डम का एक प्रतीक है। वर्तमान में फिल्म निमार्ताओं और अभिनेताओं द्वारा सबसे अधिक मांग वाली स्टार में से एक कियारा अडवाणी एक बड़ी फैन-फॉलोइंग के साथ देश की सबसे पसंदीदा भी हैं। उल्लेखनीय परफॉर्मन्सेस के साथ प्रभावशाली और यादगार भूमिकाएं देते हुए कियारा अडवाणी अपने पात्रों के नामों से जानी जाती हैं। प्रीति, डिंपल से लेकर अब आने वाली कथा तक, कियारा अडवाणी ने आइडियल वुमन होने के साथ-साथ क्वीन ऑफ रोमांस का खिताब भी हासिल किया है। पर्दे के साथ-साथ, ऑफ स्क्रीन मूव्स से भी तहलका मचाते हुए कियारा ने पिछले नौ वर्षों में एक प्रेरणादायक यात्रा की है। ड्रीमगर्ल, गोल्डन गर्ल ऑफ बॉलीवुड जैसी खिताब पाने के बाद क्वीन ऑफ रोमांस के रूप में अपना नाम बनाने तक, कियारा की एक के बाद एक सफल फि ल्में देख उन्हें मिडास टच के लिए भी जाना जाता है। शेरशाह के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सबसे बड़ी हिट देने से लेकर भूल भुलैया-2 के साथ बॉलीवुड पर चल रहे सूखे दौर को खत्म करने तक, कियारा हर कदम पर नए रिकॉर्ड स्थापित कर रही हैं। कियारा अडवाणी अनस्टॉपेबल हैं! वर्तमान में सत्यप्रेम की कथा की रिलीज के लिए तैयार, प्रतिभाशाली अभिनेता राम चरण के साथ एस शंकर की गेमचेंजर में भी दिखाई देंगी।

मनीषा बिग बॉस ओटीटी 2 में प्रवेश के लिए तैयार

-सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाला है यह शो

मुंबई (ईएमएस)। सोशल मीडिया प्रभावकार मनीषा रानी बिग बॉस ओटीटी 2 में प्रवेश करने तैयार हैं। यह शो इस सप्ताह शुरू होने वाला है। शो में अन्य पुष्टि किए गए नामों में पलक पुरस्वामी, अविनाश सचदेव, जिया शंकर और सिमा तापारिया शामिल हैं। यह शो सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाला है। मनीषा रानी बिग बॉस ओटीटी 2 की पुष्टि की गई सूची में शामिल होने वाली अगली महिला हैं। मनीषा रानी बिहार की रहने वाली एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। उन्हें बिग बॉस ओटीटी के इस सीजन की अर्चना गौतम और शहनाज गिल कहा जा रहा है। जैसे अर्चना ने अपना यूपी स्वैग दिखाया और शहनाज ने अपना पंजाबीपन दिखाया, वैसे ही मनीषा अपने बिहारी स्वैग और शो में अपनी जड़ों से विकसित हुई बुद्धिमत्ता पर ध्यान देंगी। मनीषा को आखिरी बार द कपिल शर्मा शो में देखा गया था और सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त फॉलोइंग है। वह बिहार के मुंगर की रहने वाली हैं और वाणिज्य में स्नातक हैं। उन्होंने एक कोरियोग्राफर के रूप में शुरूआत की और मॉडलिंग और लिप-सिंकिंग में अपना हाथ आजमाया। मनीषा को टिकटॉक वीडियो से प्रसिद्धि मिली और वह एक यूट्यूबर भी हैं। मनीषा रानी इससे पहले डांस इंडिया डांस में भाग ले चुकी हैं, लेकिन भोजपुरी में उनके सोशल मीडिया पोस्ट ने उन्हें जनता के बीच प्रसिद्ध कर दिया। इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर उनके 4 मिलियन से ज्यादा फैन हैं। वह अर्चना गौतम की तरह मुखर होने के लिए जानी जाती हैं। शहनाज की तरह वह भी अपने मन की बात कहने के लिए जानी जाती हैं। मनीषा हमेशा से बिग बॉस का हिस्सा बनने की इच्छुक रही हैं। यहां तक कि पिछले साल भी उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री माना गया था, लेकिन बात नहीं बनी। मनीषा पिछले साल बिहार से मुंबई चली गईं और सोशल मीडिया प्रभावकार के रूप में कई कार्यक्रमों में भाग लिया। वह इस महीने अबु धाबी में हुए आईफा अवॉर्ड्स का भी हिस्सा थीं, जहां वह स्पेशल गेस्ट के तौर पर गई थीं। बिग बॉस ओटीटी 2 का प्रीमियर 17 जून को जियोसिनेमा पर होने वाला है।

अरमान मलिक ने अपना नया सॉन्ग किया लॉन्च

हाल ही में यूट्यूबर अरमान मलिक ने अपना नया सॉन्ग लॉन्च किया है जो काफी वायरल हो रहा है। यूट्यूबर अरमान ने अपना नया सॉन्ग जहर रिलीज किया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहें हैं। इस गाने को अरमान मलिक और अयूब खान ने मिलकर डायरेक्ट किया है। गाने में अरमान के साथ वैष्णवी चौधरी नजर आ रहीं हैं। लोगों को दोनो की केमिस्ट्री पसंद आ रही है। अरमान के इस नए गाने को हरदीप खान ने अपनी आवाज दी है और इसके लिरिक्स बॉबी आलम ने लिखें हैं। वहीं गाने को शाह रेहान ने कंपोज किया है। अरमान का जहर गाना यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है। गाने को चंद घंटो में ही 150 हजार से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। अपनी दो पत्नियों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले यूट्यूबर अरमान को लोग देखना पसंद करते हैं।

हाल ही में अरमान की दोनो पत्नियों ने बच्चों को जन्म दिया था। पहली पत्नी के ट्विंस हुए और दूसरी पत्नी ने एक बेटे को जन्म दिया। मालूम हो कि यूट्यूबर अरमान मलिक अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर तो चर्चा में रहते ही हैं, लेकिन अब अरमान अपने प्रोफेशन से भी लाइमलाइट चुरा रहे हैं।

दक्षिण के अभिनेता सूर्या भी हिन्दी फिल्मों में आएंगे नजर

-कर्ण से होगा हिन्दी फिल्मों में डेब्यू

मुंबई (ईएमएस)। दक्षिण भारत के सितारों जूनियर एनटीआर, रामचरण, रवि तेजा, थलापति विजय, मेगा स्टार चिरंजीवी आदि की फिल्में हिन्दी में आईं और सफल रही हैं। अब दक्षिण के सुपर सितारों में शामिल अभिनेता सूर्या भी हिन्दी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। बताया जा रहा है कि सूर्या को लेकर निमार्ता निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा महाभारत पर आधारित फिल्म कर्ण का निर्माण करने जा रहे हैं। सूर्या इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म कंगुवा की शूटिंग में व्यस्त हैं। फैंस को इस पीरियड ड्रामा फिल्म का लंबे समय से इंतजार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रंग दे बसंती और भाग मिल्खा भाग जैसी फिल्में बना चुके राकेश ओम प्रकाश मेहरा की फिल्म कर्ण को लेकर अभिनेता से बातचीत चल रही है। ताजा जानकारी के मुताबिक राकेश और सूर्या के बीच कुछ समय से कर्ण पर चर्चा चल रही है। दावे के मुताबिक दोनों के बीच प्रोजेक्ट को लेकर बात सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि सूर्या भी दो भाग वाले इस महाकाव्य का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।सूत्र के अनुसार यह फिल्म महाभारत पर आधारित होगी, जिसमें सूर्या लीड रोल निभाते हुए दिखेंगे। इस फिल्म को पैन इंडिया लेवल पर बनाया जाएगा, साथ ही इसे कई भाषाओं में रिलीज करने की भी तैयारी है। माना जा रहा है कि अगर सबकुछ ठीक रहा तो फिल्म की शूटिंग 2024 में शुरू हो सकती है। गौरतलब है कि सूर्या मौजूदा समय में निर्देशक सिरुथा शिवा के साथ कंगुवा पर काम कर रहे हैं। इसका अगला शेड्यूल जल्द ही शुरू होने वाला है। मेगा-बजट फिल्म की भव्य रिलीज की योजना है। इस फिल्म की शूटिंग 2023 के अंत तक पूरी होने की संभावना है। बता दें कि साउथ के एक्टर्सको अब हिन्दी भाषी दर्शकों ने पूरी तरह से स्वीकार कर लिया है। इस बात का प्रमाण हैं वहां की फिल्मों का हिन्दी में प्रदर्शित होना और बॉक्स ऑफिस पर सफलता प्राप्त करना।

बेटे करण देओल के संगीत में तारा सिंह के लुक में नजर आए सनी देओल, वीडियो वायरल

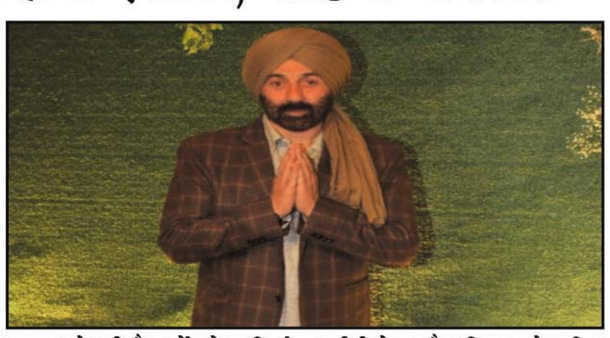

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सनी देओल के बेटे करण देओल 18 जून को अपनी गर्लफ्रेंड द्रशा आचार्य के साथ शादी के बंधन में बंधने वाले है। पिछले कुछ दिनों से करण और द्रशा के प्री-वेडिंग फंक्शन चल रहे हैं। हाल ही में करण और द्रशा की संगीत सेरेमनी हुई। खास मौके पर धर्मेंद्र, सनी देओल, बॉबी देओल सहित कई तमाम बॉलीवुड हस्तियां भी मौजूद रहीं। सनी देओल ने करण के कॉन्सर्ट में "मैं निकला गड्डी लेके" गाने पर डांस किया। उनकी परफॉर्मेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सनी ने करण और द्रशा के संगीत समारोह में ब्लॉकबस्टर फिल्म गदरः एक प्रेम कथा के गाने "मैं निकला गड्डी लेके" पर डांस किया। करण और द्रशा के संगीत समारोह के लिए, सनी देओल "गदर" के तारा सिंह की तरह नजर आए। उनकी तस्वीरें इंटरनेट वायरल हो रही है। धर्मेंद्र ने न सिर्फ अपने पोते के संगीत समारोह में शिरकत की, बल्कि डांस भी किया।

धर्मेंद्र ने पोते करण और राजवीर के साथ "यमला पगला दीवाना" गाने पर डांस किया। उनके डांस का वीडियो वायरल हो रहा है। अभिनेता रणवीर सिंह भी करण और द्रशा के संगीत कार्यक्रम में शामिल हुए। करण और द्रशा की शादी 18 जून को होगी। उनकी शादी के समारोह में करीबी दोस्त और परिवार वाले शामिल होंगे। सनी देओल की गदरः एक प्रेम कथा 9 जून को फिर से रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सनी के अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब फिल्म "गदर 2" 11 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सनी देओल की इस अपकमिंग फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अनिल शर्मा ने फिल्म "गदर 2" का निर्देशन किया है।

द वैक्सीन वॉर की स्टार कास्ट में जुडा राइमा का नाम

बालीवुड फिल्म द वैक्सीन वॉर की स्टार कास्ट में एक और नया नाम जुड़ गया है। यह फिल्म विवेक अग्निहोत्री द्वारा बनाई गई है। इस फिल्म में नाना पाटेकर, अनुपम खेर और सप्तमी गौड़ा जैसे कलाकार शामिल हैं। इन कलाकारों के साथ अब एक्ट्रेस राइमा सेन का नाम भी जुड़ गया है। सेन भी अब इस फिल्म का हिस्सा होंगी। फिल्म निमार्ता ने ट्विटर पर एक वीडिया शेयर किया है। वीडियो में विवेक अग्निहोत्री ने कोलकाता की अपनी हालिया यात्रा के दौरान अभिनेत्री से मिलने और उसे अपनी फिल्म में अभिनय करने के लिए आमंत्रित करने पर प्रसन्नता जताई। 52 सेकंड की एक क्लिप में उनका परिचय देते हुए फिल्म निमार्ता ने कैप्शन दिया देखो हैशटैग द वैक्सीन वार हैशटैग एट्रस्टोरी में के कलाकारों में कौन शामिल हुआ। फिल्म द वैक्सीन वॉर भारतीय जैव-वैज्ञानिकों की खोज और उनके क्रांतिकारी स्वदेशी टीकों की ओर इशारा करती है। द वैक्सीन वॉर 20 अक्टूबर 2023 को दशहरे पर 11 भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म का ज्यादातर डिटेल गुप्त रखी गई है।

रॉकी और रानी साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक

फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। रणवीर और आलिया के अलावा फिल्म में धर्मेंद्र, शबाना आजमी और जया बच्चन सहित फिल्म जगत के दिग्गज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म है, साथ ही इसमें कॉमेडी और रोमांस का भी तड़का है। फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। करण जौहर मौजूदा वक्त में रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अहम मुख्य भूमिकाओं में हैं। सूत्रों के मुताबिक, टीजर 1 मिनट 16 सेकंड का होगा। हालांकि, अभी निमार्ताओं की ओर से इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

किम ने पिंक बिकिनी पहन बरपाया कहर

हाल ही में हॉलीवुड एक्ट्रेस किम कार्दशियन ने बिकिनी पहने पूल बाथ लेने की तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब तहलका मचा रही हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में किम कार्दशियन पिंक बिकिनी में कहर बरपाती नजर आ रही हैं। बिकिनी में वह अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं और पूल साइड कातिलाना अदाएं दिखाते हुए फैंस को मदहोश कर रही हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। काम की बात करें तो किम को आखिरी बार फिल्म पॉ पेट्रोलः द मुवी में देखा गया था। इस फिल्म में एक्ट्रेस के काम को खूब पसंद किया गया था। बता दें कि अक्सर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती है। एक्ट्रेस अपने एक से बढ़कर लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर करती रहती है।

सूडोकु नवताल- 6466

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6465 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7213

म	अ	मु	न	फा	ल्गु	न	ज	ग	ल	ट
रा	वि	ली	प्रे	चै	त्र	स	द	ज	कां	ड़
चु	पौ	ष	बा	दी	छ	का	आ	ब	सा	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	र्ति	ल	व	क
डि	आ	मा	ल	भा	चा	न	र	क	न	च
या	ल	न	र्ग	रा	द	ली	ती	ण	घ	र
द	ज्ये	र्नि	ग	शी	न	वा	स	बा	व	स
क	ष्ठ	ऊ	ई	द	र्ष	क	फ	चो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	वै	शा	ख	प	द
क	ड	आ	षा	ढ़	क	र्त	व्य	ब	त	म

शब्दजाल में हिंदु कैलेंडर के 10 माह के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

फाल्गुन, पौष, चैत्र, मार्गशीर्ष, कार्तिक, सावन, ज्येष्ठ, भादवा, आषाढ़, वैशाख

शब्दजाल - 7212 का हल

सु	ष्मि	ता	से	न	द	रि	ला	या	र	क
दा	इ	ल	ग	व	जी	ग	रा	इ	ता	ली
गि	री	चे	ल्सी	स्मि	थ	ची	द	रा	क	क
री	ने	र	दो	पु	ज	न	त्ता	न	त	क
क	सी	दो	ब्रु	क	ली	का	मो	ग	व	क
जी	ज	ल	प	य	ज	पू	ना	ना	र	को
ए	मि	कु	से	लो	प	स्टि	श	र	ग्रु	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	न	लो	श	ड
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	पा	प	क
शा	न	वि	थ	र	ले	र्त	ऐ	बें	से	त
क	मि	शे	ल	मै	क	ली	न	द	प	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6166

4	3		5		1	2
	33		35	1	27	
6	1		7		5	
	26	2	40	7	34	
1		6			2	4
	29		33	4	30	
	4		2		6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6165 का हल

7	4	5	2	3	6	1
5	35	3	27	1	28	7
6	1	4	7	2	5	3
3	26	2	40	7	34	6
1	3	6	7	5	2	4
2	27	1	41	4	29	5
4	3	7	5	6	1	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

साक्षी मलिक

बबीता फोगाट

बबीता बोलीं–बृजभूषण के खिलाफ धरने की परमिशन मैंने नहीं दिलाई : साक्षी मलिक का दावा झूठा, वे कांग्रेस के हाथ की कठपुतली बन चुकीं

पानीपत।

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने में मदद करने का विवाद थम नहीं रहा है। धरने की परमिशन दिलाने के साक्षी मलिक के दावे को बबीता फोगाट ने रविवार को गलत करार दिया। दरअसल, साक्षी ने कहा था, उन्हें धरना देने के लिए कांग्रेस एमपी दीपेंद्र हुड्डा नहीं, बल्कि भाजपा नेता बबीता फोगाट और तीर्थ राणा ने मोटिवेट किया था। धरने की परमिशन भी उन्होंने दिलाई। इस दौरान साक्षी ने लेटर भी दिखाया था।

बबीता ने कहा- वीडियो देखकर हंसी आई – रविवार सुबह 9.20 बजे बबीता ने कहा, मुझे कल बड़ा दुख भी हुआ और हंसी भी आई। जब मैं अपनी छोटी बहन (साक्षी मलिक) और उनके पतिदेव (सत्यव्रत कादियान) का वीडियो देख रही थी। सबसे पहले तो मैं ये स्पष्ट कर दूं की जो अनुमति का कागज छोटी बहन दिखा रही थी, उस पर कहीं भी मेरे हस्ताक्षर या मेरी सहमति का कोई प्रमाण नहीं है और न ही दूर–दूर तक इससे मेरा कोई लेना देना है। देश की जनता समझ चुकी है कि आप कांग्रेस के हाथ की कठपुतली बन चुकी हो। अब समय आ गया है कि आपको आपकी वास्तविक मंशा बता देनी चाहिए क्योंकि अब जनता आपसे सवाल पूछ रही है। उन्होंने कहा, एक महिला खिलाड़ी होने के नाते मैं सदैव देश के सभी खिलाड़ियों के साथ थी, साथ हूं और सदैव साथ रहूंगी, परंतु मैं धरने –प्रदर्शन के शुरुआत से इस चीज के पक्ष मैं नहीं थीं। मैंने बार–बार सभी पहलवानों से ये कहा कि आप प्रधानमंत्री या गृहमंत्री से मिलो। समाधान वहीं से होगा, लेकिन आपको समाधान दीपेंद्र हुड्डा, कांग्रेस और प्रियंका गांधी और उसके साथ आ रहे उन लोगों के पास दिख रहा था, जो खुद बलात्कारी एवं अन्य मुकदमे के दोषी हैं। आज जब आपका ये वीडियो सबके सामने है, उससे अब देश की जनता को समझ में आ जाएगा कि नए संसद भवन के उद्घाटन के पवित्र दिन आपका विरोध और राष्ट्र के लिए जीता हुआ मेडल गंगा में प्रवाहित करने की बात कितना देश को शर्मसार करने जैसा था।

साक्षी का जवाब– सरकार की गोद में बैठ गए – साक्षी ने सुबह 10.06 बजे बबीता को जवाब दिया। उन्होंने कहा, वीडियो में हमने तीरथ राणा और बबीता फोगाट पर तंज कसा था कि कैसे वे अपने स्वार्थ के लिए पहलवानों को इस्तेमाल करना चाह रहे थे और कैसे पहलवानों पर जब विपदा पड़ी तो वे जाकर सरकार की गोद में बैठ गए। हम मुसीबत में जरूर हैं लेकिन हास्यबोध इतना कमजोर नहीं हो जाना चाहिए कि ताकतवर को काटी चुटकी पर आप हंस भी न पाएं। सोनीपत भाजपा के अध्यक्ष तीर्थ राणा ने कहा कि धरने पर बैठे खिलाड़ी देश की शान है, उनकी न्याय की लड़ाई में पहले भी मैं उनके साथ था और आज भी उनके साथ हूं। अमित शाह अब इस मामले को देख रहे हैं, जो गैप पहले खिलाड़ियों और सरकार के बीच बना, अब शाह ने उसको भरने का काम किया है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए खुशखबरी, आयरलैंड के खिलाफ खेलता हुआ दिख सकता है यह घातक गेंदबाज

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह जल्द ही वापसी कर सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि

बुमराह एशिया कप से पहले आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में हिस्सा ले सकते हैं। बुमराह एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप से पहले फॉर्म में लौटना चाहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बुमराह तेजी से रिकवर कर रहे हैं और वह अपनी फिटनेस पर भी ध्यान दे रहे हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस साल मार्च में पीठ की सर्जरी हुई थी और उसके बाद से राष्टीय क्रिकेट अकादमी में रिहैबिलिटेशन पर हैं। एनसीए के अधिकारी का मानना है कि उनके फिटनेस को देखते हुए अंदाजा लगाया जा सकता है कि जसप्रीत बुमराह आयरलैंड सीरीज में वापसी कर सकते हैं। नेटवर्क 18 से बात करते हुए एनसीए अधिकारी ने बताया, जसप्रीत बुमराह इस साल अगस्त में आयरलैंड सीरीज के लिए बहुत अच्छा दिख रहा है। अधिकारी ने आगे कहा, यह भारतीय क्रिकेट टीम के लिए अच्छे संकेत हैं। बुमराह को चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद बीच में खेलने का मौका देगा। अगर सब कुछ ठीक रहता है, तो बेहतर फिटनेस पर बुमराह के मैदान में वापसी कर सकते हैं। गौरतलब हो कि बुमराह एनसीए के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, नितिन पटेल की निगरानी में हैं। बुमराह आईपीएल 2023 का हिस्सा नहीं थे। वह भारत के लिए पिछले साल सितंबर महीने में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20ड्ढ में हिस्सा लिया था। बुमराह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भी टीम में जगह नहीं बना पाए थे। बुमराह के साथ श्रेयस अय्यर भी टीम में वापसी को देख रहे हैं।

प्रीमियर हैंडबॉल लीग में आयरनमेन टीम टॉप पर, कोच ने कहा- खिलाड़ियों में भारत के लिए खेलने की क्षमता

जयपुर। महाराष्ट्र आयरनमेन पहली बार आयोजित किए जा रहे प्रीमियर हैंडबॉल लीग में लगातार 5 मैच जीतकर अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। यह टीम सेमीफाइनल के करीब पहुंच गई है। मुख्य कोच सुनील गहलावत अपने खिलाड़ियों के उम्दा प्रदर्शन से वास्तव में प्रभावित हैं और उनकी जमकर प्रशंसा की है। कोच गहलावत ने बताया कि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले सही सुविधाओं के बीच गमबॉल (अंतर्राष्टीय इवेंट्स में इस्तेमाल होने वाला एक प्रकार का हैंडबॉल) के साथ ट्रेनिंग करने खिलाड़ियों के परफार्मेंस पर सकारात्मक असर पड़ा है। सुनील गहलावत ने कहा, टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले हमारा कैंप हमारे लिए काफी अहम था। महाराष्ट आयरनमेन में हमारे पास जिस तरह की सुविधाएं हैं, हमारे खिलाड़ी आमतौर पर ऐसी सुविधाओं के बीच गमबॉल के साथ ट्रेनिंग नहीं लेते हैं। खिलाड़ियों ने ट्रेनिंग के दौरान अपना सब कुछ झोंक दिया और इसने टूर्नामेंट से पहले लय में आने में उनकी मदद की।

लंका प्रीमियर लीग का जारी हुआ शेड्यूल, 30 जुलाई से होगा शुरू; खेले जाएंगे 24 मैच

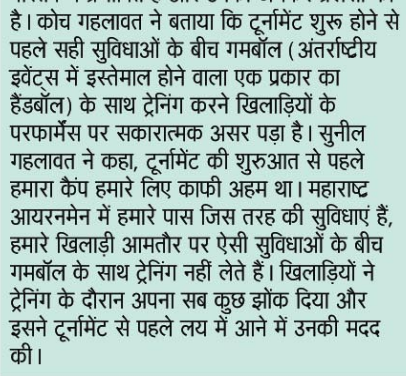

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट ने 18 जून को लंका प्रीमियर लीग 2023 के लिए शेड्यूल की घोषणा कर दी है। इस लीग का चौथा संस्करण 30 जुलाई से शुरू होगा, जिसमें कुल 24 मैच खेले जाएंगे। फाइनल 20 अगस्त को खेला जाएगा। तीन बार के विजेता और मौजूदा चैंपियन जाफना किंग्स 30 जुलाई को आर. प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में कोलंबो स्ट्राइकर्स से भिड़ेंगे। लीग के पहले कुछ मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। इसके बाद कैंडी में पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होंगे। नॉकआउट चरण सहित लीग के अंत के मैच फिर से कोलंबो में आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा फाइनल के लिए रिजर्व डे भी रखा गया है और अगर कोई दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति उत्पन्न होती है तो फाइनल 21 अगस्त को खेला जाएगा। बता दें कि जाफना किंग्स, कोलंबो स्ट्राइकर्स, बी-लव कैंडी, डंबुला ऑरा और गॉल टाइटन्स, नॉकआउट राउंड में आगे बढ़ने से पहले डबल राउंड–रॉबिन में एक–दूसरे से दो–दो मैच खेलेंगी।

चिराग–सात्विक ने जीता इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन

यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी; मलेशियाई जोड़ी को सीधे गेम में 21–17, 21–18 से हराया

जाकार्ता।

चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज की भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया ओपन का खिताब जीत लिया है। चिराग–सात्विक की जोड़ी ने टूर्नामेंट की दूसरी सीड हारून चिया और वूई यिक सोह की मलेशियाई जोड़ी को सीधे गेम में 21–17 और 21–18 के अंतर से हराया। चिराग–सात्विक की जोड़ी बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर सुपर–1000 का टाइटल जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी है। इतना ही नहीं, यह इकलौती भारतीय जोड़ी है, जिसने बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर में सुपर–100, सुपर–300,सुपर–500, सुपर–750 और सुपर–1000 चारों टाइटल जीते हैं।

दोनों पेयर में कांटे की टक्कर, भारतीय सीधे गेम में जीते – फाइनल मुकाबले के दौरान भारतीय और मलेशियाई पेयर के बीच जबर्दस्त मुकाबला देखने को मिला। दोनों पेयर में कांटे की टक्कर दिखी। भारतीय स्टार्स ने मुकाबला सीधे गेम यानी की 2–0 से अपने नाम किया। पहले गेम में भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई खिलाड़ियों को 21–17 से हराया। उसके बाद दूसरे गेम में जीत का स्कोर 21–18 रहा। यानी कि दोनों ही गेम में जीत हार का फासला 5 पॉइंट्स से कम का रहा है। 43 मिनट चले इस मुकाबले में मलेशियाई खिलाड़ियों ने बढ़त के साथ शुरुआत की। 7 पॉइंट्स से पिछड़ने के बाद भारतीयों ने जबर्दस्त वापसी की और स्कोर 7–7 पर लेवल हुआ। उसके बाद दोनों पेयर 9–9 पर भी बराबरी पर आए। आखिर में भारतीय पेयर ने पहला गेम 21–17 से अपने नाम करते हुए मुकाबले में 1–0 की बढ़ ली। दूसरे गेम में दोनों ही पेयर्स के बीच

जबर्दस्त कॉन्टेस्ट देखने को मिला। 6 पॉइंट्स तक स्कोर बराबर था। उसके बाद भारतीय शटलर्स बढ़त बनाई, जो आखिरी तक कायम रही।

9 मुकाबलों में पहली बार जीते भारतीय – इंटरनेशनल सर्किट पर भारतीय और मलेशियाई जोड़ियां 9 बार अपने–सामने हो चुकी हैं। भारतीय जोड़ी को पहली बार जीत मिली है। इससे पहले के 8 मुकाबलों में भारतीयों को पराजय झेलनी पड़ी है। भारतीय पेयर ने पहली बार बीडब्लूएफ का सुपर–1000 इवेंट जीता है। दुनिया में बैडमिंटन चलाने वाली संस्थान बीडब्लूएफ 3 ग्रेड के टूर्नामेंट कराती है। इनमें ग्रेड–1 में वर्ल्ड चैंपियनशिप, ओलिंपिक गेम्स और ऑल इंग्लैंड ओपन जैसे टूर्नामेंट शामिल हैं, वहीं ग्रेड–2 में वर्ल्ड टूर फाइनल्स, सुपर सीरीज शामिल हैं। सुपर सीरीज भी 5 लेवल की होती है, इसमें लेवल–1 वर्ल्ड टूर फाइनल्स, लेवल–2 में सुपर–1000, लेवल–3 में सुपर–750, लेवल–4 में सुपर–500 और लेवल–5 में सुपर–300 इवेंट्स शामिल हैं। इसके बाद बारी आती है ग्रेड–3 टूर्नामेंट की। इनमें इंटरनेशनल चैलेंज, इंटरनेशनल सीरीज और फ्यूचर टूर जैसे इवेंट शामिल होते हैं। बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट की ग्रेड से डिसाइड होती है। बीडब्लूएफ वर्ल्ड रैंकिंग टूर्नामेंट में सुपर 1000, 750, 500, 300 और सुपर 100 मुकाबले होते है। रैंकिंग के हिसाब से विनर को पॉइंट मिलते है। जैसे सुपर 1000 मुकाबले के विनर को 12 हजार पॉइंट्स मिलते है। वहीं, सुपर 100 टूर्नामेंट जीतने वाले को 5 हजार 500 पॉइंट्स मिलते है। सबसे ज्यादा 13 हजार पॉइंट्स वर्ल्ड चैंपियनशिप और ओलिंपिक जीतने पर मिलते है। टोटल पॉइंट्स आधार पर वर्ल्ड रैंकिंग तय होती है। विनर के अलावा, फाइनलिस्ट, सेमीफइनलिस्ट से ले कर टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले शटलर्स को भी ग्रेड और पायदान के हिसाब से पॉइंट्स दिए जाते है।

रैंकिंग में असर...भारतीय जोड़ी को दो पायदान का फायदा – इस जीत के बाद भी चिराग और सात्विक को बीडब्लूएफ रैंकिंग में दो पायदान का फायदा मिल सकता है। 13 जून जारी बीडब्लूएफ रैंकिंग के अनुसार, चिराग और सात्विक की जोड़ी दुनिया में छठे नंबर पर है। इस पेयर के पास अभी 74651 रेटिंग पॉइंट्स हैं। इंडोनेशिया ओपन की जीत से भारतीय जोड़ी को 12000 रेटिंग पॉइंट मिलेंगे। इन पॉइंट्स को मिलाकर भारतीय जोड़ी के रेटिंग पॉइंट 86,651 हो जाएंगे। वर्तमान में दुनिया की 5वें नंबर की चाइनीज जोड़ी के मौजूदा रेटिंग पॉइंट्स (77808) हैं। इस टूर्नामेंट के 5200 रेटिंग पॉइंट्स को जोड़ लें, तो चाइनीज के 83,008 रेटिंग पॉइंट्स हो जाएंगे। ऐसे में वर्तमान स्थिति के अनुसार चिराग–सात्विक को दो पायदान का फायदा मिलता दिख रहा है, हालांकि रैंकिंग में अन्य टूर्नामेंट के रिजल्ट भी असर डालेंगे। अगली रैंकिंग 20 जून को जारी होगी।

इंडोनेशिया का पेयर टॉप पर – मेंस डबल्स रैंकिंग में सात्विक–चिराग छठे नंबर पर है। पहले नंबर पर इंडोनेशिया के फजर अलफियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो है। इन्हें सात्विक–चिराग ने क्वार्टरफाइनल में दो गेम में 21–13, 21–13 से हरा कर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

पहली बार सुपर–1000 इवेंट के फाइनल में पहुंच थे सात्विक–चिराग – चिराग और सात्विक की जोड़ी पहली बार इस प्रतियोगिता का फाइनल खेल रही थी। इस जोड़ी को सेमीफाइनल मुकाबले के शुरुआती गेम में हार का सामना करना पड़ा। पेयर पहला गेम 18–21 से हार गया। इसके बाद जोड़ी ने वापसी कर लगातार दो गेम जीते और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

द एशेज ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पहले मैच का दूसरा दिन

उस्मान ख्वाजा का शतक, ऑस्ट्रेलिया लीड से 82 रन पीछे, स्कोर 311/5

बर्मिंघम।

एशेज सीरीज के पहले टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने शानदार गेम खेला। पहले सेशन में विकेट गवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने कमबैक किया। ओपनर उस्मान ख्वाजा ने शतकीय पारी खेली। वहीं, ट्रेविस हेड और एलेक्स कैरी के बल्ले से अर्धशतक निकला। दिन के अंत तक ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट खो कर 311 रन बना लिए। ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड पर लीड लेने से 82 रन पीछे है। उस्मान ख्वाजा 126 रन और एलेक्स कैरी 52 रन बनाकर नाबाद है।

ऑस्ट्रेलिया की खराब शुरुआत, बाद में रिकवरी की

ऑस्ट्रेलिया ने 14/0 के स्कोर से दिन की शुरुआत की। दिन का पहला सेशन इंग्लिश बॉलर्स के नाम रहा। लंच तक मेजबान टीम के गेंदबाजों ने कंगारुओं को 78 रन पर तीन विकेट गवां दिए थे। पहले, ओपनर डेविड वॉर्नर 9 और मार्नस लाबुशेन 0 पर आउट हुए। लाबुशेन गोल्डन डक का शिकार हुए हैं। उन्हें जॉनी बेयरिस्टो ने ब्रॉड की बॉल पर उनका शानदार कैच पकड़ा। वहीं, स्टीव स्मिथ टीम के स्कोर पर 16 रन का योगदान ही दे सके। उस्मान ख्वाजा एक छोर से टीम के लिए रन जोड़ते रहे। तीन विकेट के बाद ट्रेविस हेड आए और 81 रन पार्टनरशिप की। हेड मोईन अली का शिकार बने। 50 रन स्कोर करने के बाद हेड मिडविकेट पर कैच थमा बैठे। कैमरून ग्रीन 38 रन बना कर आउट हुए। इसके बाद एलेक्स कैरी आए और अर्धशतकीय पारी खेली। कैरी 52 रन पर नाबाद है।

ब्रॉड - अली को 2-2 विकेट

इंग्लिश टीम की ओर से स्टुअर्ट ब्रॉड ने दो विकेट झटके और मोईन अली को भी दो सफलताए मिली। जबकि एक विकेट कप्तान बेन स्टोक्स को मिला।

इंग्लैंड ने 393/8 पर घोषित की पारी

पहले दिन इंग्लिश टीम ने अपनी पहली पारी 393/8 के स्कोर पर डिक्लेयर की। जवाब में ऑस्ट्रेलियन ने बिना नुकसान के 14 रन बनाए थे।

रैना से धोनी ने उथप्पा के लिए ली थी सलाहः रैना बोले-धोनी ने कहा, मुझे इस सीज़न आईपीएल जीतना है, बताओ मैं क्या करूं

मुंबई।

चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी की कप्तानी में 2021 में चौथी बार आईपीएल का खिताब जीता। टीम के साथ रहे सुरेश रैना ने 2021 से जुड़ा हुआ खुलासा किया है। रैना 2008 से चेन्नई सुपर किंग्स के साथ जुड़े रहे और 2022 में आईपीएल से रिटायरमेंट ले लिया। रैना ने बताया कि 2021 में उनकी जगह पर रॉबिन उथप्पा को खिलाने के लिए धोनी ने उनसे सलाह ली थी। रैना ने यह बात जियो सिनेमा पर रॉबिन उथप्पा से कही। उथप्पा और रैना दोनों आईपीएल से रिटायरमेंट के बाद अब कमेंट्री कर रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स मैच से पहले धोनी ने रैना से की थी बात

रैना ने अपने खुलासे में बताया कि 2021 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से पहले धोनी मेरे पास आए थे और उन्होंने मेरे से कहा कि हम 2008 से साथ खेल रहे हैं। मैं इस सीजन को जीतना चाहता हूं। आप मुझे बताइए क्या करना चाहिए। मैंने उनसे कहा था कि नंबर–3 पर रॉबिन को खिलाइए और फाइनल तक उन्हें बाहर मत कीजिए। अगर आप जीतेंगे, तो सीएसके भी जीतेगी। मैं खेलूं या रॉबिन, एक ही बात है। मैं और रॉबिन एक ही हैं। मेरा प्लेइंग–11 में ना होना धोनी को स्वीकार नहीं था। मैंने उन्हें मना लिया।

रॉबिन को 2021 में रॉजस्थान से चेन्नई ने खरीदा था

दरअसल रॉबिन को 2021 में ही चेन्नई ने राजस्थान रॉयल्स से रॉबिन को खरीदा था। उथप्पा को सीजन के आखिरी के 4 मैचों में रैना की जगह पर टीम में शामिल किया गया था। इस सीजन में चेन्नई ने फाइनल सहित कुल 16 मैच खेले थे। रैना को लीग के शुरुआती 12 मैचों में प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। लेकिन उसके बाद उन्हें मौका नहीं मिला। उन्होंने 6 सितंबर 2022 को आईपीएल से रिटायरमेंट की घोषणा की। उनकी जगह पर रॉबिन तीन नंबर पर बल्लेबाजी की थी। रॉबिन को 2021 आईपीएल सीजन में लीग के 2 मैचों और क्वालिफायर और फाइनल में खेलने का मौका मिला था। रॉबिन ने चेन्नई के लिए अपना पहला मैच दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेला था।

काउंटी क्रिकेट में आर्थिक संकट,सऊदी अरब कर सकता है निवेश : पैसों के लिए खिलाड़ी टी–20 लीग में जा रहे हैं

मुंबई।

इंग्लैंड में काउंटी का 123वां सीजन शुरू हो चुका है। दुनियाभर में लगातार बढ़ रहीं टी–20 लीग के बावजूद काउंटी क्रिकेट की प्रतिष्ठा इस वजह से है, क्योंकि इसे अभी भी क्रिकेट की नर्सरी माना जाता है। द गार्जियन के क्रिकेट लेखक एंडी बुल कहते हैं, काउंटी में क्रिकेटर अपने गेम में सुधार के लिए आते हैं। खिलाड़ी और फैंस काउंटी के लिए आकर्षित होते हैं क्योंकि इंग्लैंड में घरेलू स्तर पर खेले जाने वाले गेम की क्वालिटी अभी भी सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। यहां की पिच बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों के पक्ष में होती हैं, जिससे मुकाबला रोचक बन जाता है। स्विंग और सीम खेलना सीखने के लिए इंग्लैंड बेस्ट जगह है। हालांकि, काउंटी क्रिकेट में आर्थिक रूप से सब कुछ ठीक नहीं है। क्लब नए युवाओं को

जोड़ने और उन्हें अच्छा कॉन्ट्रैक्ट देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस वजह से युवा टी20 लीग की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उदाहरण के लिए यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब खुद को बचाए रखने और अपने कर्ज का भुगतान करने के लिए जूझ रहा है। क्लब के मैनेजिंग डायरेक्टर डैरेन गफ और मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टीफन वॉन ने क्लब की वित्तीय कठिनाइयों को हल करने के लिए सऊदी अरब के संस्कृति मंत्री प्रिंस बाडेर बिन अब्दुल्ला से मुलाकात की थी। प्रिंस ने नुकसान की भरपाई की पेशकश की है। पूर्व इंग्लिश ऑलराउंडर केविन पीटरसन की शिकायत है कि बड़ी रकम का लालच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को इंग्लिश क्रिकेट के प्रमुख घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेने से रोक रहा है। उन्होंने कहा, बेहतरीन खिलाड़ी काउंटी क्यों खेलेंगे, जब वे टी–20 खेलकर मोटी कमाई कर सकते हैं। इसलिए, काउंटी क्रिकेट में बल्लेबाजी का स्तर गिरा है।' इसमें 18 फर्स्ट क्लास काउंटी क्लब शामिल होते हैं, पहला मैच लॉर्ड्स पर

इंटर–काउंटी मैचों की शुरुआत 18वीं सदी से हुई थी। काउंटी चैम्पियनशिप भारत की रणजी ट्रॉफी के समान है। काउंटी में फर्स्ट क्लास मुकाबले होते हैं, जिसमें 18 क्लब शामिल होते हैं। इसमें 17 क्लब इंग्लैंड के और एक क्लब वेल्स का होता है। इंग्लिश काउंटी सीजन का पहला मुकाबला पारंपरिक रूप से ऐतिहासिक लॉर्ड्स स्टेडियम पर मेरिलबोन क्रिकेट क्लब और डिफेंडिंग चैम्पियन के बीच खेला जाता है।

कैसा है श्रीलंका में भारत–पाक का रिकॉर्ड

दोनों का विनिंग परसेंटेज बराबर, कोहली 4 शतक बना चुके, बाबर 37 रन

मुंबई।

एशिया कप 2023 के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है। टूर्नामेंट 31 अगस्त से 17 सितंबर तक हाइब्रिड मॉडल पर पाकिस्तान और श्रीलंका में होगा और भारतीय टीम के सभी मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे। यहां तक भारत–पाक मैच भी श्रीलंका में ही होंगे। भारत को वहां पाकिस्तान से दो या उससे अधिक मुकाबले भी खेलने पड़ सकते हैं।

भारत–पाक मुकाबला बराबरी का, दोनों ने एक-एक मैच जीते – श्रीलंका में भारत–पाकिस्तान का आमना–सामना एशिया कप के दौरान ही हुआ है। एशिया के सबसे बड़े क्रिकेट राइवल दो बार आमने–सामने हुए हैं और दोनों को एक–एक जीत मिली है। यानी कि वहां वनडे में एक–दूजे के खिलाफ दोनों का प्रदर्शन एक समान है। ओवरऑल आंकड़ों पर नजर डालें तो वहां भारत–पाक के बीच कुल 5 मैच शेड्यूल हुए हैं। इनमें से 3 नो रिजल्ट रहे हैं, क्योंकि इन मुकाबलों में एक भी बॉल नहीं डाली जा सकी। ऐसे में यह कहना भी गलत नहीं होगा कि भारत–पाक कॉन्टेस्ट में नो रिजल्ट का पलड़ा भारी रहा है।

पहला मुकाबला : एक बॉल रहते जीता था भारत, गंभीर खेली 83 की पारी यह मुकाबला एशिया कप 2010 के दौरान दम्बुल्ला के मैदान पर खेला गया था, जिसे भारतीय टीम ने आखिरी ओवर की 5वीं बॉल पर 3 विकेट से जीत लिया था। इस रोमांचक मुकाबले के आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिए 7 रन बनाने थे और सुरेश रैना और हरभजन सिंह क्रीज पर थे। 50वें ओवर की 5वीं बॉल पर हरभजन सिंह ने छक्का जमाकर भारतीय टीम को जीत दिला दी थी। इससे पहले, 268 रन का टारगेट चेज करने उतरी भारतीय टीम की ओर से ओपनर गौतम गंभीर (83 रन) और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी (56 रन) ने अर्धशतक जमाए थे, जबकि सुरेश रैना ने 34 रन का योगदान दिया था। गेंदबाजी में साईद अजमल ने तीन विकेट झटके थे। पाकिस्तानी पारी से ओपनर सलमान

बट ने 74 और विकेटकीपर कामरान अकमल ने 51 रन बनाए थे। प्रवीण कुमार ने भारत को तीन विकेट दिलाए थे। जहीर खान और हरभजन सिंह को दो–दो विकेट मिले थे।

दूसरा मुकाबला : शोएब मलिक ने खेली थी 143 रन की पारी, 59 रन से जीता था पाक यह मुकाबला 2004 एशिया कप के दौरान 25 जुलाई को कोलंबो में खेला गया था, जिसे पाकिस्तान ने 59 रन के बड़े अंतर से हराया था। उस मुकाबले में शोएब मलिक ने 143 रनों की शतकीय पारी खेली थी, जबकि कप्तान इंजमाम उल हक ने 34 रनों का योगदान दिया था। इन पारियों की बदौलत पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 300 रन का स्कोर खड़ा किया था। भारत की ओर से सचिन तेंदुलकर और इरफान पठान ने 3–3 विकेट लिए थे। भारत की ओर से जवाब में सचिन तेंदुलकर ने 78 रन की पारी खेली थी, जबकि कप्तान सौरव गांगुली ने 39 रन बनाए थे। इरफान पठान ने 38 रन का योगदान दिया था। पाकिस्तान के लिए शोएब मलिक और सब्बीर अहमद ने दो–दो विकेट लिए थे।

श्रीलंका में दोनों का विनिंग परसेंटेज बराबर, पाक ने हमसे ज्यादा मुकाबले गंवाए – लंकाई मैदानों पर दोनों टीमों के ओवरऑल प्रदर्शन के आंकड़े देखें तो हम पाते हैं कि वहां की पिचों पर दोनों टीमों का विनिंग परसेंटेज लगभग बराबर है। दोनों ने वहां 50 फीसदी मुकाबले जीते हैं। हारने के मामले में पाकिस्तान का रिकॉर्ड भारत से खराब है। पाकिस्तान में श्रीलंका में 42.85 और भारत ने 39.32 प्रतिशत मुकाबले गंवाए हैं। भारतीय टीम ने श्रीलंका में अब तक 89 वनडे खेले हैं। इनमें से टीम को 45 में जीत और 35 में हार मिली है। वहीं, पाकिस्तान ने 63 मैच खेले हैं। इनमें से 32 जीते और 27 हारे हैं। शेष मैच नो रिजल्ट रहे हैं।

कोहली चार शतक जमा चुके हैं, बाबर 37 रन ही बना सके – लंकाई पिचों पर बल्लेबाजी के मामले में भारत पाकिस्तान से आगे है, वहां की पिचों पर पाकिस्तानी बैटर फ्लॉप साबित हुए हैं। मौजूदा टीम की बात करें तो भारतीय बैटर विराट कोहली ने वहां 899 रन बनाए हैं, जबकि रोहित शर्मा 583 रन बना चुके हैं। वहां कोहली के बल्ले से चार शतक आए हैं, जबकि रोहित दो सेंचुरी जमा चुके हैं। इन दोनों के नाम दो–दो हाफ सेंचुरी भी है। पाकिस्तानी टीम के मौजूदा बैटर्स का प्रदर्शन देखें तो मोहम्मद रिजवान ने लंका में 68.00 के एवरेज से 136 रन बनाए हैं, जबकि कप्तान बाबर आजम दो मैचों में 37 रन ही बना सके हैं। लंका में रिजवान एक अर्धशतक ही बना सके हैं।

कैसा हो जीवनसाथी

HARD TO RESIST

मारा स्वभाव हमेशा से चूजी रहा है। हमें जो भी अच्छा लगता है हम उसे अपना लेते हैं और जो हमें पसंद न हो उसे नकार भी देते हैं। यही बात नया रिश्ता कायम करने में भी लागू होता है। जरूरी नहीं कि किसी भी अच्छे दिखने वाले व्यक्ति को देखते ही आप उससे शादी के सपने देखने लग जाएं। शादी के लिए सिर्फ अच्छा दिखना ही काफी नहीं होता। जीवनसाथी चुनने के लिए महिलाएं गंभीर सोच-विचार के बाद ही फैसला लेती हैं। ऐसी ही कुछ सोच पुरुषों की भी होती है। क्या आपको पता है पुरुषों को कैसा जीवनसाथी पसंद आता है। पुरुष केवल खूबसूरत चेहरे या फिगर पर ही फिदा नहीं होते। आइए जानते हैं पुरुषों के मन की बात। पता करते हैं कि किस तरह की महिलाओं को पुरुष नकार नहीं सकते। स्नेही स्वभाव यदि आपका स्वभाव देखभाल करने की प्रवृत्ति का है तो फिर यह तय है कि आपको कोई भी ना नहीं कर सकता। पुरुष चाहते हैं कि उसका जीवनसाथी बिना किसी शर्त उससे प्यार करे। ऐसे पुरुष जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेते। ये चाहते हैं कि उनकी गर्लफ्रेंड या जीवनसाथी उन्हें हमेशा उत्साहित करती रहें। स्नेही स्वभाव की महिलाएं उन पुरुषों की पहली पसंद होती हैं जो जीवन के प्रति संवेदनशील होते हैं।

जिम्मेदार

जब कोई पुरुष शादी के लिए लड़की की खोज करता है तो उसका पहली प्राथमिकता जिम्मेदारी उठा सकने वाली लड़की होती है। वो चाहते हैं कि उनकी जीवनसाथी में तमाम घरेलू गुण मौजूद हों। पति के साथ मिलकर परिवार को चलाएं।

खाना पकाने में माहिर

भारत में एक मशहूर कहावत है कि पुरुषों के दिल का रास्ता उनके पेट से होकर जाता है। इसलिए जरूरी है कि आपमें बढ़िया खाना बनाने के सारे गुण हों। यदि आपको उनके मुताबिक, पसंदीदा भोजन बनाना आता हो तो बात बन जाए। आप बेस्ट कुक हैं, तो उनकी दुनिया ही पूरी हो जाती है।

पैसे का मोल समझने वाली

यदि आप घर के हिसाब-किताब का प्रबंधन अच्छा है तो फिर कोई भी पुरुष आपको पसंद कर सकता है। पुरुष जब कोई भविष्य की योजना तैयार करते हैं तो उनकी उम्मीद होती है कि उनका जीवनसाथी इस सपने को साकार करने में उनकी मदद करे।

समझदारी

पुरुषों केवल सुंदर चेहरा या फिगर ही नहीं चाहते बल्कि वे चाहते हैं कि उनका जीवनसाथी समझदार भी हो। वो ऐसा जीवनसाथी चाहते हैं जिससे अपनी सारी बाते शेयर कर सकें। वे अपने मानसिक स्तर पर अपने बराबर की महिला को प्राथमिकता देते हैं।

बेहतर दोस्त

पुरुषों की अपेक्षा होती है कि उनकी जीवनसाथी उनकी अच्छी दोस्त हों। यदि आप उनकी बेहतर दोस्त बन सकें तो आपका साथ आजीवन बना रहेगा। आप शादी के बाद भी एक-दूसरे को भलीभांति समझ-बूझ कर बेहतर दोस्त बन सकते हैं।

> सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी।

शहर की पहचान थी ज़री

एक वक्त था जब ज़री वाले बटुए भोपाल की पहचान हुआ करते थे। नवाब और रजवाड़े इन बटुओं को शान से अपने हाथ में लिए घूमा करते थे। इसके साथ ही ज़री और मोतियों से सजी जूतियां भी बेगमों के साथ-साथ आम महिलाओं को नवाबी दौर से जोड़ती थीं। नवाबी दौर में कभी भोपाल की आन, बान, शान और पहचान रही 'ज़री' ने अब अपनी चमक खो दी लगती है। एक जमाना था जब 'ज़री' नवाबों, रजवाड़ों, जमीदारों और हकिमों के महलों की ज़ीनत हुआ करती थी। उस दौर के अमीर और खवातीनें जब ज़री के भारी दुपट्टे, मोतियों और सलमें सितारे टकीं जूतियों और सोने-चांदी के तारों से सजे बटुओं को लेकर निकलते थे तो देखने वाले अश-अश कर उठते।

लेकिन अब न वो दौर रहा न वो लोग न कारीगर और न ही ज़री के कद्रदान, लिहाजा कभी भोपाल का पर्याय रहा ज़री उद्योग इन दिनों आखरी सांसे गिन रहा है। भोपाल में ज़री के काम का इतिहास तकरीबन 130 साल पुराना है। तत्कालीन नवाब शाहजां बेगम (1868-1901) ने भोपाल में ज़री का काम शुरू करवाया था। उन्होंने लखनऊ, कानपुर, दिल्ली से ज़री के बेहतरीन कारीगर भोपाल बुलवाए और परी बाजार के एक ट्रेनिंग सेंटर खोला। तब परी बाजार सिर्फ औरतों के लिए औरतों द्वारा ही चलाया जाता था। ज़री के संदर्भ में यदि भोपाल की संस्कृति समझने की कोशिश करें तो पाएंगे कि यहां औरतें मर्दो पर हुक्म चलाती रही हैं उस वक्त के मर्द निहायत गैर जिम्मेदार रहे और मछली पकड़ने के अलावा कोई काम नहीं करते थे ऐसी स्थिति में बेकारी दूर करने और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के उद्देश्य से ही नवाब शाहजहां बेगम के ज़री उद्योग को बढ़ावा दिया। आपने ज़री के निर्यात पर भी बल दिया। (1901-26)नवाब सुल्तान जहां बेगम की भी ज़री के काम की बड़ी कद्रदां थीं। उन्होंने भी ज़री उद्योग को संगठित करने के काफी प्रयास किए। बुजुर्ग ज़री कारीगरों को आप ज़री के देती थी विधवाओं के कल्याण के लिए सुल्तान जहां बेगम ने 1905 में आसिफ टेक्निकल स्कूल की स्थापना की थी। सुल्तान जहां के दौर (1901-26) में ही ज़री उद्योग अपने ऊरूज में पहुंचा। बेगम साबि ने ही ज़री उद्योग को बाजार उपलब्ध करवाया हालांकि तब भी चौक बाजार में एक-सी-जरीवाला (1859) और नेशनल ज़री हाउस (1880) की दुकानें खुल चुकी थीं। इसके बाद के वर्षों में जय नारायण कन्हैयालाल, मुल्ला गुलाम बक्श गोते वाला, मुख्तार जनरल स्टोर, सूफी नबी बक्श हाजी कादर भाई (इब्राहिमपुरा)आदि। ज़री के बड़े और प्रतिष्ठित व्यापारियों में से थे इनसे अब केवल एस-सी-जरीवाला और जयनारायण कन्हैयालाल की दुकानें ही वजूद में हैं। दरअसल ज़री का काम सबसे पहले बटुओं पर शुरू हुआ।

उन दिनों रईसों में पान, गुटका, सुपारी आदि खाने का चलन था। सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी। सत्तर के दशक में सोना-चांदी बहुत महंगा हो गया, कलखखा ज़री का स्थान मोतियों, कला वस्तु ने ले लिया बटुओं से शुरू होकर ज़री साड़ी, कुर्ता, जैकेट, टीकोजी, पर्दा, रूमाल, चप्पल आदि की शान बन गई। लेकिन भोपाल की पहचान ज़री के बटुओं की वजह से ही बनी। भोपाल का ज़री बटुआ उद्योग भी उतना ही मशहूर है जितना कि अलीगढ़ का ताला उद्योग, बनारस का साड़ी उद्योग। आज भी अधिकांश विदेशी पर्यटक भोपाली पहचान का प्रतीक ज़री बटुआ खरीदना नहीं भूलते। दुर्भाग्य से इन अब ज़री के काम का चलन कम होने लगा है। पुश्तैनी कारीगर भी यह काम छोड़ने को मजबूर होते जा रही हैं। भोपाल के चांदबढ़, जहांगीराबाद, इतवारा, शाहजहांनाबाद, मोती मस्जिद, हमीदिया रोड आदि क्षेत्रों में अनेक मुस्लिम परिवार इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक अपनी इस विरासत को आज जैसा-तैसा बचाए हुए हैं।

> किसी व्यक्ति की कुंडली सिर्फ उसके जीवन की ग्रह दशा ही नहीं कहती, बल्कि उसके प्रत्येक घर में ईश्वर विराजमान होते हैं। या यूं कहें कि कुंडली देखकर पता लगाया जा सकता है कि आप किसकी आराधना करें, जो फलित हो...

कुंडली में ईश बसे...

ज्योतिष शास्त्र में किसी जातक की कुंडली से उसके इष्ट देव को जानने के अलग-अलग सूत्र व सिद्धांत हैं, जिन्हें समय-समय पर ऋषि- मुनियों ने तैयार किए हैं। ऐसे ही एक ऋषि और जेमिनी सूत्र के रचनाकार महर्षि जेमिनी ने इष्टदेव के निर्धारण में आत्मकारक ग्रह की भूमिका को सबसे अधिक महत्वपूर्ण बताया है। कुंडली में लग्नेश, लग्न ग्रह के स्वामी ग्रह जो सबसे अधिक अंश में हो, चाहे किसी भी राशि में हो, आत्मकारक ग्रह होता है। इसी ग्रह को आधार मानकर जातक को अपना इष्ट चुनने का संकेत मिलता है। जेमिनी ने इष्ट निर्धारण के लिए देव चुनने में निम्न बातों का ध्यान रखने की भी सलाह दी है-

- आत्मकारक ग्रह के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व उनकी आराधना करनी चाहिए।
- दूसरे आधारों के मुताबिक, पंचम भाव, पंचमेश व पंचम में स्थित बलि ग्रह या ग्रहों के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व अराधना करें।
- त्रिकोणेश में सर्वाधिक बलि ग्रह के अनुसार भी इष्टदेव का चयन कर सकते हैं और उसी अनुसार उनकी आराधना करें।

इस प्रकार अपने इष्टदेव का चयन करने के उपरांत ही उनकी पूजा-आराधना करनी चाहिए। आप इन्हें किसी भी परिस्थिति में न त्यागें। अपने इष्टदेव का निर्धारण कर यदि आप नियमित पूजन करते हैं, तो आपको आपने पूर्वजन्म कृत पापों से मुक्ति भी पाने में मदद मिलेगी।

ग्रह अनुसार इष्ट निर्धारण

सूर्य : राम व विष्णु
चंद्र : शिव, पार्वती, कृष्ण
मंगल : हनुमान, कार्तिकेय, स्कंद, नरसिंग
बुध : गणेश, दुर्गा, भगवान बुद्ध
बृहस्पति : विष्णु, ब्रह्मा, वामन
शुक्र : परशुराम, लक्ष्मी
शनि : भैरव, यम, कुर्म, हनुमान
राहु : सरस्वती, शेषनाग
केतु : गणेश व मत्स्य

वास्तुः दिशा सही, सीढ़ी सही

सीढ़ियों ऐसी होनी चाहिए कि घर में रहने वाले व्यक्ति को पता ही न चले कि वह कब पहली सीढ़ी से चढ़कर ऊपर पहुंच गया। सीढ़ियां जैसी भी हों, जहां भी हों, उनका मकसद सिर्फ और सिर्फ ऊपर की मंजिल तक पहुंचाना होता है। घर की खूबसूरती में कई चांद लगाने वाली यह सीढ़ियां आज न जाने कितने डिजाइनों में उपलब्ध है, लेकिन अगर आपने इनसे जुड़े वास्तु सिद्धांतों पर गौर नहीं किया तो यह अपने होने के उद्देश्य से भटक भी सकती हैं।

वास्तु में भवन के अंदर और बाहर की सीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध है। वास्तु में इन्हें घर का न सिर्फ अहम हिस्सा माना गया है बल्कि इनके प्रभावों पर भी विस्तृत चर्चा मौजूद है। वास्तु अनुसार, घर में सीढ़ियों के लिए सर्वोत्तम दिशा दक्षिण, पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम है। अगर सीढ़ियां सही स्थान पर बनी हों, तो जीवन के बहुत से उतार-चढ़ाव व कठिनाइयों से बचा जा सकता है।

दिशा सीढ़ियों की

सीढ़ियों को अगर सही दिशा में न बनाया गया हो, तो यह एक गंभीर वास्तुदोष माना जाता है। इस दोष के कारण मनुष्य को अनावश्यक आर्थिक व निजी जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसका उचित उपाय तो सीढ़ियों का सही दिशा में स्थित होना ही है, किंतु यदि सीढ़ियां गलत दिशा में बनी हों और उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करना संभव न हो, तो बिना तोड़फोड़ के भी इस वास्तुदोष का निवारण किया जा सकता है। इसके लिए किसी कुशल वास्तु विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में स्टोन पिरामिड की स्थापना करनी पड़ती है।

इनका ध्यान रखें

सीढ़ियां कभी भी उत्तर-पूर्व में न बनवाएं। यह धननाश व व्यापार में हानि तथा कर्जो का कारण बन सकती हैं। इससे संतान पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। सीढ़ियां हमेशा विषम संख्या (3,5,7,9,11,13) में हों। सुविधाजनक, सुंदर व मजबूत सीढ़ियां अच्छे वास्तु की परिचायक हैं। सीढ़ियों के टूटे किनारे वास्तु-दोष उत्पन्न करते हैं। अतः इनकी मरम्मत समय रहते करवा लेनी चाहिए। घुमावदार सीढ़ियां अच्छी नहीं होती। सीढ़ियों के नीचे रसोई घर, पूजा घर, स्नान घर आदि न बनवाएं। हां, वहां स्टोर रूम बनाया जा सकता है। घर के केंद्र में (ब्रह्मस्थान में) सीढ़ियां होने से घर के सदस्यों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। सीढ़ियों की ऊंचाई व चौड़ाई इस आकार में हो कि बच्चा व बूढ़ा आसानी से बिना थके चढ़ सके। सीढ़ियों की ऊंचाई सात इंच तथा चौड़ाई दस इंच से एक फुट तक हो सकती है।

प्रकृति में छिपा स्वास्थ्य

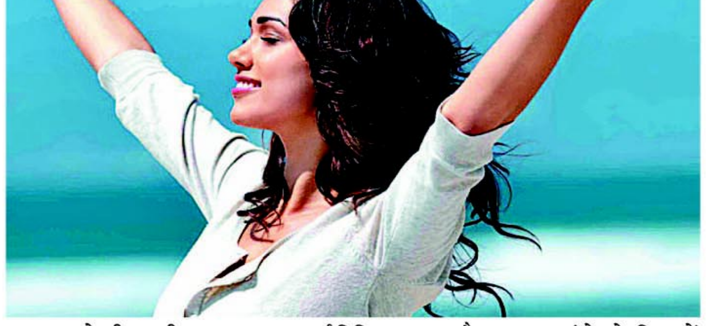

स्वास्थ्य को जीवन की एक बहुत महत्वपूर्ण निधि माना जाता है। स्वास्थ्य एवं रोग के विषय में प्राकृतिक चिकित्सा के अपने कुछ मौलिक सिद्धांत हैं, जिसके उल्लंघन पर तमाम रोग होते हैं। हमारे आस पास यानी की हमारी प्राकृति में ही इतनी अनमोल चीजें छिपी हुई हैं कि अगर हम उनको अपने सेहत को सुधारने के लिए प्रयोग करेगें तो हम हमेशा ही मुस्कुराता हुआ जीवन जीएगें। चलिए जानते हैं कि प्रकृति में ऐसी कौन सी चीजे हैं जिनसे हमें लाभ मिल सकता है।

संतुलित खान-पान

स्वस्थ रहने के इन तरीको को में सबसे पहला स्थान संतुलित खान-पान का है। ताजे फल और हरी पत्तेदार सब्जियां व अंकुरित अन्न इस दृष्टि से सर्वाधिक उपयुक्त है। ये आहार स्वास्थ्य को उन्नत करने के साथ-साथ रोगों से दूर रखते हैं।

मिट्टी से उपचार

शरीर पर तरह तरह की मिट्टियों का लेप लगाने से लाभ होता है। हमारे शरीर को शीतलता देने के लिए मिट्टी का प्रयोग किया जाता है। यह शरीर के दूषित पदार्थ को घोल कर एवं अवशोषित कर पूरे शरीर से बाहर निकाल देती है।

उपवास भी है फायदेमंद

उपवास को प्राचीन समय से स्वस्थ्य रहने का उत्तम साधन माना जाता है। उपवास पाचन प्रणाली को विश्राम देने की प्रक्रिया में खर्च होने वाली ऊर्जा, शरीर से बीमारियों को बाहर निकालने में लग जाती है, यही उपवास का उद्देश्य भी है। अगर आपको स्वस्थ्य रहना है तो हफ्ते में एक दिन जरुर उपवास करें।

मालिश भी है जरूरी

मालिश भी स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है, इसका प्रयोग अंग-प्रत्यंगों को पुष्ट करने हुए शरीर के रक्त संचार को उन्नत करने में होता है। मालिश से शरीर निरोगी रहता है और स्फूर्ति बनी रहती है।

पानी से उपचार स्वच्छ, ताजे एवं शीतल जल से अच्छी तरह से स्नान करना जल चिकित्सा का एक बढ़िया रूप है। इससे शरीर के सभी रंद्र खुल जाते हैं, यही नहीं शरीर में हल्कापन और स्फूर्ती भी आती है।

बनाएं अपनी होम लाइब्रेरी

कहते हैं किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। मगर, कॅरियर और पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालने में हम इस कदर व्यस्त हो जाते हैं कि किताबों से मिलने का समय ही नहीं मिलता। ऐसे में होम लाइब्रेरी एक बेहतर विकल्प हो सकता है। अपने घर में लाइब्रेरी सेट करने के लिए अपनाएं कुछ आसान टिप्स..

ऐसे करें लाइब्रेरी मैनेज

1. हमेशा किताबों को तिरछी करके रखें, ऐसा करने से किताबों को निकालने में आसानी होगी।
2. किताबों को कभी-भी फंसाकर न रखें, ऐसा करने से उनके कवर्स फटने की संभावना होती है।
3. बुकमार्क का प्रयोग करें। ऐसा करने से आपको किताबों के पन्ने फोल्ड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और किताबों की सुंदरता बनी रहेगी।
4. किताबों को उधार न दें। अगर आप अपने दोस्तों को किताबें देते भी हैं तो समय से उन्हें वापस ले लें। अगर ऐसा नहीं करते हैं तो आपका बुक्स कलेक्शन खराब हो जाएगा।
5. समय-समय पर किताबों की सफाई भी करें। सिर्फ बुक शेल्फ की सफाई करना काफी नहीं है, आप सप्ताह में एक बार किताबों को भी कपड़े से साफ करें।
6. लाइब्रेरी का वातावरण सुगंधित और साफ-सुथरा बनाए रखें। बारिश के मौसम में इस बात का खास ख्याल रखें कि किताबों में सीलन न लगे।
7. रीडिंग के समय अगर कोई मेहमान आ जाए तो उसे लाइब्रेरी में बुलाने की बजाय आप खुद दूसरे कमरे में उसे बिठाएं।

शांत हिस्से में बनाएं लाइब्रेरी

लाइब्रेरी घर के सबसे शांतिपूर्ण हिस्से में होनी चाहिए। कोशिश करें कि लाइब्रेरी हॉल से थोड़ी दूर हो, वरना वहां होती चहल-पहल से पढ़ाई में मुश्किल होगी। अगर आपके बच्चे छोटे हैं तो लाइब्रेरी को उनके रूम के पास भी न बनवाएं।

किताबों तक पहुंचना हो आसान

लाइब्रेरी की अलमारियां और शेल्फ ऐसी हों, जिससे किताबों को ढूंढने में मुसीबत न हो। जो किताबें काफी महंगी हैं, उन्हें कवर्ड अलमारी में रखें। बच्चों की पसंद की किताबों को ओपन शेल्फ में रखें, क्योंकि जल्दबाजी में वे अक्सर शेल्फ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा ऐसी किताबें जो आपको बहुत पसंद हैं, उन्हें ट्रांसपेरेंट कांच वाली अलमारी में रखें, ताकि उनके टाइटल साफ दिखाई दें और आप उन्हें आसानी से ढूंढ सकें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)